शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 09 | अंक : 98 | गुवाहाटी | मंगलवार, 1 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य सहित संपन्न हुआ छठ महापर्व — पेज 3
कोई राष्ट्र अपने नायकों को विस्मृत कर आगे नहीं बढ़ सकता : योगी — पेज 4
कोरोना काल में सपा के लोग घर में बैठे थे तब भाजपा जनता की सेवा कर... — पेज 5
पाकिस्तान गए अकाल तख्त जत्थेदार के साथ दिखा आतंकी हर प्रित सिंह पिंका — पेज 8

नगालैंड में आयोजित पूर्वोत्तर मंत्रीस्तरीय सम्मेलन

सीएम हिमंत ने प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग पर दिया जोर

कोहिमा (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को केंद्रीय खान, कोयला और संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी की उपस्थिति में नगालैंड के सुमुकदिमा जिला में आयोजित पहले पूर्वोत्तर क्षेत्र और खान मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र खनन और खनिज तथा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। आधुनिक तकनीक की कमी, समुचित योजना और निरंतर प्रयासों के कारण, क्षेत्र इन संसाधनों का उचित उपयोग संभव नहीं कर पाया है। ओडिशा जैसे राज्यों द्वारा इस संबंध में खनिज संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से विकास की गति तेज करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि संसाधनों के उचित उपयोग के माध्यम से इस प्राकृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्य के खनन और खनिज संसाधन क्षेत्र के उचित उपयोग की दिशा में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के सहयोग की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण पूर्वोत्तर आज विकास की ओर अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है और केंद्र सरकार की उचित नीतियों और योजनाओं के कारण आज पूरा क्षेत्र देश के विकास का केंद्र बिंदु बन गया है। प्रधानमंत्री द्वारा इस क्षेत्र को देश के विकास का नया इंजन बताए जाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस क्षेत्र में विकास की दृष्टि से अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में रेलवे, हवाई मार्गों, भूमि सड़कों और नदी मार्गों में बड़े बदलाव के साथ परिवहन और संचार क्षेत्र में -शेष पृष्ठ दो पर

छह विद्रोही संगठनों को पुनर्वास के लिए वित्तीय मदद

अल्फा मुख्यधारा में लौटे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने छह विद्रोही संगठनों के 318 कैडरों को 1.5 लाख रुपए प्रत्येक को एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की। सोमवार को गुवाहाटी के पांजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित वित्तीय सहायता वितरण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यधारा में लौटकर हमारी लोकतांत्रिक आचार संहिता में विश्वास जताने वाले छह संगठनों के सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। मुख्यमंत्री ने पुनर्वास के माध्यम से आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए 127 यूजीपीओ, 74 टीएलए, 38 केएनएलए, 33 केएलएफ, 35 अल्फा, 11 डीएनएलए समेत कुल 318 कैडरों को 1.5 लाख रुपए का चेक प्रत्येक को प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अब तक एनडीएफबी के 4203, पीडीसीके के 365, केपीएलटी के 974, यूपीएलआर के 351, केएलएनएलएफ -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राज्यीय सीमा समस्या का तार्किक निष्कर्ष अगले माह

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खाडू ने कहा है कि अगले महीने तक असम-अरुणाचल प्रदेश अंतर्राज्यीय सीमा समस्य का तार्किक निष्कर्ष हो सकता है। ये बातें सोमवार को यहां असम-अरुणाचल सीमा समस्या समाधान बैठक के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कही। मुख्यमंत्री खांडू ने बताया कि असम के मंत्री अतुल बोरा के नेतृत्व में असम के पांच मंत्री, दो विधायक और सभी संबधित जिलों के उपायुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सोमवार की सुबह गुवाहाटी स्थित पांडू पोर्ट घाट पर चल रही छठ पूजा के दौरान श्रद्धा व्यक्त करते हुए।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असम के कुछ और क्षेत्रों से हटेगा अफस्पा : सीएम

गुवाहाटी। असम के कुछ और इलाकों से सशस्त्र बिल विशेषाधिकार कानून अफस्पा से हटाया जा सकता है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस आशय के संकेत दिए हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार दो क्षेत्रों से यह कानून हटाने पर विचार कर रही है। सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून-1958 (अफस्पा) को एक अक्तूबर को असम में छह माह के लिए बढ़ाया गया था। गड़बड़ी इलाके वाले क्षेत्रों के रूप में चिंहित किए गए तिनसुकिया, डिब्रुगढ़, चराईदेउ, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट, कार्बी आंग्लांग और दीमा हसाओ जिलों तथा बराक घाटी में कछार के -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए पर 6 दिसंबर को होगी सुनवाई, असम और त्रिपुरा को जवाब दाखिल के लिए अधिक समय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता संशोधन कानून पर अब 6 दिसंबर को सुनवाई होगी। सीजेआई ने सीएए मामले को उचित पीठ के समक्ष 6 दिसंबर को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। बता दें कि सीजेआई 7 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। सीजेआई ने सरकार को असम और त्रिपुरा के संबंध में दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को समय दिया है। दो या तीन मामलों को प्रमुख मामले के तौर पर सुना जाएगा ताकि मामले पर सुनवाई आसानी से की जा सके। इससे पहले सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि कुल 232 याचिकाएं हैं। केंद्र ने जवाब दाखिल कर दिया है और हमें असम और

त्रिपुरा की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। सीजीआई ने कहा कि ये मांग आखिरी मौके पर भी की गई थी। हालांकि रविवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सीएए को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज करने की अपील करते हुए कहा कि इससे यह अवैध आव्रजन को बढ़ावा नहीं देता। बल्कि यह एक स्पष्ट कानून है जो केवल छह निर्दिष्ट समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान करता है जो असम समेत देश में 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले आए थे। इस कानून से भविष्य में भी देश में विदेशियों का तांता लगने का -शेष पृष्ठ दो पर

मोरबी पुल हादसे पर पुतिन ने जताया शोक

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने गुजरात के मोरबी शहर में पुल हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की है। इस हादसे में अब तक 134 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सोमवार को एक वेबसाइट पर प्रकाशित संदेश में पुतिन ने कहा कि माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, कृपया गुजरात राज्य में दुखद पुल हादसे के प्रति मेरी संवेदना स्वीकार करें। -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

आईएमए की मीटिंग में डॉक्टरों में चले लात-घूंसे

जबलपुर। जबलपुर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मध्य प्रदेश की ऐनुअल मीटिंग के दौरान डॉक्टर आपस में भिड़ गए। इनमें जमकर लात-घूंसे चले। यह सबकुछ हुआ स्वागत भाषण के दौरान। मारपीट का वीडियो सोमवार को सामने आया है। मामले को लेकर आईएमए के प्रदेश सचिव और जबलपुर अध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र पांडे बताया कि डॉ. राकेश पाठक को एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष एक साल पहले बना दिया गया था। यहां उनका सम्मान किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक इंदौर-ग्वालियर के कुछ डॉक्टर आईएमए का हेड क्वार्टर इंदौर या ग्वालियर में शिफ्ट करने की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। मैंने हंगामे का विरोध किया तो वे लोग मंच पर आ गए। बदसलूकी -शेष पृष्ठ दो पर

सत्ता में आए तो आरएसएस से मुक्त करेंगे संस्थाएं : राहुल

रंगारेड्डी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी सत्ता में आई तो संस्थाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से मुक्त कराया जाएगा और उनकी स्वतंत्रता बरकरार रखी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक होना और तानाशाही नहीं चलाना *कांग्रेस का डीएनए* है, लेकिन दूसरे दलों से कब पूछा जाएगा कि वे अपने यहां चुनाव क्यों नहीं कराते। राहुल गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

इंदिरा गांधी को खड़गे, सोनिया और राहुल ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ सुबह इंदिरा गांधी की 38वीं पुण्यतिथि पर शक्ति स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनके बलिदान दिवस पर वह नमन करते हैं। खड़गे ने कहा कि कृषि हो, अर्थव्यवस्था हो या -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में यूरोप से चलाया जा रहा आतंकी नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया, जिसे यूरोप से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने जम्मू में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन की मदद से हथियारों और विस्फोटकों की खेप गिराए जाने में शामिल उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरएस पुरा में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ बासपुर बांग्ला क्षेत्र में ड्रोन द्वारा हथियार गिराए जाने की जांच के दौरान डोडा के चंदर बोस और -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

भारत-नेपाल के मध्य नो-मेंस लैंड पर विवाद

सीतामढ़ी। नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद का एक नया मामला सामने आया है। नेपाल सरकार ने दोनों देशों की सीमा के पास भारत में बन रही एक सड़क के चौड़ीकरण पर आपत्ति जताई है। इसके बाद इस सड़क पर काम रोक दिया गया है। यह सड़क सीधी सीतामढ़ी के कई इलाकों को नेपाल बॉर्डर पर भिठ्ठामोड़ और नेपाल के जनकपुर से जोड़ती है। यहां पुल निर्माण कराया जाना है। नाम न जाहिर करने की -शेष पृष्ठ दो पर

सरदार को भूलने पर देश कांग्रेस को नहीं करेगा माफ : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर देश के पहले गृहमंत्री और पाटीदार नेता सरदार वल्लभ भाई पटेल को भुला देने का आरोप लगाया। देश के एकीकरण में पटेल की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो कांग्रेस सरदार पटेल को अपने साथ जोड़ नहीं पा रही है, वो देश को क्या जोड़ सकती है? प्रधानमंत्री ने आज असारवा, अहमदाबाद में 2900 करोड़ रुपए से अधिक की दो रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं में अहमदाबाद (असारवा)-हिम्मतनर-उदयपुर गेज परिवर्तित लाइन और

लूनिधर-जेतलसर गेज परिवर्तित लाइन शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने भावनगर-जेतलसर और असारवा-उदयपुर के बीच नई ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान आयोजित जनसभा में कहा कि सरदार पटेल के जन्मदिन पर दो अखबार पर उनकी नजर गई। राजस्थान की कांग्रेस सरकार का गुजराती अखबार पर फुल पेज विज्ञापन छपा है। लेकिन उस विज्ञापन में न तो सरदार पटेल का नाम है, न ही उनकी फोटो है और न ही उनको श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल भाजपा के नेता नहीं बल्कि कांग्रेस के -शेष पृष्ठ दो पर

देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Sarwjeet Kour Mother of No.15340526A, Rank-CHM Name Mezar Singh, R/O of Vill- Gobind Garh, P.O.- Dacher, Dist- Karnal State- Haryana, Pin-132024 that I have changed my name Sarwjeet Kour to Sarbjeet Kaur. Vide affidavit before the Notary Tezpur, Sonitpur, Assam on 14/10/2022 hereby declared that both Names Sarwjeet Kour & Sarbjeet Kaur pertain to one and the same person.

एलजीबीआई हवाई अड्डे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि दी

गुवाहाटी (नसं)। बोरझार स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 147 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। हवाई अड्डे ने कहा कि भारत के एकीकरण के लिए पटेल के महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए आभारी है। भारत के लौह पुरुष के जीवन इतिहास को प्रदर्शित करने वाला एक विशाल बोर्ड टर्मिनल के आगमन क्षेत्र में लगाया गया है।

मोरबी त्रासदी से पूरा देश शोक में : पीएम

बनासकांठा/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गुजरात का गौरव बढ़ाने वाला प्रत्येक कार्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकत सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास में है। प्रधानमंत्री ने बनासकांठा जिले के थराद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जलापूर्ति से संबंधित 8000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने मुख्य नर्मदा नहर से कसरा-दंतीवाड़ा पाइपलाइन सहित कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिस पर 1560 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इस परियोजना से पानी की आपूर्ति बढ़ेगी और क्षेत्र के किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी। मोदी ने कार्यक्रम में संबोधन की शुरुआत मोरबी केबल पुल हादसे पर संवेदना व्यक्त करते हुए की। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात और पूरा देश कल मोरबी में हुई त्रासदी के बाद लोगों की मौत के दुख में डूबा हुआ है। दुख की इस घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनकी टीम तहे दिल से राहत कार्य के लिए काम कर रहे है। मैं मुख्यमंत्री और राहत कार्य में लगे अधिकारियों के लगातार संपर्क में हूं। एनडीआरएफ की टीम और सशस्त्र बलों के जवान पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं अंबाजी की धरती से गुजरात के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि राहत कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। दुख की इस घड़ी में कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर अपनी दुविधा साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके मन में दो विचार थे कि वह इस आयोजन को रद्द करें या नहीं, लेकिन बनासकांठा में जलापूर्ति परियोजनाओं के महत्व और लोगों के प्यार को देखते हुए उन्होंने अपने दृढ़ता को बढ़ाया और 8000 करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए आगे आए। उन्होंने रेखांकित किया कि इन परियोजनाओं से बनासकांठा, पाटन और मेहसाणा सहित गुजरात के छह से अधिक जिलों में सिंचाई सुविधाओं में मदद मिलेगी। राज्य ने अतीत में जिन कठिन समय का सामना किया है, उसे याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गुजरात के लोगों की अटूट भावना है जो उन्हें किसी भी संसाधन के साथ किसी भी विपत्ति से निपटने की ताकत देती है। बनासकांठा इसका जीता-जागता उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने उस समय को याद किया जब उत्तरी गुजरात के हजारों जिलों में फ्लोराइड दूषित पानी था और कहा कि पानी से संबंधित मुद्दों का क्षेत्र में कृषि जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया, हालत ऐसी थी कि अगर कोई जमींदार अपनी जमीन बेचना चाहता था तो उसे कोई खरीदार नहीं मिलता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से मैं भूमि का *सेवक* बना हूं, यह हमारी सरकार थी जिसने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान की और उन्हें अत्यंत समर्पण और ईमानदारी से पूरा करने की दिशा में काम किया। मोदी ने कहा कि हमने जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया, चेक डैम और तालाब बनाए। प्रधानमंत्री ने सुजलम-सुफलाम योजना, वासमो योजना और पानी समितियों का उदाहरण दिया। उन्होंने महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया, जिसके परिणामस्वरूप कच्छ सहित पूरे उत्तर गुजरात क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई और *प्रति बूंद अधिक फसल* मॉडल के साथ-साथ कृषि, बागवानी के साथ-साथ इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ हमारे पास बनास डेयरी है जबकि दूसरी तरफ 100 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट है, हमने इस क्षेत्र के हर घर में नल का पानी पहुंचाने का लक्ष्य हासिल किया है। मोदी ने रेखांकित किया कि ड्रिप सिंचाई और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों ने पूरे देश का ध्यान बनासकांठा की ओर खींचा है और विश्व स्तर पर पहचान भी हासिल की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बनासकांठा विकास के इतिहास में अपना ही अध्याय लिख रहा है। उन्होंने बताया कि बनासकांठा में 4 लाख हेक्टेयर भूमि ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई के उपयोग के लिए समर्पित है, जिसके परिणामस्वरूप जल स्तर और कम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आपको लाभ हो रहा है बल्कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन भी सुरक्षित हो रहा है। पिछले 19-20 वर्षों में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि सुजलम-सुफलाम योजना के तहत सैकड़ों किलोमीटर की लंबी रिचार्ज नहरें बनाई गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाइपलाइन बिछाने और भूजल के बढ़ते स्तर के कारण गांव के तालाबों को भी पुनर्जीवित किया गया है। प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि जो दो पाइपलाइन बनने वाली हैं, उससे एक हजार से ज्यादा गांव के तालाबों को फायदा होगा। परियोजना की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि मुक्तेश्वर बांध और कर्मवत तालाब तक पाइपलाइन का विस्तार किया जा रहा है और ऊंचाई वाले स्थानों पर बिजली के पंपों की मदद से पानी उठाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि नर्मदा की मुख्य नहर से एक वितरण नहर का निर्माण किया जा रहा है जिससे थरद, वाव और सुईगांव तालुका के दर्जनों गांवों को लाभ होगा। पाटन और बनासकांठा के 6 तालुकों के कई गांवों को भी कसरा-दंतीवाड़ा पाइपलाइन से लाभ होगा।

उत्तर-पूर्व कृषियंत्र प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान का स्वच्छता अभियान संपन्न

विश्वनाथ (निसं)। भारत सरकार, कृषि मंत्रालय के निर्देश पर लंबित मामलों के निपटान के लिए सफल कार्यान्वयन को पूरा करने के उद्देश्य से उत्तर पूर्व कृषियंत्र प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान (भारत सरकार की एक अधीनस्थ संगठन) में 2 से 31 अक्तूबर तक विशेष अभियान का आयोजन किया गया है। समय-समय पर जारी किए गए डीएआरपीजी के विस्तृत दिशानिर्देशों अनुदेशों के अनुसार उचित प्रावधान अनुसार के साथ लंबित मामलों को व्यापक तरीके से निपटाने का निर्णय लिया गया है। उपरोक्त निर्णयों के अनुरूप, 2 अक्तूबर, 2022 से अब तक इस संस्थान में विशेष अभियान 2.0 चलाया गया। अब तक की गतिविधियों के बाद अभियान की ओरिएंटेड तस्वीरें ली गई हैं, हालांकि, स्वच्छता एक महत्वपूर्ण योगदान देत है इस अभियान के दौरान बातों पर विशेष ध्यान दिया गया है क्रमशः स्वच्छात ही सेवाको ध्यान में रखते हुए, स्वच्छता गतिविधियां की जा रही हैं। प्रशिक्षण, परीक्षण और स्थापना और इसकी परिधि के सभी क्षेत्रों में से अधिकांश को साफ किया गया तथा इसकी उच्च किस्म कि प्रतियां देखने हेतु प्रस्तुत की गई। अब तक 202 फाइलों को हटा दिया गया है, (आदेश जारी किया गया) कुल क्षेत्र 618 वर्ग फुट मुक्त किया गया। गत 21अक्तूबर को आयोजित सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से स्क्रैप से 2,82,934 रुपए का राजस्व अर्जित किया गया।

माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी का दीपावली मिलन महोत्सव

गुवाहाटी (नसं)। छत्रीबाडी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन के प्रांगण मे माहेश्वरी सभा के तत्वावधान मे दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के काफी संख्या मे बंधुगण शामिल हुये। सभा मे लिये गए निर्णयानुसार किसी भी प्रकार की मंच गठन की प्रकिया के बिना कार्यक्रम संयोजक मधुसूदन चरखा ने समाज के वरिष्ठ सदस्य रामस्वरूप लखोटिया, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष नवल किशोर सारडा, मंत्री मदन गोपाल सिगची, महिला समिति अध्यक्ष सरला लाहोटी, युवा संगठन अध्यक्ष आदित्य मूंदडा, सभा उपाध्यक्ष वल्लभ लाहोटी, कुशल काबरा, सहमंत्री बनवारी लाल बिड़ला, संगठन मंत्री अंचल-6 रतन लाल चितलांगिया, बनवारी लाल मूंदडा, सलाहकार निरंजन लाल काबरा, श्रीभगवान लाहोटी, निर्वतमान अध्यक्ष राजकुमार सोमानी, पूर्व अध्यक्ष बासुदेव सारडा, मदनमोहन मल, श्याम सुंदर सारडा, कार्य मण्डल सदस्य सीताराम बिहानी, संदीप तापडिया, एवं समाज, महिला समिति व युवा संगठन के सदस्यों ने सामुहिक दीप प्रज्वलन करवाते हुये, भगवान महेश की वंदना की। तत्पश्चात सभा, महिला युवा संगठन अध्यक्ष, संगठन मंत्री, सभा मंत्री एवं समाज बंधुओं ने पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की। युवा संगठन सचिव कमल मूंदडा, महिला समिति सचिव वर्षा सोमानी, सभा मंत्री मदन गोपाल सिगची ने पूर्व पदाधिकारी, विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक व सह-संयोजकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सुश्री अनवी नागौरी, दर्श काबरा द्वारा दी गई शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उपस्थित बंधुओं का मन मोह लिया। गिफ्ट कुपन के वितरण मे प्रभात चांडक, संतोष तापडिया, रतनलाल चितलांगिया, सीताराम बिहानी, गिरधारीलाल झंवर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

कामरूप जिला प्रशासन की ओर से एकता दौड़ आयोजित

रंगिया/अमिनगांव (निसं)। देश की एकता और अखंडता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज कामरूप जिले में भी राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कामरूप जिला प्रशासन के सौजन्य से तथा कामरूप पुलिस, शिक्षा, खेल आदि विभागों के सहयोग से चांसारी उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ को जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक, जिला विकास आयुक्त, पुलिस उप-अधीक्षक, रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी, स्कूलों के निरीक्षक सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा जिला के शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कामरूप पुलिस द्वारा मार्च पास्ट का भी आयोजन भी किया गया। इस मौके पर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए शपथ ग्रहण समारोह भी कराया गया। शपथ स्कूल निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया द्वारा कराई गई। समारोह में उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने की दिशा में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के उत्कृष्ट योगदान को याद किया। उन्होंने युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों से भारत की इस यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आग्रह किया, जिसे आज शांति, समृद्धि और एकता की अनूठी मिसाल के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है। कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय, जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे और जिला स्कूल निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया ने भी भाग लेते हुए भाषण प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के 275 स्कूलों द्वारा आज राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दौड़ का आयोजन किया गया। दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज कामरूप जिले के एकीकृत आयुक्त कार्यालय में भी शपथ ग्रहण कराया। जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे द्वारा शपथ पाठ कराया गया।

अपोलो गायनोकोलोजी
स्क्रीनिंग कैंप

डॉ. जी. विष्णु वंदना, MBBS, DNB (Obstetrics & Gynaecology)
कन्सलटेंट-इनफर्टिलिटी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

6 नवंबर 2022 को गुवाहाटी में परामर्श के लिए

जो मरीज बच्चे न होने की समस्याओं और स्त्री रोग से संबंधित किसी रोग से परेशान हैं, वे अपना-अपना नाम अग्रिम में रजिस्टर करा सकते हैं।

Apollo Medical Centre
Subham Buildwell Complex (near NEEPCO office)
RG Baruah Road, **Guwahati**
Contact : 8720902000, 8876958514, 0361-7135005

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
कार्डियक इलेक्ट्रोफिसिओलोजिस्ट

डॉ. ए.एम. कर्थिगेसैन, Cardiac Electrophysiologist & Pacing Specialist
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

6 नवंबर, 2022 को

हृदय धड़कन / नाड़ी (पल्स) से संबंधित समस्याओं (तेज या धीमी हृदय धड़कन) दिल का दौरा / सांस लेने में परेशानी सजगता में कमी / साइनकोप पेसमेकर इमप्लैंटेशन्स और चेकअप्स इलेक्ट्रोफासिकोलोजी स्टडी और आरएफ अब्लैसन आईसीडी या सीआरटी डिबाइस इमप्लैंटेशन और चेक अप्स के लिए अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकेत हैं।

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

सीएम हिमंत ने ...

आमूलचूल बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोहिमा से डिमापुर तक फोरलेन सड़क कार्बी आंग्लांग से जुड़ जाए तो क्षेत्र विकास में एक नया आयाम प्राप्त कर सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2035 तक देश में पर्यावरण प्रदूषण के स्तर को काफी कम करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा और गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सतत विकास के प्रधानमंत्री के सिद्धांतों का हमारी भूमि की सुरक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन क्षेत्र के संसाधनों के उचित अन्वेषण और अनुप्रयोग की दिशा में एक नया आयाम जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्रीय मंत्री इस सम्मेलन के प्रस्तावों को लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में अगला शिखर सम्मेलन आयोजित करने के निर्णय का भी स्वागत किया। इस अवसर पर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, असम सरकार के खान और खनिज मंत्री, नगालैंड सरकार के खान और खनिज मंत्री, नहरकटिया के विधायक तरंग गोगोई, केंद्र और राज्य सरकारों के उच्च पदस्थ अधिकारी उपस्थित थे।

अल्फा मुख्यधारा में ...

के 236, अल्फा के 87, यूपीआरएफ के 29, आरएनएलएफ के 28, एडीएफ के 88, एलएनएफबी (बंगाली) के 303 और 13 अन्य लोगों समेत कुल 6740 मुख्यधारा में लौटने वाले कैडरों का असम सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास योजना के तहत पुनर्वास किया गया है। एनडीएफबी और कार्बी कैडरों में से 3276 को एसआईपीआरडी के सहयोग से असम पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अल्फा से हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति वार्ता के लिए आगे आने की अपील करता हूं। असम में आज यह स्पष्ट है कि असम के लोग और हर समुदाय का कोई भी व्यक्ति हिंसा, आतंक, वैमनस्य और बुराई और वैमनस्य नहीं चाहता है। यह हम सभी का दायित्व है कि रक्तपात के इतिहास को हमेशा के लिए रोकें और विकास और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें और हमारी असम भूमि को विकास का राज्य बनाएं। कैडरों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आज आपको जो सरकारी आर्थिक मदद दी गई है, उसका लाभ उठायेंगे। इस अवसर पर तिवा स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य जीवन चंद्र कोंवर, पुलिस महानिदेशक भास्करज्योति महंत, गृह और राजनीतिक मामलों के प्रधान सचिव नीरज वर्मा, विशेष पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, पुलिस की विशेष शाखा के अतिरिक्त महानिदेशक हिरेन कुमार नाथ, केंद्रीय सुरक्षा बलों की महानिदेशक सोनाली बी मिश्रा, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक कनोलजीत सिंह बर्नवाल, सेना के ब्रिगेडियर मैथ्यू जैकब समेत अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंतर्राज्यीय सीमा ...

बैठक में शामिल थे। पहले की तरह आज की बैठक भी काफी सकारात्म रही। कई मुद्दों पर चर्चा हुई। अरुणाचल प्रदेश और असम के विधायक, जिला उपयुक्तों ने पिछले कई दिनो से इस मुद्दों पर काम कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है। रिपोर्ट पूरा होने के बाद असम के मुख्यमंत्री के साथ बैठक करने के बाद सीमा समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक 80 प्रतिशत समस्या का समाधान हो गया है।

सीएए पर 6 दिसंबर ...

खतरा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित, जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ के समक्ष केवल सीएए के मुद्दे पर 31 अक्तूबर को 232 याचिकाएं सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, जिनमें ज्यादातर जनहित याचिकाएं हैं। इससे पहले, जस्टिस ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि सीएए को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तीन न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाएगा। इस मुद्दे पर मुख्य याचिका इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने दायर की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के दायर 150 पेज के हलफनामे में कहा गया कि संसद भारतीय संविधान के अनुच्छेद 245 (1) में प्रदत्त अधिकारों के तहत संपूर्ण भारत या उसके किसी भी हिस्से के लिए कानून बनाने में सक्षम है। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुमंत सिंह के दायर हलफनामे में सभी याचिकाओं को खारिज करने की अपील की गई है। सीएए-2019 से भारत में 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। याचिका दायर करने वाले अन्य महत्वपूर्ण लोगों में कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल हैं। मुस्लिम संगठन जमीयत उलमा-ए-हिंद, आल असम स्टूडेंट्स यूनियन, पीस पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, गैर-सरकारी संगठन *रिहाई मंच,* अधिवक्ता एमएल शर्मा और कानून के छात्रों ने भी इस अधिनियम को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

असम के कुछ ...

उपखंड में इसे बढ़ाया गया है। सरकार ने पूर्व में यह विवादित कानून पश्चिमी कार्बी आंगलांग जिले में स्थिति उल्लेखनीय रूप से सुधरने के बाद वापस ले लिया था। यह कानून सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के तलाशी अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। सीएम हिमंत शर्मा ने कहा कि असम और पूर्वोत्तर में शांति लौट आई है। आज राज्य के 65 फीसदी इलाकों से अफस्पा वापस ले लिया गया है। भविष्य में हम कछार के लखीपुर और पूरे कार्बी आंग्लांग जिले से इसे वापस लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफस्पा के दायरे से दो और क्षेत्रों के हटने के बाद ऊपरी असम में केवल छह जिले ही इस कानून के दायरे में रहेंगे।

मोरबी पुल हादसे ...

खबरों के मुताबिक, पुतिन ने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रियजनों व दोस्तों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्ति किया। साथ ही उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भी इस हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि कल मोरबी में भयानक त्रासदी हुई! मरने वालों के परिजनों, प्रधानमंत्री मोदी और भारत और गुजरात के सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना! घायलों के शीघ्र स्वास्थ होने की कामना करता हूं! नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने भी मोरबी में हुए पुल हादसे पर संवेदना जताई है। पीएम देउबा ने कहा कि मैं गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे से बहुत दुखी हूं। इस हादसे में कीमती जिंदगियां जाने पर भारत सरकार और भारत के लोगों के प्रति हम हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मोरबी जाएंगे। इस समय गुजरात का दौरा कर रहे मोदी ने पुल टूटने की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि मैं केवडिया में हूं, लेकिन मेरा मन मोरबी पुल हादसे में मरने वाले लोगों से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर के कलाकारों को केवडिया में पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देनी थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे रद्द कर दिया गया है।

आईएमए की मीटिंग...

करते हुए मेरे साथ हाथापाई की। मैंने तो बस अपना बचाव किया। डॉ. पांडे ने बताया कि मारपीट करने वाले इंदौर और ग्वालियर के डॉक्टरों ने ही वीडियो वायरल किया है। जीवाजी मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में पदस्थ डॉक्टर सुनील अग्रवाल और डॉक्टर एएस भल्ला ने साथियों के साथ मारपीट की है। ग्वालियर और इंदौर से आए डॉक्टरों का रवैया डॉक्टर जगत को शर्मशार करने वाला है। जानकारी के मुताबिक जबलपुर आईएमए के अध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र पांडे बैठक के शुभारंभ अवसर पर स्वागत भाषण दे रहे थे। भाषण लंबा होने पर भोपाल, उज्जैन, इंदौर और ग्वालियर से आए डॉक्टरों ने इसका विरोध किया। डॉ. पांडे ने भी मंच से जवाब दिया। इस दौरान ग्वालियर आईएमए के सदस्यों को बाहर निकालने के साथ ही अपशब्द कहे गए। इस पर वे भड़क गए। वे मंच पर पहुंचे और डॉक्टर पांडे से बहस करने लगे। इस दौरान दोनों ओर से धक्का-मुक्की हुई। फिर लात-घूंसे बरसने लगे। विवाद बढ़ता देख आईएमए जबलपुर के पदाधिकारियों ने पुलिस को कॉल कर दिया। हालांकि पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन शिकायत नहीं होने पर समझाइश देकर वापस लौट गई। रविवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मध्य प्रदेश की बैठक आईएमए हॉल राइट टाउन में चल रही थी। प्रदेश अध्यक्ष इंदौर के डॉक्टर अनिल भाटिया के स्थान पर जबलपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉक्टर आरके पाठक ने पदभार ग्रहण किया। बैठक में जबलपुर के अलावा इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, सागर, सतना समेत प्रदेश के अन्य जिलों से पदाधिकारी डॉक्टर पहुंचे थे। आईएमए यानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भारत के एलोपैथिक डॉक्टरों का स्वैच्छिक संगठन है। यह डॉक्टरों के हितों के साथ ही सम्पूर्ण समाज के स्वास्थ्य का ध्यान रखता है। इसकी स्थापना 1928 में हुई थी। उस समय इसका नाम *अखिल भारतीय चिकित्सक संघ* था, जिसे 1930 में बदलकर *भारतीय चिकित्सक संघ* कर दिया गया। यह संघ, समिति रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 के तहत रजिस्टर्ड है। भारतीय चिकित्सा संघ विश्व चिकित्सा संघ का संस्थापक सदस्य है। भारत के हर राज्य में इसकी इकाई भी है।

सत्ता में आए तो ...

ने संवाददाताओं से कहा कि संवैधानिक ढांचे को नष्ट किया गया है। संस्थाओं पर सुनियोजित ढंग से हमला किया गया है...मीडिया पर हमला किया गया है। सिर्फ मीडिया ही नहीं, न्यायपालिका, नौकरशाही पर हमला हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ये संस्था आरएसएस से मुक्त हों और इनमें स्वतंत्रता बनी रहे... हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि माहौल निष्पक्ष रहे और धन सिर्फ दो-तीन लोगों के हाथ में नहीं रहे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, सत्ता बड़े पैमाने पर एक स्थान पर केंद्रित हो रही है। केंद्र में मोदी सरकार और तेलंगाना में टीआरएस सरकार सांठगांठ वाली राजनीति कर रहे हैं। उनका यह भी कहना था कि *भारत जोड़ो यात्रा* का विचार यह है कि नफरत और आक्रोश के खिलाफ लड़ना है जो भाजपा पूरे देश में फैला रही है। यह नफरत और आक्रोश देश को कमजोर कर रहे हैं। राहुल गांधी ने ओबीसी जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जाने की भी मांग की। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी लोकतांत्रिक है। हमारे यहां तानाशाही नहीं चलती। चुनाव हुआ और नया अध्यक्ष चुना गया। यह हमारा डीएनए है कि हम तानाशाही नहीं चलाते। हम मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के हालिया चुनाव के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमने यह चुनाव कराया। आरएसएस और भाजपा तथा टीआरएस कब चुनाव कराएंगे? मीडिया कांग्रेस से पूछता है, लेकिन दूसरे दलों से नहीं पूछा जाता है।

इंदिरा गांधी को ...

फिर सैन्य बल, भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाने में इंदिरा गांधी का योगदान अतुलनीय है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इंदिरा गांधी को याद करते हुए ट्वीट किया कि वह अपनी दादी इंदिरा के प्यार और संस्कार दोनों को दिल में लेकर चल रहे हैं। राहुल ने कहा कि जिस भारत के लिए इंदिरा गांधी ने अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, उसे वह बिखरने नहीं देंगे। उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी की 31 अक्तूबर 1984 को पद पर रहते हुए हत्या कर दी गई थी।

कश्मीर में यूरोप से ...

कैंप गोले गुजराल, जम्मू के शमशेर सिंह को पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से चार पिस्तौल, आठ मैगजीन और 47 गोलियां बरामद हुई हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि पूछताछ के दौरान बोस ने खुलासा किया कि वह सिंह के इशारे पर काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के दौरान पता चला कि आतंकी मॉड्यूल का संचालक यूरोप में है। सिंह ने कहा कि दोनों (बोस और सिंह) एक ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के संपर्क में थे, जिसका नाम बलविंदर है, जो जम्मू का निवासी है और अब यूरोप में बस गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी और ओजीडब्ल्यू प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बलविंदर भारत में आरोपियों और पाकिस्तान में हथियारों की खेप के संचालकों, दोनों के साथ समन्वय कर रहा था।

सरदार को भूलने ...

बड़े नेता थे। आज कांग्रेस पार्टी उनका नाम लेने को भी तैयार नहीं है। भारतीय जनता पार्टी को गर्व है कि हमारी सरकार ने सरदार पटेल के सम्मान में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाया। डबल इंजन सरकार के पक्ष में प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे हर क्षेत्र के विकास को गति मिल रही है और उसकी शक्ति बढ़ रही है। इस संदर्भ में रेल परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 के बीच सवा सौ किमी रेल लाइन का दोहरीकरण हुआ था। जबकि 2014 से 2022 के बीच साढ़े पांच सौ से ज्यादा किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि गुजरात के विकास के लिए, गुजरात की कनेक्टिविटी के लिए आज बहुत बड़ा दिन है। गुजरात के लाखों लोग एक बड़े क्षेत्र में ब्रॉडगेज लाइन न होने से परेशान रहते थे। उन्हें आज से बहुत राहत मिलने जा रही है। नया रूट खुलने के बाद भावननगर और पोरबंदर के बीच की दूरी करीब 200 किमी, भावननगर और राजकोट के बीच की दूरी करीब 30 किमी कम हो गई है। यह रेल रूट इतना बिजी रहने वाली राजकोट, सोमनाथ और पोरबंदर मार्ग के बीच एक वैकल्पिक रूट के रूप में उपलब्ध हो गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी रेलवे को नया आयाम देने के लिए 12 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल की योजना बनाई गई है। बड़ोदरा सर्कल में पहला गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल शुरू हो चुका है। उल्लेखनीय है कि देशभर में यूनी-गेज रेल प्रणाली के लिए, रेलवे मौजूदा नॉन-ब्रॉड गेज रेल लाइनों को ब्रॉड गेज में बदल रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा समर्पित की जा रहीं परियोजनाएं इस दिशा में एक और कदम हैं। अहमदाबाद (असारवा)-हिम्मतनगर-उदयपुर गेज परिवर्तित लाइन करीब 300 किमी लंबी है। इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र में पर्यटकों, व्यापारियों, विनिर्माण इकाइयों और उद्योगों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और यह क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद करेगा। 58 किमी लंबी लूनिधर-जेतलसर गेज परिवर्तित लाइन वेरावल और पोरबंदर से पीपावाव पोर्ट और भावनगर के लिए छोटा रास्ता उपलब्ध कराएगी। परियोजना से इस खंड पर माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही व्यस्त कनालुस-राजकोट-विरमगाम मार्ग पर भीड़ कम होगी। इससे गिर अभयारण्य, सोमनाथ मंदिर, दीव और गिरनार पहाड़ियों के लिए कनेक्टिविटी बेहतर होगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भारत-नेपाल के मध्य ...

शर्त पर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ दिन पहले नेपाल के अधिकारियों ने सीमा के करीब 1.10 किलोमीटर में सड़क के चौड़ीकरण पर आपत्ति जताई थी। इस के बाद इस सड़क पर काम रोक दिया गया है। यह सड़क राजधानी पटना से 135 किमी उत्तर में सीतामढ़ी जिले के सुरसंड ब्लॉक में सीमा के पास बन रही है। अधिकारी ने कहा कि मामले के समाधान के लिए राज्य के गृह विभाग को पत्र भेजा गया है। इस सड़क को राज्य सड़क निर्माण विभाग (आरसीडी) की ओर से बनाया जा रहा है। आरसीडी के अधिकारी ने कहा कि नेपाल की ओर से आपत्ति एक *सदमे और आश्चर्य* के रूप में आई है, क्योंकि घटनास्थल पर दोनों देशों के बीच स्पष्ट रूप से सीमांकित सीमा थी। दोनों देशों के चेक पोस्ट नो-मेंस लैंड के दोनों ओर काम कर रहे थे। हम अंतर्राष्ट्रीय स्तंभों के दक्षिण में और नो-मेंस लैंड से परे मरम्मत और मजबूती का काम कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि यह क्षेत्र सर्वेक्षण रिकॉर्ड के अनुसार, क्षेत्रीय कमान के अंतर्गत आता है। ऐसे में भारत का सड़क निर्माण कार्य रुका हुआ है। लोगों को यहां से आने-जाने में काफी परेशानी होती है। यह सड़क सीधी सीतामढ़ी के कई इलाकों को नेपाल बॉर्डर पर भिट्ठामोड़ और नेपाल के जनकपुर से जोड़ती है। यहां पुल निर्माण कराया जाना है।

स्वर्वेद भाष्य

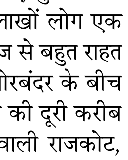

चतुर्थ मंडल — **तृतीय अध्याय**

(भक्ति)

बिना ज्ञान भक्ति करे, सो अन्धा जग जीव।
भक्ति तत्व नहिं समझ है, क्यों कर पावे पीव॥ 25॥

शब्दार्थ : (अन्धा) विवेकहीन।

भाष्य : संसारी जीव जो बिना ज्ञान की भक्ति करते हैं, वे सभी अंधकार में हैं। उन्हें भक्ति क्या पदार्थ है? इसका विवेक नहीं है, फिर वे कैसे परमप्रभु को प्राप्त कर सकते हैं?

पूर्ण ज्ञान के उदय में, कर्म भक्ति सब होय।
बिना ज्ञान सब भ्रम है, धोखा जीवन सोय॥ 26॥

शब्दार्थ : (धोखा) भ्रम, अंधकार, कपट।

भाष्य : पूर्ण ज्ञान के होने पर ही कर्म या भक्ति पूर्ण रूप से होती है। बिना ज्ञान का जीवन सभी भ्रम एवं धोखामय है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य सहित संपन्न हुआ छठ महापर्व

सहिंयुप की ओर से छठ पूजा के शुभ अवसर पर रविवार की रात लाचित घाट पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहार के सुप्रसिद्ध लोकगायक रवि रौशन ने अपने गीतों से माहौल को संस्कृतिमय कर दिया, जहां भक्तगण उनके गीतों पर झूमते नजर आए।

गुवाहाटी/रंगिया/नलबाड़ी/विश्वनाथ (विभास)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूरे राज्य भर में श्रद्धा, उल्लास, पवित्रता के साथ मनाया गया। नहाय खाए, खरना के बाद व्रतियों ने रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और भगवान भास्कर की आराधना की। सोमवार की सुबह प्रात:कालीन अर्घ्य देने के लिए हजारों संख्या में व्रती श्रद्धालु एवं आम लोग घाटों पर पहुंचे। मान्यता है कि सूर्य को अर्घ्य देने से सौभाग्य बना रहता है। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ पर्व संपन्न हो गया है। प्रत्येक वर्ष लोक आस्था का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मनाया जाता है। यह पर्व प्रकृति से जुड़ा हुआ पर्व माना जाता है। सोमवार को गुवाहाटी के विभिन्न घाटों जिसमें वशिष्ठ, बेलतला, पांडू सुनचाली, काछोमारी, शुक्रेश्वर घाट पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गयी। हजारों संख्या में श्रद्धालु प्रात:कालीन भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया। इस दौरान घाट परिसर में मेला सा नजारा बना था। लोगों की सुविधा के लिए स्थानीय, समितियां एवं प्रशासन द्वारा यातायात, पार्किंग, सफाई सुरक्षा समेत प्रकाश की उत्तम व्यवस्था की गई थी। राज्य के विभिन्न जिलों में जैसे रोहा एवं चापरमुख, बिश्वनाथ, ढेकियाजुली, लखीमपुर में भी हर्षोल्लास के साथ छठ महापर्व मनाया गया। लखीमपुर जिला के असम-अरुणाचल प्रदेश सीमावर्ती बंदरदेवा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिकरोंग नदी के किनारे लोक आस्था का महापर्व मनाया गया। राज्य के अन्य हिस्से की तरह बिश्वनाथ जिला के सभी छठ घाटों पर व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। रंगिया में भी सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ मनायी गई। इस मौके पर रंगिया के वार्ड नं- 4, दलाई मुरारा की छठ पूजा समिति (धोबी घाट) द्वारा भी पूजा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम चार दिवसीय कार्यक्रमों के साथ 28 अक्तूबर को नहाय खाय के साथ शुरू किया गया जोकि आज उदित मान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न किया गया। इस छठ घाट में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। आज उगते सूर्य की उपासना के बाद छठ व्रतियों ने पारण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास तोड़ा। छठ पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति के अध्यक्ष गौतम रजक और सचिव अशोक रजक ने बताया कि द्वारा व्रतियों के लिए सारी सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। नलबाड़ी पगलादिया छठ घाट पर सर्व हिंदुस्तानी युवा परिषद के अंतर्गत छठ महापर्व का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने संध्या काल अर्घ्य और प्रात: काल अर्घ्य एक साथ दिया। हिंदीभाषी लोगों के अलावा अन्य समुदाय के लोगों को भी छठ पर्व करते हुए देखा गया है। छठ पूजा के अंतर्गत इस वर्ष भी दूसरी बार गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नलबाड़ी जिला के सम्मानीय विधायक एवं केबिनेट मंत्री जयंत मल्ल बरुआ उपस्थित थे। नलबाड़ी जिला म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमैन जयश्री तालुकदार, वार्ड कमिश्नर पराग दत्त बरुआ, सीमांत बर्मन, रुपयोति शर्मा, निकी जालान, चरित्र दास, भाजपा सचिव नंदलाल सरकार, बीजेपी युवा मोर्चा के सभापति हेमंत वर्मन कार्यनिर्वाहक सदस्य भाजपा असम प्रदेश जोन कुमार बर्मन, समाज सेवी सुनील शर्मा उपस्थित थे संध्या 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। जिसमें श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी भजन मंडली तथा स्थानीय कलाकारों सहित एवं गुवाहाटी से आमंत्रित कलाकारों ने खूब रंग जमाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहिंयुप, नलबाड़ी के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह उपाध्यक्ष शशिकांत पोद्दार और चंद्रशेखर गुप्ता एवं सचिव उमेश कुमार शर्मा सहित रामधनी गुप्ता, सुरेंद्र प्रसाद, मुकेश कुमार शर्मा, अजय ठाकुर, पवन मिश्रा,राहुल मिश्रा, अजय सिंह, आकाश पोद्दार, भोला शाह, मनोज सिंह, शत्रुघन राय, रूपेश शर्मा, आकाशदीप कुमार, प्रिंस कुमार पाल, प्रवीण कुमार, अनिकेत सिंह, सुमित ठाकुर, अंचित शर्मा, राजा भारती, सुशील कुमार पाल, अमरदीप शर्मा, सूरज महतो, उदित सिंह, महेश कुमार शाह आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। विश्वनाथ जिले में सूर्योपासना व आस्था का महापर्व छठ पूजा का आज उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देकर व्रतधारी ने चार दिवसीय छठ पूजा संपन्न की। साथ ही 36 घंटा निर्जला व्रत संपन्न हो गया। प्रात: तीन बजे व्रतधारी घाट पहुंच कर छठ मईया की उपासना एवं उदय भास्कर को अर्घ्य देने के लिए पूजा अर्चना की। विश्वनाथ चाराली के आमबाड़ी में स्थित केंद्रीय श्रीश्री छठ पूजा समिति के पंडाल में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा है, सभी धर्मावलंबियों के लोगों ने छठ पूजा का आनंद उठाया। इस घाट में प्राय: पांच सौ से अधिक व्रतधारी ने छठ पूजा करके उगते हुए आदित्य को विभिन्न ऋतु फलों, ठेकुआ, मिष्ठान से सजे सूप व टोकरी से अर्घ्य देकर भास्कर को दूध अर्पित किया। इधर बालिचांग में श्रीश्री छठ पूजा उद्यापन समिति ने भी छठ घाट पर व्रतधारी के लिए सभी व्यवस्था किया था। सुबह व्रतधारी को पंक्तिबद्ध तरीके से पूजारी ने दूध से भास्कर को अर्घ्य अर्पित कराया। इस अवसर पर समिति के सलाहकार राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, मुरलीधर साहु, अध्यक्ष राजू साहु, उपाध्यक्ष मनोज साहु, सचिव मनटु ठाकुर, सह सचिव श्याम बिहारी गुप्ता मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि असम-अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, हेलम, बेदेती, बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी, सतिया, ईटाखोला और विश्वनाथ में भी आस्था का महापर्व छठ की रौनक छाई हुई थी।

राज्यपाल से मिला वीवाईईसीएम का प्रतिनिधिमंडल, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

गुवाहाटी (विभास)। विहंगम योगा इंस्टीट्यूट ऑफ काऊ मैनेजमेंट (वीवाईईसीएम) का एक प्रतिनिधिमंडल आज असम के महामहिम राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी से मिला। इस दौरान राष्ट्रीय गौधन महासंघ के संयोजक विजय खुराना एवं भूषण कौशिक भी मौजूद थे। संस्था की ओर से अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष नारायण खाखोलिया, मानद् सदस्य संजय सुरेका और अनमोल शर्मा ने फूलाम गामोसा से राज्यपाल का अभिनंदन किया। मौके पर संस्था द्वारा संचालित गौ सेवा प्रकल्पों एवं प्रस्तावित गौ अभ्यारण पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। साथ ही संस्था के पदाधिकारियों ने इन प्रकल्पों पर विस्तार से चर्चा के लिए महामहिम से समय मांगा। संस्था की ओर से राज्यपाल मुखी को जानकारी देते हुए बताया कि उनके गौ अभ्यारण के प्रकल्प में परंपरागत गौ पालन ही नहीं होगा, बल्कि काऊ मैनेजमेंट कोर्स के जरिए गौ पालन की आधुनिक तकनीक विकसित की जाएगी। गौ डिप्लोमा सर्टिफिकेशन कोर्स होंगे, गौ शिक्षा के लिए गौ विश्व विद्यालय की स्थापना की जाएगी और गौ उत्पादों के जरिए स्वावलंबी गौ, स्वावलंबी भारत अभियान के जरिए रोजगार भी सृजन किए जाएंगे। संस्था की ओर से कहा गया कि सरकार अगर भूमि आवंटन की दिशा में सहयोग करे तो यहां गौ अभ्यारण के जरिए पर्यटन, रोजगार और गौ उत्पाद उद्योग के जरिए गौ आधारित अर्थ व्यवस्था विकसित की जा सकती है। राज्यपाल महोदय ने सारे प्रकल्प पर विस्तार से चर्चा करने का आश्वासन दिया।

रंगिया में शिक्षक स्व. सोनेश्वर शर्मा के स्मृति ग्रंथ का विमोचन

रंगिया (निसं)। रंगिया के घरमपुर निवासी रनदिया शतदल साहित्य सभा के संस्थापक सलाहकार, प्रख्यात शिक्षक, साहित्यकार, नाटककार और निर्देशक स्वर्गीय सोनेश्वर शर्मा की स्मृति में उनके परिवार द्वारा प्रकाशित और पार्थ प्रतिम शर्मा द्वारा संपादित स्मृति ग्रंथ सोनेश्वरम और स्व. शर्मा द्वारा रचित पांच एकांकीका नाट्य संकलन, एटी सुर्ज्योर संधानोत नामक दो किताबों का विमोचन गत 29 तारीख को किया गया। रनदिया शतदल साहित्य सभा के सचिव हेमंत कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में रंगिया स्वस्ति अस्पताल के प्रबंध निदेशक तथा वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ हितेंद्र कलिता और निदेशक, अभिनेता और सांस्कृतिक कार्यकर्ता पंकज पल्लव शर्मा द्वारा दोनों पुस्तकों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा स्थानीय विधायक भवेश कलिता कलाकार पेंशनभोगी नरेंद्र शर्मा, सेवानिवृत्त अध्यापक पविन कलिता, बीपी कनिहा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के अध्यक्ष रमेन चौधुरी सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने ने स्वर्गीय शर्मा का स्मृति चारण किया। सैकड़ों चाहने वालों की मौजूदगी में उज्जवल डेका, ध्रुवज्योति शर्मा और संजीव कुमार भगवती ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम के संचालन में सहयोगिता की।

सेवानिवृत्त सैन्य जवान के घर में चोरी

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत हाजो के वरदधी गांव के निवासी एवं सेवानिवृत्त सैन्य जवान आनंदीराम दास के घर में चोरी किए जाने का मामला सोमवार की सुबह सामने आया है। पुलिस ने बताया कि बीती रात सेवानिवृत्त सेना के जवान के घर में चोर प्रवेश कर नगद धन के अलावा सोना-चांदी के गहने चुराकर फरार हो गए। जिस समय चोर घर में घुसे, उस समय वहां पर कोई भी मौजूद नहीं था। जिसका फायदा उठाते हुए चोर चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के समय आनंदीराम दास अपने परिवार के साथ अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। इसी दौरान चोर नगद 60 हजार रुपए समेत लगभग दो लाख के सोने-चांदी के आभूषण चुराकर फरार हो गए।

चाणक्य आईएएस अकादमी एपीएससी ने 2020 के सफल विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। एपीएससी 2020 के परिणामों की घोषणा के साथ, अकादमी के परामर्श और कोचिंग वाले छात्रों ने ख्याति अर्जित की है। एपीएससी 2020 में 40 से अधिक चयनों और शीर्ष 100 रैंकों में चयनित 20 छात्रों के साथ, मानस बरदलै रैंक 14 के साथ दिबंगा मोहन एसीएस रैंक 18, अनन्या चौधरी एसीएस रैंक 19, प्रवीण कुमार महतो रैंक एसीएस रैंक 24, इशानुल हुसैन एसीएस रैंक 25, उपासना बोरा एसीएस रैंक 42, त्रिसिद्धनाथ एसीएस रैंक 54, बरनाली खटीवारा एसीएस रैंक 100 शामिल है। परिणाम अकादमी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की बात करते हैं। इस अवसर पर चाणक्य आईएएस अकादमी, नॉर्थ ईस्ट इंडिया की मैनेजिंग पार्टनर कुरंगानयनी चेतिया ने कहा कि मुझे अपने छात्रों पर गर्व है और इतनी बड़ी सफलता पर मुझे बहुत खुशी है। सभी छात्रों को बहुत-बहुत बधाई, मुझे अपने सभी छात्रों पर भी बहुत गर्व है जिन्होंने एसीएस, एआरएस और आबकारी निरीक्षक में शीर्ष रैंक हासिल की है। चाणक्य आईएएस अकादमी में आने वाले प्रत्येक छात्र में एक छिपी हुई क्षमता होती है जिसे हम पहचानने और उनके प्रयासों में उज्जवल चमकने के लिए उन्हें चमकाने का प्रयास करते हैं और हमारे छात्रों को सफलता और समृद्धि के आसमान को छूते हुए देखने से बेहतर एहसास और क्या हो सकता है। हमारी अकादमी टीम छात्रों को उनकी सीखने, तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करती है ताकि हर व्यक्ति एक सक्षम प्रशासक बनने के लिए तैयार हो सके, चाणक्य आईएएस अकादमी हमेशा इस देश को सक्षम प्रशासकों का एक बेड़ा देना चाहता है और ये परिणाम यही सपने का फल हैं।

धुबड़ी में माइक्रोफाइनेंस इंसेंटिव एंड रिलीफ योजना का द्वितीय संस्करण

धुबड़ी (विभास)। जिले में असम माइक्रोफाइनेंस इंसेंटिव एंड रिलीफ योजना के द्वितीय श्रेणी के चेक वितरण प्रक्रिया आज असम सरकार के पंचायत और ग्राम उन्नयन, खाद्य और आपूर्ति विभाग आदि के मंत्री रंजीत कुमार दास ने शुभारंभ किया धुबड़ी जिला पुस्तकालय के प्रेक्षागृह में इस उपलक्ष में आयोजित एक सभा में मंत्री दास ने 5 महिलाओं को चेक वितरण किया। आयोजित इस सभा में मंत्री ने अपने भाषण में महिलाओं से कहा कि उत्पादन मूलक तथा व्यवसायिक कामों के लिए बैंकों से ऋण लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर होने के लिए बैंकों से ऋण ले और समय से वापस करें तभी बैंक और अधिक ऋण देगा। मंत्री दास ने आगे कहा कि आगामी दिनों में पूरे राज्य में 52 लाख गरीब लोगों को राशन कार्ड दिया जाएगा जिसमें धुबड़ी में 2 लाख 12 हजार लोगों को मिलेगा। उक्त कार्यक्रम में धुबड़ी जिला उपायुक्त दिवाकर नाथ ने कहा कि योजना के द्वितीय संस्करण में धुबड़ी में कूल 1483 ऋण दाताओं के बीच 2.48 करोड़ का चेक वितरण किया जाएगा। आज 250 लोगों के बीच चेक वितरण किया गया। अन्य लोगों को चक्र अधिकारी, खंड उन्नयन अधिकारी के कार्यालय द्वारा चेक वितरण किया जाएगा द्य आज इस कार्यक्रम में गौरीपुर के भूतपूर्व विधायक वनेंद्र मुसहरी, धुबड़ी पौरसभा के चेयरमैन देवोंमय सान्याल जिला भाजपा अध्यक्ष प्रसनजीत दत्त आदि सहित कई वरिष्ठ व्यक्ति उपस्थित थे।

गोपाष्टमी मेले के दूसरे दिन गौशाला में उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (निसं)। गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय गोपाष्टमी मेले में आज दूसरे दिन दर्शनार्थियों की भीड गौशाला में उमड़ पड़ी। सुबह 7 बजे से ही लोगों का आना जाना एवं गौ माता को घास खिलाने का कार्य शुरू हो गया। शाम होते-होते भीड़ का दबाव बढ़ने लगा जिसको नियंत्रण करने के लिए समिति के सदस्यों के साथ एनसीसी के कैडर एवं सुरक्षा गार्डो ने सारी व्यवस्था को संभाला। मेले में विशेष आकर्षण कोलकाता का नागर झूला एवं विभिन्न तरह के बच्चों के मनोरंजन के झूले व खेल आदि रहे। वृंदावन गार्डन में भी दैनिक सामग्री की स्टालों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गौशाला मुख्य प्रांगण में लजीज व्यंजन के काउंटरों पर भी भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ में पेयजल सेवा के लिए महेश्वरी समाज, पूर्वांचल जाट समाज नोखा नागरिक परिषद और तेरापंथ युवक परिषद ने अलग-अलग जगह पर पेयजल सेवा के केंद्र लगाए। तेरापंथ युवक परिषद ने सूचना प्रसारण केंद्र से लगातार श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचना दे रहे थे। गौशाला के ट्रस्टी चेयरमैन कैलाश लोहिया, ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका, अध्यक्ष जयप्रकाश गोयंका, सचिव प्रदीप भुवालका के नेतृत्व में एक अनुभवी टीम गौशाला मेले की व्यवस्था को संभाल रही थी। मेले की प्रसिद्धि को सुनकर आज शाम तक भी मेले में स्टॉल लगाने के लिए दुकानदारों की भीड़ गौशाला में लगी हुई थी। प्रबंधन समिति की ओर से जारी एक सूचना के द्वारा यह बताया गया कि आगामी कल गोपाष्टमी पर मुख्य मेले के अवसर पर सुबह 7 बजे से गौ पूजन का कार्यक्रम आरंभ होगा। शाम को 5.30 बजे गौशाला की स्मारिका के विमोचन के पश्चात असम के मुख्यमंत्री गौशाला प्रांगण में उपस्थित होकर श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे एवं गौ पूजन भी करेंगे।

गौधन महासंघ के संयोजक खुराना का किया अभिनंदन

गुवाहाटी (विभास)। राष्ट्रीय गौधन महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक विजय खुराना के गोहाटी गौशाला आगमन पर संस्था के अध्यक्ष जय प्रकाश गोयनका, मंत्री प्रदीप भुवालका सहित अन्य सदस्यों ने उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि खुराना छठ पूजा महोत्सव एवं गोपाष्टमी मेले में भाग लेने गुवाहाटी आये हुए थे। श्री गौहाटी गौशाला की व्यवस्था देखकर खुराना बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि यहां कि व्यवस्था देश की श्रेष्ठ गौशालाओं में शुमार है। मौके पर उन्होंने गौपूजन भी किया।

तेयुप, गुवाहाटी ने लगाया पेयजल शिविर

गुवाहाटी (निसं)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय आठगांव श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में तीन दिवसीय गोपाष्टमी मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें तेरापंथ युवक परिषद्, गुवाहाटी द्वारा प्रथम बार गौशाला प्रांगण में श्रद्धालु दर्शनाथियों के लिए शुद्ध पेयजल स्टॉल लगाया गया हैं। इस शिविर का श्रद्धालु भरपूर लाभ उठा रहे हैं। तेरापंथ युवक परिषद्, गुवाहाटी के अध्यक्ष मनीष सिंघी एवं मंत्री विकास झाबक ने सभी को गोपाष्टमी मेले की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि शुद्ध पेयजल शिविर का विधिवत उद्घाटन रविवार को गुवाहाटी गौशाला के सदस्य एवं चेयरमैन गोपास्तमी मेला समिति प्रमोद हरलालका (लाला), अजय अग्रवाल, तेयुप सदस्य एवं समाज के वरिष्ठ व्यक्तियों की उपस्थिति में जैन संस्कार विधि से संस्कारक आनंद सुराणा एवं जयंत सुराणा ने करवाया। उल्लेखनीय है कि श्री गौहाटी गौशाला समिति द्वारा मेले का पूछताछ काउंटर एवं देखभाल की व्यवस्था का दायित्व तेरापंथ युवक परिषद को दिया गया है,जिसका बखूबी निर्वहन तेयुप की टीम द्वारा किया जा रहा है। तेयुप के अध्यक्ष सिंघी एवं मंत्री झाबक ने गोपाष्टमी मेले में अहर्निश सेवा देने के लिए सभी संयोजकों एवं अपनी पूरी टीम को साधुवाद दिया है, इस आशय की जानकारी तेयुप के संगठन मंत्री एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन सुमित सुराणा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

कोई राष्ट्र अपने नायकों को विस्मृत कर आगे नहीं बढ़ सकता : योगी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन
-जीपीओ स्थित पटेल की प्रतिमा पर राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यहां जीपीओ स्थित पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देश और राज्य की एकता, अखण्डता एवं सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शपथ भी दिलाई। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी ने अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग से रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर पूरा देश उनका पूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें नमन कर रहा है। मित्रों हम सब जानते है कि स्वतंत्र भारत में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान किस श्रद्धा के साथ हर व्यक्ति याद करता है। अंग्रेज सरकार की उन कुत्सित चालों को समय से समझा। उस समय रियासतों को दी गई स्वायत्तता को सूझबूझ के साथ राष्ट्रीय एकता के बंधन के साथ जोड़ते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। जूनागढ़ और हैदराबाद रियासतें भारत गणराज्य को आंखें दिखा रहीं थीं। वह जिस भाषा में समझ सकते थे उस भाषा में समझाने का भी कार्य किया गया।

आज उसका परिणाम है कि जूनागढ़ हो या हैदराबाद या भारत की वे सभी रियासतें भारत के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने में अपना योगदान दे रही हैं, यह देन सरदार भाई वल्लभ भाई पटेल का ही है। योगी ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वे अपने नायकों के बारे में जानें। कुछ लोगों ने सम्मान को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लिया था। वह समझते थे कि देश में सम्मान का अधिकार केवल एक परिवार को है। हम सब आभारी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिन्होंने ऐसे सभी नायकों, महानायकों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करके एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। आज आप देख रहे होंगे स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पटेल की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा गुजरात में केवड़िया के पास स्थापित है। वह तीर्थ स्थल बन चुका है। दुनिया का हर व्यक्ति केवड़िया जाकर पटेल को स्मरण करता है। देश के लिए उनके योगदान को याद करता है। कोई भी राष्ट्र अपने राष्ट्र नायकों को विस्मृत करके आगे नहीं बढ़ सकता। इसी सब बातों को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री ने सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित करके संदेश दिया है। इस मौके पर उनके साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कपिलदेव अग्रवाल, आशीष सिंह, विधायक नीरज बोरा समेत अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा के नेता व अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से सीएए के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज करने को कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दीवाली एवं अन्य त्यौहारों के मौके पर नौ दिन की छुट्टी के बाद सुप्रीम कोर्ट सोमवार को खुला। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से सीएए के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज करने की मांग की। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने हलफनामे में कोर्ट को बताया कि साल 2019 में पेश किया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) किसी भी भारतीय नागरिक के कानूनी, लोकतांत्रिक या धर्मनिरपेक्ष अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है। मोदी सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा है कि किसी भी देश के नागरिकों द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने की मौजूदा व्यवस्था सीएए से अछूती बनी हुई है और वैध दस्तावेजों और वीजा के आधार पर कानूनी प्रवासन सहित दुनिया के सभी देशों से इजाजत है। सरकार ने याचिकाकर्ताओं पर भी सवाल उठाया है। केंद्र ने याचिकाकर्ताओं पर सवाल उठाकर हलफनामे में कहा कि इमिग्रेशन पॉलिसी, नागरिकता और अप्रवासियों को देश से बाहर करने से संबंधित मामले संसद के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, जनहित याचिकाओं के माध्यम से इनपर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। मोदी सरकार ने हलफनामे में कहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम की धारा 2 (1) (बी) में एक नया प्रावधान जोड़ा गया है। इसके अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई समुदायों से संबंधित व्यक्ति, और जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920 के तहत छूट दी गई है। इन्हें विदेशी अधिनियम, 1946, के तहत अवैध प्रवासी नहीं माना जाएगा और, इसतरह के व्यक्ति 1955 के अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं सहित करीब 240 जनहित याचिकाओं की सुनवाई करेगा। सीजेआई उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति बेला एम.त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सीएए के मुद्दे पर 31 अक्टूबर को 232 याचिकाओं सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, ज्यादातर जनहित याचिकाएं हैं।

गुजरात के मोरबी में हुए हादसे की हो निष्पक्ष जांच: कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात के मोरबी में केबल पुल टूटने से जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। खड़गे ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान मोरबी पुल के ढहने पर सवाल उठाते हुए कहा कि भीड़भाड़ वाला सस्पेंशन ब्रिज मरम्मत के बाद फिर से खुलने के पांच दिन बाद रविवार शाम को कुछ ही क्षणों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस ब्रिज की हाल ही में मरम्मत कराई गई गई थी। क्या इस दौरान सुरक्षा मानको का ध्यान रखा गया? उन्होंने कहा कि एक साथ अधिक लोगों को पुल पर जाने की अनुमति कैसे दी गई? उन्होंने घटना को दुखद बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि इसमें हर चीज की जांच होनी चाहिए। यदि संभव हो तो, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश

की अध्यक्षता में एक पैनल के तहत जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को मृतकों के परिजनों के परिवारों को तुरंत मुआवजा देना चाहिए। इसके साथ ही हादसे में घायल हुए लोगों के इलाज की भी व्यवस्था होनी चाहिए। खड़गे ने कहा कि घटना स्थल पर कांग्रेस के कई नेता पहुंचे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अन्य नेताओं के साथ वहां जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। कांग्रेस इस पर किसी तरह की राजनीति नहीं करना चाहती है। लेकिन इस हादसे के कारणों को पता लगाने के लिए मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि गुजरात के मोरबी में रविवार रात को मच्छु नदी पर बना एक ब्रिज टूट गया। इस हादसे में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। हादसे के दौरान पुल पर लगभग 400 लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री शिंदे ने मुंबई नगर निगम के 76 कार्यों की जांच कैग को सौंपी

-भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने लगाया था 12 हजार करोड़ के गबन करने का आरोप

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई नगर निगम की ओर से कोरोनाकाल में किए गए 76 कार्यों की जांच नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) को सौंप दी है। कैग की जांच रिपोर्ट आने के बाद पर सरकार कठोर कार्रवाई करेगी। दरअसल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने कोरोनाकाल में मुंबई नगर निगम की ओर किए गए 76 कार्यों में 12 हजार करोड़ रुपये गबन किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच से करवाये जाने की मांग की थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कैग को सौंपी है।

सोमैया के आरोप के बाद विधानसभा में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने यह मामला उठाया था। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किरीट सोमैया की शिकायत के आधार पर इन आरोपों की कैग के माध्यम से जांच का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद इस मामले की जांच कैग ने शुरू कर दी है।

स्थानिक चरण में पहुंची कोरोना महामारी, अब इस पर निगरानी की जरूरत : गुलेरिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी से संबंधित नियमों का मोटे तौर पर पालन नहीं किए जाने के बावजूद बीते कुछ महीनों से संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने और मौत के मामलों में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। ऐसे में विशेषज्ञों को लगता है कि कोविड अब स्थानिक चरण में पहुंच गया है। स्थानिक रोग आमतौर पर किसी क्षेत्र विशेष में समय-समय पर उभरने वाली सामान्य बीमारियां होती हैं जैसे कि डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया आदि। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, मौसमी फ्लू और कोविड-19 के मामलों की संख्या में बहुत अधिक अंतर नहीं है, फिर भी देश में कोरोना वायरस के नए स्वरूप पर निगरानी रखी जानी चाहिए, ताकि समय रहते उसका पता लगाया जा सके। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पूर्व निदेशक और पल्मोनोलॉजी के प्रोफेसर डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि फिलहाल कोविड और इन्फ्लुएंजा के लक्षण बहुत समान हैं और कोविड को फ्लू जैसा सिंड्रोम कहा जा सकता है, जिसका अनिवार्य रूप से इलाज कराने की जरूरत होगी। डॉ गुलेरिया ने बताया कि उच्च जोखिम वाले समूहों में हालांकि इसके मामले अपेक्षाकृत अधिक गंभीर हो सकते हैं, लेकिन फिलहाल इन समूहों में मृत्यु दर नहीं के बराबर है, जैसे कि पहले देखी जा रही थी। सफदरजंग अस्पताल के एक वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट और अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ नीरज गुप्ता ने कहा मौजूदा मामलों को देखते हुए हम कह सकते हैं कि कोविड लगभग स्थानिक चरण में पहुंच गया है। अस्पताल में आने वाले कोविड रोगियों की संख्या मौसमी फ्लू के रोगियों के लगभग बराबर या कम है। उन्होंने कहा बीमारी के पहलुओं से परिचित होने के बाद लोग समझने लगे हैं कि कोविड से ज्यादा दिक्कत नहीं होगी और इसके चलते उन्हें हालत गंभीर होने पर आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में भर्ती नहीं होना पड़ेगा। हालांकि, डॉ गुप्ता ने जोर देकर कहा कि संवेदनशील लोगों जैसे कि बुजुर्गों और विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों को अभी भी उसी तरह की सावधानी बरतनी होगी, जैसी इन्फ्लुएंजा और निमोनिया जैसे अन्य संक्रमणों में बरती जाती है। चिकित्सक और महामारी विज्ञानी डॉ। चंद्रकांत लहरिया ने कहा हमें यह याद रखने की आवश्यकता है कि हर नया स्वरूप अपने आप चिंताजनक रूप नहीं अख्तियार कर लेता है। लंबे समय तक नियमित रूप से सार्स-कोव-2 वायरस के नए स्वरूप उभरते रहेंगे। इन पर नजर रखी जानी चाहिए और जीनोम अनुक्रमण होते रहने चाहिए, लेकिन हर बार नया स्वरूप आने पर उस पर चर्चा शुरू करने का कोई तुक नहीं है। उल्लेखनीय है कि देश में पिछले 27 दिन से कोरोना वायरस संक्रमण के रोजाना 3,000 से कम मामले सामने आ रहे हैं। वहीं, पिछले 22 दिन से मृतकों की संख्या भी दस से कम रही है।

बिहार में होने वाले दोनों उपचुनाव में महागठबंधन की जीत तय : नीतीश कुमार

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि मोकामा-गोपालगंज उपचुनाव में महागठबंधन की जीत तय है। नीतीश कुमार ने यह बात सोमवार को विभिन्न छठ घाटों का दौरा करने के दौरान कही। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं अपने पुराने जगह पर आ गया हूं। बिहार में दो जगह पर आगामी तीन नवम्बर को होने वाले उपचुनाव पर उन्होंने कहा कि महागठबंधन के राजद उम्मीदवार दोनों जगह पर जीतेंगे। उन्होंने कहा कि मोकामा में प्रचार में नहीं जाने का मूल कारण नाव दुर्घटना में लगी चोट है। भाजपा के दोनों सीटों पर जीत के दावे पर मुक्यमंत्री ने कहा कि अरे बोलने दीजिए। मेरे पास भी सभी जगहों से रिपोर्ट आती रहती है। हम दोनों उपचुनाव जीत रहे हैं। गुजरात के मोरबी दुर्घटना पर मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। आप ही लोग से जानकारी मिली है कि करीब डेढ़ सौ लोग मरे हैं। मेरी जानकारी में 132 लोग ही थे। आज तक देश में ऐसा कभी नहीं हुआ या बहुत बड़ी त्रासदी है।

लौहपुरूष सरदार पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दौड़, शामिल हुए भाजपा नेता

-जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

वाराणसी, (हि.स.)। देश के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती पर सोमवार को यहां राष्ट्रीय एकता दौड़ (रन फॉर कंट्री) का आयोजन किया गया। सिगरा स्थित सम्पूर्णानंद खेल स्टेडियम से जिले के प्रभारी और प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दौड़ को हरी झंडी दिखाई। दौड़ का समापन मलदहिया स्थित पटेल चौराहे पर हुआ। दौड़ में प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, राज्य मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, अजगरा विधायक टी राम, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव,जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय आदि नेताओं के साथ कमिश्नर कौशल राज शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी शामिल रहे। इसके पहले प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मौजूद भाजपा नेताओं को सत्य निष्ठा से राष्ट्र की

एकता, अखंडता,सुरक्षा को बनाये रखने के लिए शपथ दिलाई।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि – वाराणसी जिले के प्रभारी और प्रदेश में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की ही देन है कि आज भारत एक है । देश में 1947 में आजादी मिली और 1950 में सरदार पटेल गोलोकवासी हो गए। उन्होंने कभी भी अपने संघर्ष से मिली आजादी के दौरान अपने पद की इच्छा जाहिर नहीं की। सरदार पटेल के लिए देश की अखंडता ज्यादा महत्वपूर्ण थी। वह देश को आगे बढ़ाना चाहते थे। टीम भावना से ही लोग आगे बढ़ते हैं। यहीं संदेश सरदार जी ने ही दिया था। आज रन फॉर यूनिटी और एकता दिवस के रूप में हम टीम भावना के बल पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस दिशा में काम कर रही है। सरदार पटेल का सपना था किसान खुशहाल हो, उनकी आय दोगुनी हो। आज आजादी के 75 साल बाद किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट और प्राकृतिक खेती से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरदार पटेल के सपने को साकार कर रहे है।

शाह ने मोरबी की घटना पर दुख जताया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मोरबी में केबल से बने ब्रिज के टूटने से 140 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि गुजरात में दिल दहला देने वाली घटना हुई। इस घटना में बच्चों समेत कई लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि हादसों पर कोई नियंत्रण नहीं कर सकता, लेकिन पूरे देश की भावनाओं को झकझोर देने वाली इस घटना ने लोगों को आहत और दुखी है। शाह ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि गुजरात के मोरबी में केबल से बना ब्रिज गत रविवार शाम टूट गया। इस हादसे में 140 से अधिक लोगों की जान चली गई।

ब्रिज दुर्घटना के बाद पुलिस एक्शन में, मेन्टेनेंस और मैनेजमेंट के 9 लोगों को लिया हिरासत में

मोरबी (ईएमएस)। मोरबी की मच्छू नदी पर बने केबल ब्रिज दुर्घटना के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और 9 लोगों को हिरासत में ले लिया है। जिसमें मैनेजमेंट और मेन्टेनेंस करने वाले लोग शामिल हैं। पुलिस ने इन लोगों के खिलाफ धारा 304, 308 और 114 के तहत केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक यह ब्रिज 15 साल की लीज पर ओरेवा ग्रुप को दिया गया था। परंतु एफआईआर में ओरेवा कंपनी या उसके मालिक जयसुख पटेल के नाम का उल्लेख नहीं किया गया। जानकारी के मुताबिक नवीनीकरण के बाद ओरेवा ग्रुप के मालिक जयसुख पटेल अपने

परिवार के साथ इसका उदघाटन करने गए थे। मोरबी नगर पालिका को कोई जानकारी देने और उससे एनओसी लिए बगैर केबल ब्रिज को लोगों के लिए खोल दिया था। मोरबी नगर पालिका के मुख्य अधिकारी संदीपसिंह झाला के मुताबिक ब्रिज काफी जर्जरित होने के कारण करीब 6 महीने पहले उसे लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। ओरेवा ग्रुप ने इस ब्रिज पुनः स्थापित करने के लिए गत 7 मार्च को 15 साल के लिए रखरखाव के लिए लिया था। लेकिन प्रबंधन या रखरखाव के अभाव में रविवार की शाम करीब 6.30 के दौरान ब्रिज टूट गयो इस घटना में अब तक 140 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 150 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक 9 लोगों के खिलाफ 304, 308 और 114 के तहत केस दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख ओधवजी पटेल के नाम का एफआईआर में उल्लेख नहीं है।

लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर अभी से कमजोर पड़ने लगे चीनी सैनिक

– सर्दियों के दौरान अपने दम पर जीवित रहने के लिए चीनी सैनिकों को दी जा रही है ट्रेनिंग

– एलएसी के साथ फ्रंटलाइन ऑब्जर्वेशन पोस्ट में चीन की सेना ने अनाज का भंडारण बढ़ाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर दो साल से तैनात चीनी सैनिक अभी से कमजोर पड़ने लगे हैं। हालांकि, दोनों पड़ोसी देशों ने तनाव के जल्द समाधान की संभावना जताई है लेकिन चीनी खेमे में सबसे बड़ी चिंता आने वाली सर्दियों को लेकर ही है। पीएलए सैनिकों को पहली प्राथमिकता के रूप में सिखाया जा रहा है कि सर्दियों के दौरान अपने दम पर कैसे जीवित रहना है। भारत के साथ दो साल से चल रहे गतिरोध के दौरान खून जमा देने वाली सर्दियों से सबक लेकर चीन के सैनिकों ने उच्च ऊंचाइयों पर बंकर तैयार किये हैं। दरअसल, ठंड के दिनों में बर्फबारी शुरू होते ही सड़क मार्ग बंद हो जाएंगे, इसलिए इससे पहले ही भारतीय सैनिकों के लिए सारे संसाधन जुटा लिये गए हैं।

हालांकि, आकस्मिक स्थिति में वायुसेना के परिवहन विमानों की सेवाएं ली जा सकेंगी लेकिन इन उड़ानों में भी समय की पाबंदी है। दोपहर से पहले विमानों को लेह से बाहर उड़ना पड़ता है, क्योंकि दुर्लभ ऑक्सीजन के साथ तापमान में बढ़ोतरी विमानों के इंजन को प्रभावित करती है। सियाचिन ग्लेशियर में तैनाती और करगिल में 18 हजार फीट ऊंची बर्फ की चोटियों पर तैनाती का अनुभव रखने वाली भारतीय सेना के लिए लद्दाख की बर्फीली पहाड़ियां कोई मायने नहीं रखतीं लेकिन ठंड के दिनों में मोर्चों पर तैनाती का अनुभव न रखने वाले चीनी सैनिक अभी से कमजोर पड़ने लगे हैं। चीनी खेमे में सबसे बड़ी चिंता आने वाली सर्दियों को लेकर ही है। भारत के साथ सीमाओं की देखरेख करने वाली पीएलए की वेस्टर्न थिएटर कमांड ने सर्दियों के लिए एलएसी के साथ फ्रंटलाइन ऑब्जर्वेशन पोस्ट में अनाज का भंडारण बढ़ा दिया है। चार महीने तक सैनिकों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन, पानी और अन्य आपूर्ति पहाड़ों में सैनिकों के स्टेशनों तक पहुंचाई जा रही है, क्योंकि नवंबर से यातायात में कटौती की जाएगी। पीएलए सैनिकों को पहली प्राथमिकता के रूप में सिखाया जा रहा है कि सर्दियों के दौरान अपने दम पर कैसे जीवित रहना है। भारत और चीन के बीच 1962 का युद्ध कठोर परिस्थितियों में हुई लड़ाई के लिए जाना जाता है। 14 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर लड़े गए इस युद्ध ने दोनों पक्षों के सामने रसद और अन्य समस्याएं पैदा कीं। इस युद्ध में दोनों पक्षों ने नौसेना या वायुसेना का इस्तेमाल नहीं किया था। इसके विपरीत चीन के साथ सन 1962 के युद्ध में मात खाने वाली भारतीय सेना ने 60 साल बाद मौजूदा टकराव के दौरान खासकर उन्हीं मोर्चों पर खुद को मजबूत किया है, जहां-जहां से उसे हार मिली थी। पिछले युद्ध में चीन ने पैन्गोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी दोनों हिस्सों का इस्तेमाल करके भारत को शिकस्त दी थी लेकिन इस बार भारत की सेना दोनों मोर्चों पर मजबूत है।

दुष्कर्म पीड़िताओं के परीक्षण की 'टू-फिंगर' प्रणाली बंद होना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि दुष्कर्म पीड़िताओं के परीक्षण की ह्यटू-फिंगर प्रणाली समाज में आज भी जारी है। सुप्रीम कोर्ट केंद्र और राज्य से कहा कि अब आगे से यह परीक्षण नहीं होना चाहिए। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने बलात्कार और हत्या की घटना के एक दोषी को बरी करने के झारखंड उच्च न्यायालय के फैसले को पलटकर गुनहगार करार देने के एक निचली अदालत के फैसले को कायम रखा।

पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत के एक दशक पुराने एक फैसले में टू-फिंगर परीक्षण को महिला की गरिमा और निजता का उल्लंघन बताया गया था। पीठ ने कहा, दुर्भाग्य की बात है कि यह प्रणाली अब भी व्याप्त है। महिलाओं का गुप्तांग संबंधी परीक्षण उनकी गरिमा पर कुठाराघात है। यह नहीं कहा जा सकता कि यौन संबंधों के लिहाज से सक्रिय महिला के साथ दुष्कर्म नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को कुछ निर्देश जारी किए और राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और स्वास्थ्य सचिवों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि ह्यटू-फिंगर परीक्षण नहीं कराया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टू-फिंगर परीक्षण करने वाले किसी भी व्यक्ति को कदाचार का दोषी ठहराया जाएगा।

कोरोना काल में सपा के लोग घर में बैठे थे तब भाजपा जनता की सेवा कर रही थी : मुख्यमंत्री

लखीमपुर खीरी (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) यह जान चुकी है कि उसकी हार निश्चित है। यही कारण है कि ट्विटर पर वह अपनी हार का ठीकरा सरकार के ऊपर फोड़ने में लगे हुए हैं। कोरोना महामारी के दौरान सपा के लोग घर में बैठे थे, तब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता लोगों की सेवा कर रहे थे। सरकार ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं। जांच निशुल्क हुई है। दवाएं निशुल्क हैं और वैक्सीन भी निशुल्क मिली है। यह डबल इंजन की सरकार की देन है। गोला विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अमन गिरी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने उड़न खटोले से सोमवार दोपहर गोला के राजेंद्र सिंह स्टेडियम पहुंचे। यहां से वह जनसभा स्थल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में अमन गिरी के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार जिले में विकास का कार्य कर रही है। आठ महीने पहले जब इसी प्रांगण में भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने आया था तो जिले के सभी प्रत्याशियों को आप ने जीताकर विधानसभा भेजा था। इसके बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था वाली सरकार स्थापित हो सकी। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार की हकीकत मुसीबत में ही पता चलती है। कोरोना महामारी ऐसी ही मुसीबत थी। उस दौरान सपा के लोग घर में छुपे बैठे थे। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ डबल इंजन की सरकार ने डबल राशन दिया है। भाजपा के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता लोगों की सेवा में लगे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी यह जान चुकी है कि उसके प्रत्याशी की हार निश्चित है। ऐसे में ट्विटर पर वह अपनी हार का ठीकरा सरकार पर फोड़ने में लगे हैं। वह कह रहे हैं कि सरकार उन्हें हराने में लगी है। माफिया के खिलाफ गरजते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो माफिया कभी उत्तर प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक सीना तानकर चलते थे, आज भीगी बिल्ली बनकर और दुम दबाकर घूम रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जनसभा के शुरुआत में बाबा गोकर्णनाथ की धरती को प्रणाम करते हुए पूर्व विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दिवंगत विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी की अधूरी इच्छाओं को पूरा कराने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि अरविंद गिरी के निधन पर यह सीट रिक्त हुई थी।

मोरबी हादसे पर राजद का मीडिया पर हमला

पटना (हिंस)। गुजरात के मोरबी में ब्रिज टूट कर गिरने से हुए हादसे पर अब सियासत शुरू हो गई है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इस घटना को लेकर मीडिया पर हमला बोला है। राजद ने सोमवार को अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा कि गुजरात में पुल गिरने से 140 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, लेकिन भ्रष्टाचार और मौतों पर गोदी मीडिया में सन्नाटा है क्योंकि वहां 27 सालों से भाजपा सरकार है। गोदी मीडिया मोदी-शाह के गृह राज्य में कोई दोष और अवगुण तो देखेगी नहीं ? कल्पना कीजिए अगर 140 मौतें गैर-भाजपा शासन में होती तो ? राजद ने मीडिया पर हमला बोलते हुए आगे लिखा कि अगर 140 मौतें गैर-भाजपा शासन में होती तो अब तक मीडिया में तूफान आ चुका होता ? मीडिया उन राज्यों की सरकारों की जिम्मेदारी तय कर इस्तीफा मांग रही होती। राजद ने कहा कि गुजरात में 27 सालों से भाजपा सरकार है इसलिए सब लोग मौन हैं।

गैस सिलेंडर के फटने से घायल तीन की मौत, दो की हालत चिंताजनक

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के हिसुआ नगर क्षेत्र के अंदर बाजार मुंशी टोला के एक घर मे गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से दो बच्चा समेत पांच लोग गंभीर रूप से झुलसने से तीन की मौत सोमवार को हो गई है। जबकि दो कि हालात अभी भी नाजुक बनी है। घटना रविवार कि है। घटना में नंदलाल स्वर्णकार का पुत्र आलोक कुमार, आलोक की पत्नी अनुराधा कुमारी, उनके पांच वर्षीय पुत्र मिथुन कुमार, चार वर्षीय पुत्री ब्यूटी कुमारी एवं पड़ोसी लल्लू प्रसाद का पुत्र पिंटू कुमार शामिल हैं। वहीं अधिक झुलसने के कारण आलोक कुमार, आलोक की पत्नी अनुराधा कुमारी, पुत्र मिथुन कुमार की मौत इलाज के दौरान पटना में हो गयी है। वहीं पुत्री ब्यूटी और पड़ोसी पिंटु कुमार की हालत नाजुक बनी है। बताया जाता है कि ननंदेलाल स्वर्णकार का पुत्र आलोक कुमार अपने पूरे परिवार के साथ टेकारी में रहता था। इस बार उनके भाई के घर छठ हो रहा था इसलिए वे पूरे परिवार घर पहुंचे थे। रविवार को चाय नाश्ता बनाने के लिए घर में बंद पड़ा स्लेंडर का प्रयोग कर रहे थे। लेकिन एक बर्ष से अधिक समय से उपयोग नहीं किए गए गैस भरा स्लेंडर नहीं जल पा रहा था। बताया जाता है कि गैस स्लेंडर के काम नहीं करने पर आलोक द्वारा पड़ोस के पिंटु कुमार को ठीक करने के लिए बुलाया गया था। इस दौरान बाहर व अन्य सामान की खराबी होने कि बात कही गई थी। गैंस चेक करने के दौरान अचानक स्लेंडर से गैस निकलने लगा और इस बीच मौजूद लोगों में से एक लोग माचिस जला रखी थी। गैस के तेज रिसाव माचिस के तिल्ली में लगी आग के संपर्क साधा भयावह रूप ले लिया और स्लेंडर विस्फोट कर गया। हादसे के वक्त मौजूद सभी पांच लोग बुरी तरह झुलस गए।

दो बहनों से छेड़छाड़ के विरोध में थाने में हनुमान चालीसा का पाठ

मेरठ (हिंस)। सरधना थाना क्षेत्र में रविवार की रात भतीजे को दवाई दिलाकर लौट रही दो बहनों से मुस्लिम युवकों ने छेड़छाड़ की। कार्रवाई नहीं होने के विरोध में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने में जमकर हंगामा किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने थाने में हनुमान चालीसा का पाठ किया। सरधना कस्बे निवासी दो बहनें रविवार की रात अपने बीमार भतीजे को दवाई दिलाने गई थी। वहां से लौटते समय सुनसान गली में मुस्लिम समाज के तीन युवकों ने उनसे छेड़छाड़ कर दी। इसके बाद दोनों बहनों ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपियों की चप्पल से पिटाई कर दी और शोर मचा दिया। शोर सुनकर लोग घटनास्थल की ओर दौड़े तो आरोपित वहां से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही लड़कियों के परिजन, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सरधना थाने पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा कर दिया। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने पर कार्यकर्ता थाने में ही धरने पर बैठ गए। इसके बाद उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर कार्यकर्ताओं को शांत किया। इंस्पेक्टर सरधना जितेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नेपाली महिला तस्कर सात करोड़ की कोकीन के साथ गिरफ्तार

बलरामपुर (हिंस)। नेपाल सीमा क्षेत्र की कोतवाली जरवा पुलिस ने सीमा के पास से एक नेपाली महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस को सात करोड़ रुपए के नशीला पदार्थ (कोकीन) बरामद हुआ। एसपी ने पुलिस टीम को दस हजार रुपए से पुरस्कृत किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश सक्सेना ने बताया कि सोमवार की सुबह कोतवाली जरवा पुलिस टीम ने एक सूचना के आधार पर पियरा नाला निकट बघेलखण्ड पुलिस चौकी के पास से एक महिला को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके बैग से पुलिस को 40 कैप्सूल अवैध कोकीन (0.690 किग्रा) बरामद की गई, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब सात करोड़ रुपए है। पूछताछ में महिला ने अपना नाम कुमारी विश्वकर्मा उर्फ विमला बताया। वह नेपाल के डांग जिले की गुरुंग नाका गांव पालिका की रहने वाली है। एसपी ने बताया कि मुकदमा दर्जकर अग्रिम कार्रवाई के लिए महिला को न्यायालय रवाना कर दिया गया है। पुलिस टीम को दस हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया है।

अर्घ्य देने के दौरान नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

पटना/मधेपुरा (हिंस)। बिहार के मधेपुरा जिले में सोमवार को अलग-अलग दो स्थानों पर दो बच्चों की मौत नदी में डूबने से हो गई। मधेपुरा के आलम नगर के राय टोला में छठ घाट पर अर्घ्य देने पहुंचे संतोष राय का 6 वर्षीय पुत्र मसूरी कुमार की नदी में डूबने से मौत हो गई। आलम नगर थाना की पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया है। इसी तरह पूर्णिया निवासी करुण राय का छह वर्षीय पुत्र दिव्यांशु छठ मनाने अपने ननिहाल बिहारीगंज के सरौनी आया हुआ था। यहां अर्घ्य देने के दौरान पैर फिसल जाने से वह नदी में डूब गया और उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

खूंटी (हिंस)। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय परिसर में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री, लौह महिला देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाली इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। जिलाध्यक्ष राम कृष्णा चौधरी की अगुवाई में दोनों महान विभुतियों के चित्रों पर माल्यार्पण और श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। जिलाध्यक्ष चौधरी और पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य दोनों की प्रासंगिकता आज भी मायने रखती है। उन्होंने कहा कि इदिउरा गांधी देश की अखंडता के लिए शहीद हो गई, तो सरदार पटेल ने देश की सर्वभौम एकता के लिए किए गए कार्यों से अपनी अमिट छाप छोड़। इस अवसर पर प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता ओम प्रकाश मिश्रा, तोरपा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विनायक राय, कर्रा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संजीव परधिया, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष विल्सन तोपनो, शिक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बसंत सुरीन, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष देवजीत देवघरिया, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य सुशील सांगा, सहकारिता विभाग के प्रदेश महामंत्री नईमुद्दीन खान एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में गुजरात के मोरबी में पूल दुर्घटना में मृत सभी लोगों के लिए शोक संवेदना प्रकट की गई।

हाईकोर्ट समेत झारखंड की सभी निचली अदालतों में नियमित सुनवाई आज से

रांची (हिंस)। करीब एक महीने बाद एक नवंबर से झारखंड की सभी निचली अदालतों में नियमित सुनवाई शुरू हो जाएगी। एक अक्टूबर से सिविल कोर्ट में सिर्फ बेल एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों की ही सुनवाई वैकेशन कोर्ट में हो रही थी। अब मंगलवार से दोबारा सभी जिला अदालतें अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करेंगी। रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने बताया कि वैकेशन कोर्ट के दौरान ट्रायल की प्रक्रिया पर ब्रेक लग जाता है, लेकिन छुट्टी के बाद रेगुलर कोर्ट शुरू होने से मुकदमों में गवाही और ट्रायल की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगी, जिससे पक्षकारों को भी सहूलियत होगी। वहीं, करीब 10 दिनों के बाद झारखंड हाई कोर्ट में भी मंगलवार से मुकदमों की सुनवाई दुबारा शुरू होगी। हाई कोर्ट ने मंगलवार को होने वाली सुनवाई से पहले काउज लिस्ट भी जारी कर दी है। अधिवक्ताओं एवं उनके मुवक्किलों के लिए सूचीबद्ध मामलों की लिस्ट अपडेट कर दी गई है। हाई कोर्ट के एडवोकेट एसोसिएशन की युवा निर्वाचित सदस्य शौर्या कश्यप द्विवेदी कहती हैं कि न्यायालय में छुट्टी के दौरान मुकदमे में उलझे अधिवक्ताओं को एक ब्रेक मिलता है, जिससे अपने केस में बेहतर करने के लिए वकीलों को अध्ययन करने का थोड़ा समय भी मिल जाता है।

लूट के मामले में तीन गिरफ्तार

मोतिहारी (हिंस)। यूपी के गोरखपुर जिले के खोड़ाबारी थाना क्षेत्र में एक चिकित्सक के घर हुई लूट के मामले में यूपी पुलिस ने जिला पुलिस के सहयोग से डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव में छापेमारी कर लूट कांड में संलिप्त तीन बदमाशों को लूट के रुपयों के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूट कांड में प्रयुक्त दो कार भी जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए तीनो बदमाश जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव के रहने वाले विजय महतो, सोनू सहनी और मिथिलेश कुमार हैं। पुलिस ने लूटकांड मे शामिल विजय महतो के पास से एक लाख व मिथिलेश के पास से दो लाख रुपए बरामद किया है।

शंकराचार्य के आशीर्वाद से और अच्छा काम कर सकूंगा : विप्लव देब

मथुरा (हिंस)। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा राज्य के भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी विप्लव कुमार देब कल रात गोवर्धन स्थित शंकराचार्य आश्रम पहुंचे और यज्ञ-पूजन कर गोवर्धन पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ से आशीर्वाद लिया। इस दौरान त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य का आशीर्वाद प्राप्त कर मैं अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र भूमि और जगद्गुरु शंकराचार्य के सानिध्य में मैं पहुंचा। यहां आने से जो ऊर्जा मिली है अब उसी ऊर्जा के साथ देश, समाज और अपने संगठन के लिए पूर्ण मनोयोग से काम करुंगा। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव कल रात शंकराचार्य आश्रम पहुंचे और सर्वप्रथम उन्होंने श्रीआद्य शंकराचार्य भगवान की चरण पादुका का पूजन किया। फिर गोवर्धन पुरी पीठ के 145वें ब्राह्मलीन शंकराचार्य स्वामी श्री निरंजनदेवतीर्थ जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वर्तमान पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज को तिलक लगा, माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद यज्ञशाला में जाकर विप्लव देव ने देवोत्थान एकादशी के उपलक्ष्य में चल रहे यज्ञ अनुष्ठान में भाग लिया। आश्रम के विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रों के साथ पूजन और यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि गोवर्धन स्थित शंकराचार्य आश्रम में जगद्गुरु देवतीर्थ के सानिध्य में चल रहे वैदिक अनुष्ठान से लोगों को बड़ा ही आध्यात्मिक बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये अनुष्ठान मन को शांति और आध्यात्मिक चेतना प्रदान कर रहे है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री आश्रम में देर रात तक रहे। इस दौरान उन्होंने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देवतीर्थ से एकांत में सामाजिक और आध्यात्मिक चर्चायें की। आश्रम के चारों तरफ इस मौके पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध थे। पुलिस एवं प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे। गोवर्धन स्थित शंकराचार्य आश्रम में इस समय देवोत्थान एकादशी के निमित्त विशेष अनुष्ठान चल रहा है। चार नवंबर को देवोत्थान एकादशी है, इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु अपनी योग निद्रा से जागेंगे।

बूढ़ा पहाड़ में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

लातेहार (हिंस)। लातेहार के बूढ़ा पहाड़ में सोमवार को पुलिस ने नक्सलियों के द्वारा छुपाए गए भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। सोमवार को लातेहार पुलिस लाइन में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए डीआईजी राजकुमार लकड़ा और लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बूढ़ा पहाड़ के इलाके में माओवादियों के द्वारा भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छुपाकर रखे गए हैं। हथियार और गोला-बारूद को माओवादी वापस लेने के लिए भ्रमणशील हैं। इसी सूचना पर स्पेशल ऑक्टोपस ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान बूढ़ा पहाड़ के जोक पानी इलाके में अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा छुपाए गए हथियार और गोला बारूद बरामद हुए। बरामद हथियार और गोला बारूद में एलएमजी राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल, कारबाईन 1 पीस, 303 राइफल 7 पीस, 315 राइफल 9 पीस, 303 की राइफल गोली 474 पीस, 315 राइफल की गोली 402 पीस, देसी ग्रेनाइट 41 पीस (अनप्राइम), आईईडी बम 213 पीस (घटना स्थल पर नष्ट कर दिया गया), देशी यूभीजीएल 1 पीस, 303 राइफल का बोल्ट 5 पीस, एसएलआर राइफल का पिस्टन रड 2 पीस, दूरबीन, जीपीएस, वॉकी टॉकी (मोटोरोला), एल्युमिनियम नाइट्रेट 02 डब्बा, आमरस स्प्रिंग 20 पीस, कोडेक्स वायर 100 मीटर लगभग, इलेक्ट्रिक वायर 100 मीटर लगभग, लाल बैनर, काली वर्दी 02 सेट समेत अन्य सामान शामिल है। पुलिस ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है। अभी भी पुलिस को सूचना है कि कई स्थानों पर नक्सलियों ने पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए आईडी लगा रखे हैं। पुलिस पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ इलाके में छापामारी अभियान चला रही है।

भाजपा महादलित प्रकोष्ठ के जिला संयोजक का निधन

बेगूसराय (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बेगूसराय जिला महादलित प्रकोष्ठ संयोजक सकलदेव राउत के निधन से पार्टी कार्यकर्ताओं ने शोक की लहर फैल गई है। सोमवार को निधन की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उनके आवास पर पहुंचकर अंतिम विदाई दे रहे हैं। निधन की जानकारी मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष राज किशोर सिंह, बछवाड़ा विधायक सुरेंद्र मेहता, जिला उपाध्यक्ष बलराम कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष पंकज पासवान, महेंद्र महतो तथा मंडल महामंत्री, बूथ अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ताओं ने पैतृक आवास बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रसलपुर पहुंचकर पार्टी का झंडा समर्पित कर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष एवं विधायक ने परिजनों को सांत्वना देते हुए हर सुख-दुख की घड़ी में साथ रहने का भरोसा दिलाया है। विधायक कुंदन कुमार, जिला महामंत्री कृष्ण मोहन पप्पू, सह मीडिया प्रभारी मोनू कुमार ने भी सकलदेव राउत के निधन पर शोक जताते हुए ईश्वर से मृतात्मा की शांति की प्रार्थना की।

जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए सरदार पटेल

मोतिहारी (हिंस)। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती जिले के विभिन्न जगहो पर श्रद्धापूर्वक मनायी गई। पिपराकोठी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में स्थापित सरदार पटेल के प्रतिमा पर पटेल विचार मंच के बैनर तले उनके प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर लोगो ने उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। मोतिहारी शहर के स्टेशन रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर लोगो ने माल्यार्पण कर उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के बारे चर्चा किया। पिपराकोठी में सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी थे। आजादी के बाद वे प्रथम गृह मंत्री के कार्यकाल में छोटे छोटे टुकड़ो में बंटे रियासतो को भारतीय गणराज्य में एकीकृत कराया। जो उनकी एक महान उपलब्धि है। वही जदयु प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि सरदार पटेल सभी जाति धर्मों का आदर करते थे और वे देश को एक सूत्र में बांधने के लिए बेहतर पहल किया।

उदीयमान सूर्य की साधना के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

किशनगंज (हिंस)। नहाय खाय से शुरू हुए आस्था के महापर्व छठ पूजा का आज चौथे दिन उगते हुए सूर्य देवता को अर्घ्य देने के साथ ही समापन हो गया। छठ व्रत के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद इस व्रत के पारण का विधान है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन तप और व्रत के माध्यम से हर साधक अपने घर-परिवार और विशेष रूप से अपनी संतान की मंगलकामना करता है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड समेत देश के तमाम हिस्सों में मनाया जाने वाला छठ पर्व छठी मैया और प्रत्यक्ष देवता भगवान भास्कर की विशेष पूजा के लिए किया जाता है। भगवान भास्कर की महिमा तमाम पुराणों में बताई गई है। भगवान सूर्य एक ऐसे देवता हैं, जिनकी साधना भगवान राम और श्रीकृष्ण के पुत्र सांब तक ने की थी। सनातन परंपरा से जुड़े धार्मिक ग्रंथों में उगते हुए सूर्य देव की पूजा को अत्यंत ही शुभ और शीघ्र ही फलदायी बताया गया है, लेकिन छठ महापर्व पर की जाने वाली सूर्यदेव की पूजा एवं अर्घ्य का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि छठ व्रत की पूजा से साधक के जीवन से जुड़े सभी कष्ट पलक झपकते दूर हो जाते हैं और उसे मनचाहा वरदान प्राप्त होता है। भले ही दुनिया कहती है कि जो उदय हुआ है, उसका डूबना तय है, लेकिन लोक आस्था के छठपर्व में पहले डूबते और बाद में दूसरे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का यही संदेश है कि जो डूबा है, उसका उदय होना भी निश्चित है, इसलिए विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय धैर्य पूर्वक अपना कर्म करते हुए अपने अच्छे दिनों के आने का इंतजार करें, निश्चित ही भगवान भास्कर की कृपा से सुख-समृद्धि और सौभाग्य का वरदान मिलेगा। सनातन परंपरा में प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्यदेव को न सिर्फ छठ पूजा के आखिरी दिन बल्कि प्रतिदिन अर्घ्य देते समय नियमों का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। भगवान सूर्य को प्रात: काल हमेशा उदय होते समय अर्घ्य देना ही सबसे उत्तम माना गया है, ऐसे में सूर्य की पूजा एवं अर्घ्य देने के लिए हमेशा सूर्योदय से पहले उठकर स्नान-ध्यान करके स्वच्छ वस्त्र पहन कर ही उनकी पूजा करें।

No. CE/BLDG/ARC-II/95/2022/07

PRESS NOTICE

In cancellation with the previous press notice vide no : CE/BLDG/ARC-II/95/2022/02, dated Guwahati the 9th June 2022, on behalf of the Governor of Assam, the Chief Engineer, P.W.D (Building), Assam, re-invites "Expression of Interest" (EOI) from empaneled Architect / Architectural firms under Assam P.W.D (Building) and having wide experience in the relevant field of work for the following project :-

Sl. No.	Name of work	Approx Porject cost	Approx consultancy fees
1	**Circuit House at Biswanath District, Assam**	**Rs. 10,19,26,564.00**	**Rs. 38,56,500.00**

- The details may be seen in e-procurement portal website i.e. www.assamtenders.gov.in.
- The Work Order will be issued after receipt of Administrative Approval from concerned authority.
- The validity period of the Bid shall be 180 days from the date of submission.
- The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam. (website : http//assamtenders.gov.in)
- The Chief Engineer P.W.D (Building), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reasons what so ever.

Sd\-
Chief Engineer, PWD, (Bldg.)
Assam, Chandmari, Guwahati - 3

-- Janasanyog /C/12968/22

संपादकीय

समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ते कदम

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए समिति बनाने का निर्णय लेकर एक बड़ी और आवश्यक बहस शुरू कर दी है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर देश के लगभग सभी नागरिक भाजपा के साथ हैं। इसलिए विपक्षी राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता के लिए समिति बनाने के भाजपा के निर्णय का विरोध तो कर रहे हैं लेकिन खुलकर यह नहीं कह पा रहे कि यह कानून नहीं बनना चाहिए। दरअसल, इस समय कोई भी राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता का विरोध करके मुस्लिम तुष्टीकरण का ठप्पा लगवाना नहीं चाहेगा। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कानून का विचार किसी भी ढंग से मुस्लिम विरोधी नहीं है लेकिन अब तक मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करनेवाले राजनीतिक दलों ने समान नागरिक संहिता के विचार को मुस्लिम विरोधी की तरह प्रस्तुत किया। इसलिए मुसलमानों के बीच में भी यह भावना घर कर गई कि यह कानून उनकी मान्यताओं का विरोधी है। जबकि वास्तविकता यह नहीं है। यह कानून ऐसा है, जो सही मायने में भारत के सभी नागरिकों को समान नागरिक अधिकार देकर अनेक प्रकार के भेदभाव को समाप्त कर सकता है। राजनीतिक दलों का कहना है कि भाजपा ने गुजरात विधानसभा से पहले क्यों यह निर्णय लिया और कानून को सिर्फ गुजरात में लागू क्यों किया जा रहा है? इस बात में कोई दोराय नहीं कि भाजपा के इस निर्णय से उसे गुजरात चुनाव में लाभ होगा। जैसे कई राजनीतिक दल चुनावों में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अनेक प्रकार की गैर-जरूरी घोषणाएं करते हैं, तब देशहित से जुड़े इस कानून के लिए समिति बनाने पर आपत्ति क्या है? और यदि विपक्षी राजनीतिक दलों को लगता है कि इस निर्णय से भाजपा को लाभ हो सकता है, तब वे स्वयं भी क्यों इस कानून का समर्थन करतीं। कांग्रेस चाहे तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता बनाने के लिए कदम उठा सकती है। आम आदमी पार्टी भी चाहे तो दिल्ली और पंजाब में यह पहल करके गुजरात की जनता को संदेश दे सकती है। समान नागरिक संहिता पर केंद्रीय कानून बनाने के प्रश्न का उठा रहीं पार्टियां चाहें तो केंद्र सरकार को ऐसा निर्णय लेने के लिए चिट्ठी लिख सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक केवल भाजपा शासित राज्य ही समान नागरिक संहिता के लिए पहलकदमी करते दिखाई दे रहे हैं। गुजरात से पहले उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकारें भी समान नागरिक संहिता कानून को लागू करने की घोषणा कर चुकी हैं। भाजपा शासित कई और राज्यों के मुख्यमंत्री भी यह कह चुके हैं कि हम इसे कानून के दायरे में ला सकते हैं। स्मरण रहे कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद- 44 में वर्णित है कि राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। संविधान में इसे 'राज्य के नीति निदेशक तत्वों' में शामिल किया गया है। यानी समान नागरिक संहिता को लागू करना संविधान की मंशा को पूरा करना है। यह भी ध्यान देना चाहिए कि यह कानून संविधान की प्रस्तावना में निहित 'पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की अवधारणा को मजबूत करेगा। इसके बाद भी जो राजनीतिक दल एवं नेता इस कानून का विरोध कर रहे हैं, वे न केवल मुस्लिम तुष्टीकरण की मानसिकता बाहर निकले हैं अपितु उनकी सोच सांप्रदायिक एवं संविधान विरोधी है। देश में समान नागरिक संहिता का वायदा भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से करती रही है, उम्मीद है कि निकट भविष्य में संपूर्ण देश के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार पहल करे। पिछले दिनों भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस बात के संकेत भी दे चुके हैं।

> देश के लगभग सभी नागरिक भाजपा के साथ हैं। इसलिए विपक्षी राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता के लिए समिति बनाने के भाजपा के निर्णय का विरोध तो कर रहे हैं लेकिन खुलकर यह नहीं कह पा रहे कि यह कानून नहीं बनना चाहिए। दरअसल, इस समय कोई भी राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता का विरोध करके मुस्लिम तुष्टीकरण का ठप्पा लगवाना नहीं चाहेगा। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कानून का विचार किसी भी ढंग से मुस्लिम विरोधी नहीं है लेकिन अब तक मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करनेवाले राजनीतिक दलों ने समान नागरिक संहिता के विचार को मुस्लिम विरोधी की तरह प्रस्तुत किया।

कुछ अलग

भारतीय विदेश नीति की दो उपलब्धियां

भारतीय विदेश नीति की दो उपलब्धियों ने मेरा ध्यान बरबस खींचा है। एक तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भारत की सराहना और दूसरी भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बातचीत। इन मुद्दों पर यह शक बना हुआ था कि भारत की नीति से इन दोनों राष्ट्रों को कुछ न कुछ एतराज जरूर है लेकिन वे संकोचवश खुलकर बोल नहीं रहे थे। अब यह स्पष्ट हो गया है कि रूस और ब्रिटेन, दोनों ही भारत की नीति से संतुष्ट हैं और उनके संबंध भारत से दिनोंदिन घनिष्ट होते चले जाएंगे। पहले हम रूस को लें। भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले का कभी दबी जुबान से समर्थन नहीं किया लेकिन उसे अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों की तरह रूस के विरुद्ध आग भी नहीं बरसाई। उसने यूक्रेन से अपने हजारों नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला, उसे टनों अनाज भेंट किया और कुछ प्रस्तावों पर संयुक्तराष्ट्र संघ में उसका साथ भी दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में साफ-साफ कह दिया कि यह वक्तत युद्ध का नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए। शायद इसी का असर था कि पुतिन ने परमाणु युद्ध की आशंका से त्रस्त सारे विश्व को आश्वस्त किया कि उनका इरादा परमाणु बम चलाने का बिल्कुल नहीं है। अब उन्होंने मास्को के एक 'थिंक टैंक' में भाषण देते हुए न केवल मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा की बल्कि कहा कि इस संकट के दौरान भारत के साथ रूस का कृषि व्यापार दुगुना हो गया, उर्वरक निर्यात 7-8 गुना बढ़ गया और आपसी व्यापार 13 अरब से कूदकर 18 अरब डॉलर का हो गया। रूसी तेल ने भारत की जरूरत पूरी कर दी। पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की जमकर तारीफ की है। यह तब है जबकि भारत अमेरिका के साथ कई मोर्चों पर पूरी तरह सहयोग कर रहा है। चीन को इससे काफी जलन हो रही है लेकिन भारत के बारे में रूस का मूल्यांकन सही है। इसी तरह ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने के पूरे आसार दिखाई पड़ने लगे हैं। ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही अपने विदेश मंत्री को सबसे पहले भारत भेजा है। मोदी और सुनक की बातचीत से मुक्त व्यापार का रास्ता काफी साफ हुआ है। लंदन में यह डर बताया जा रहा था कि उक्त समझौता यदि हो गया तो ब्रिटेन में भारतीयों की भरमार हो जाएगी और वे ब्रिटिश बाजारों पर कब्जा कर लेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन चाहता है कि उसकी मोटरसाइकिलों, शराब, केमिकल्स और अन्य कई चीजों पर भारत ज्यादा टैक्स-ड्यूटी न लगाए। ऐसे ही भारत भी अपने कृषि-पदार्थों, कपड़ों और चमड़े आदि के समान पर ड्यूटी घटवाना चाहता है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में यदि उक्त समझौता हो गया तो अन्य कई यूरोपीय देशों के दरवाजे भी भारतीय माल के लिए खुल जाएंगे।

> भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले का कभी दबी ज़ुबान से समर्थन नहीं किया लेकिन उसे अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों की तरह रूस के विरुद्ध आग भी नहीं बरसाई। उसने यूक्रेन से अपने हजारों नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला, उसे टनों अनाज भेंट किया और कुछ प्रस्तावों पर संयुक्तराष्ट्र संघ में उसका साथ भी दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में साफ-साफ कह दिया कि यह वक्तत युद्ध का नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए। शायद इसी का असर था कि पुतिन ने परमाणु युद्ध की आशंका से त्रस्त सारे विश्व को आश्वस्त किया कि उनका इरादा परमाणु बम चलाने का बिल्कुल नहीं है।

विचार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर से पीओके के बारे में चार महीने के भीतर दिया गया यह दूसरा बयान है

गिलगित बाल्टिस्तान समेत पीओके में अत्याचारों की जो बात राजनाथ सिंह ने कही है, वह एकदम सही है

नीरज कुमार दुबे

> रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा था कि हम पर बुरी नजर डालने वाला कोई भी हो, भारत मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। जहां तक पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान ने कश्मीर के जिस भाग पर अवैध कब्जा किया हुआ है उसके उत्तरी क्षेत्र को गिलगित-बाल्टिस्तान के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान सरकार ने कुछ समय पहले इस क्षेत्र को अपना पांचवां प्रांत भी घोषित किया था। गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में चल रही चीनी परियोजनाओं को लेकर स्थानीय लोग नाराज चल रहे हैं और यहां अक्सर विरोध प्रदर्शन और दंगे होते रहते हैं। हाल में इस तरह की खबरें भी आई थीं कि पाकिस्तान सरकार इस क्षेत्र को चीन को पट्टे पर देना चाहती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत की उत्तर में विकास यात्रा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित और बाल्टिस्तान के हिस्सों में पहुंचने के बाद पूरी होगी। साथ ही उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर जो अत्याचार किये जा रहे हैं उसके अंजाम पाकिस्तान को भुगतने होंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि गिलगित और बाल्टिस्तान के बारे में बात करके भारत क्या संदेश देना चाहता है और वो कौन-से अत्याचार हैं जो पीओके के लोगों पर किये जा रहे हैं। साथ ही हमें यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर से पीओके के बारे में चार महीने के भीतर दिया गया यह दूसरा बयान है। हम आपको याद दिला दें कि इससे पहले जब जुलाई में रक्षा मंत्री जम्मू-कश्मीर गये थे तब भी उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को फिर से हासिल करने की वकालत करते हुए कहा था कि यह भारत का हिस्सा है और रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा था कि हम पर बुरी नजर डालने वाला कोई भी हो, भारत मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। जहां तक पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान ने कश्मीर के जिस भाग पर अवैध कब्जा किया हुआ है उसके उत्तरी क्षेत्र को गिलगित-बाल्टिस्तान के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान सरकार ने कुछ समय पहले इस क्षेत्र को अपना पांचवां प्रांत भी घोषित किया था। गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में चल रही चीनी परियोजनाओं को लेकर स्थानीय लोग नाराज चल रहे हैं और यहां अक्सर विरोध प्रदर्शन और दंगे होते रहते हैं। हाल में इस तरह की खबरें भी आई थीं कि पाकिस्तान सरकार इस क्षेत्र को चीन को पट्टे पर देना चाहती है। दरअसल दक्षिण एशिया में अपना दबदबा बनाने और भारतीय सीमाओं के निकट पहुँचने को आतुर दिख रहा चीन गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके पर बहुत समय से नजरें गड़ाये है। इसके अलावा चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर भी इसी क्षेत्र से गुजरता है इसलिए चीन के लिए यह क्षेत्र महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए जब भारत

गिलगित-बाल्टिस्तान की बात कर रहा है तो वह सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन पर भी निशाना साध रहा है। जहां तक गिलगित-बाल्टिस्तान के वर्तमान परिदृश्य की बात है तो आपको बता दें कि इस क्षेत्र के लोगों के साथ पाकिस्तान सरकार की बेरुखी और भेदभाव की वजह से ही यहां के स्थानीय प्रशासन को कम अधिकार दिये गये हैं। यहां साल 2020 में पाकिस्तान ने भारत को चिढ़ाने के लिए जबरन विधानसभा चुनाव करा दिये थे लेकिन स्थानीय सरकार के पास ज्यादा अधिकार नहीं हैं। 20 लाख की आबादी वाले इस शिया-सुन्नी क्षेत्र के लोगों का पाकिस्तान की सरकार में भी उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। पाकिस्तान सरकार इस इलाके के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तो खूब करती है लेकिन इसके बदले में देती कुछ नहीं है। यही नहीं बिजली जैसी बुनियादी जरूरत से इस क्षेत्र को दूर रखा गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र पाकिस्तान के राष्ट्रीय ग्रिड का हिस्सा नहीं है इसीलिए यहां 24 घंटे में मात्र दो-तीन घंटे ही बिजली आती है। यही नहीं किसी भी विद्युत या अन्य परियोजना पर भी इस क्षेत्र का अपना नियंत्रण नहीं है। गिलगित-बालिटस्तान क्षेत्र के लोग बेरोजगारी, बिजली की कमी, शिक्षा का अभाव और अन्य बुनियादी सुविधाओं की बड़ी कमी के चलते पहले ही परेशान चल रहे हैं और सर्वाधिक पलायन की खबरें भी यहीं से आती हैं। इस क्षेत्र में बेहाली का क्या आलम है यह इसी बात से समझा जा सकता है कि पाकिस्तान में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं इसी इलाके में होती हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग अक्सर इस क्षेत्र के साथ सौतेलापन और बर्बरता बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हैं और पूर्ण स्वायत्तता की मांग करते हैं। यहां के लोगों का कहना है कि पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर रियासत का हिस्सा रहे गिलगित-बाल्टिस्तान के दर्जे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समझौते का सम्मान करना चाहिए। कई बार यह भी देखने में आया है कि पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर मांग की है कि वहां हो रहे अमानवीय अत्याचार बंद करवाये जायें। लेकिन उसके बावजूद हालात में कोई बदलाव नहीं आया है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपनी आंखें मूंदे हुए है। पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान के राजनीतिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यहां के लोगों को प्रताड़ित किया जाता है, उन पर देशद्रोह और आतंकवाद के आरोप लगाकर जीवन भर के लिए जेलों में ठूंस दिया जाता है और इस क्षेत्र के लोगों की सांस्कृतिक विरासत को भी नष्ट किया जा रहा है। इन लोगों का यह भी कहना है कि चीन पाकिस्तान इकॉनॉमिक कॉरिडोर के चलते स्थानीय लोगों को अपनी जमीनों से भी हाथ धोना पड़ रहा है। जहां तक पीओके के लोगों के साथ हो रहे अन्याय की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान सरकार और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ यहां के लोगों के मन में गहरा आक्रोश है। पिछले कुछ समय से यहां के लोग चीन की ओर से क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के किये जा रहे दोहन के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं। मुजफ्फराबाद में नीलम-झेलम जल विद्युत परियोजना के खिलाफ जो व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था उसको देखकर पाकिस्तान सरकार हिल गयी थी इसलिए उस प्रदर्शन का बलपूर्वक दमन किया गया था। यही नहीं पीओके की जनता पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरन भूमि कब्जे के खिलाफ भी आवाज उठाती रही है। साथ ही बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार की समस्या से इस समय पीओके का हर आदमी परेशान है। इस क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का अभाव तो है ही साथ ही बेरोजगारी और कमीशनखोरी ने हर आदमी का जीना मुहाल कर रखा है। यही नहीं आईएसआई की ओर से अकसर लोगों पर की जाने वाली छापेमारी भी यहां बड़ा मुद्दा है। साथ ही लोगों का आरोप है कि यहां पर सर्वाधिक बिजली बनने के बावजूद लोगों को पूरे समय बिजली सप्लाई नहीं की जाती और उसे बाहर बेच दिया जाता है। हालिया समय में कई बार यहाँ खुलकर पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ प्रदर्शन होते रहे हैं और सामाजिक कार्यकर्ता भारत तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की माँग करते रहे हैं। पीओके में महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पाकिस्तान से आजादी के नारे तो लगाये ही जाते रहते हैं साथ ही कुछ समय पहले एक ऐसी घटना हुई थी जिसने पाक हुक्मरानों के होश उड़ गये थे। पीओके के ददयाल शहर में एक सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार तनवीर अहमद ने पाकिस्तानी झंडा उतार दिया था जिसके बाद उसे सुरक्षा एजेंसियां उठा कर ले गयी थीं। यही नहीं महँगाई के आसमान पर पहुँच जाने के खिलाफ हाल में स्थानीय नेताओं का विरोध प्रदर्शन इतना व्यापक हो गया था कि हालात बिगड़ते नजर आ रहे थे।

दक्षिण की जनता तो हिंदी से करती है प्रेम, सिर्फ राजनेता ही करते हैं राजभाषा का विरोध

> संविधान लागू होने से पंद्रह साल तक की उसे जो मोहलत मिली, वह लगातार बढ़ती चली गई। जब भी उसे संपूर्णता में आगे बढ़ाने की कोशिश हुई, उसके विरोध में स्थानीय राजनीति खड़ी हो गई। विरोध की तीखी शुरुआत 25 जनवरी 1965 को जो हुई, वह हर बार तब और तेजी से उभर आती है, जब भी राजभाषा बनाने की दिशा में सरकारी स्तर पर कोई कदम उठाया जाता है। ऐसा ही नजारा एक बार फिर दिख रहा है। इसका माध्यम बनी है संसदीय राजभाषा समिति की हालिया रिपोर्ट, जिसमें उसने उच्च और तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए हिंदी पर जोर देने की वकालत की है। इस रिपोर्ट में केंद्रीय नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म करने और उसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए गंभीर और ठोस प्रयास करने की भी सिफारिश की गई है।

स्वाधीनता संग्राम में सपना तो था राष्ट्रभाषा बनाने का, लेकिन संविधान सभा की बहसों तक पहुंचते-पहुंचते हिंदी राजभाषा की जिम्मेदारी तक ही सिमट गई। यह बात और है कि कायदे से अपना वह स्थान भी वह संपूर्णता में नहीं हासिल कर पाई। संविधान लागू होने से पंद्रह साल तक की उसे जो मोहलत मिली, वह लगातार बढ़ती चली गई। जब भी उसे संपूर्णता में आगे बढ़ाने की कोशिश हुई, उसके विरोध में स्थानीय राजनीति खड़ी हो गई। विरोध की तीखी शुरुआत 25 जनवरी 1965 को जो हुई, वह हर बार तब और तेजी से उभर आती है, जब भी राजभाषा बनाने की दिशा में सरकारी स्तर पर कोई कदम उठाया जाता है। ऐसा ही नजारा एक बार फिर दिख रहा है। इसका माध्यम बनी है संसदीय राजभाषा समिति की हालिया रिपोर्ट, जिसमें उसने उच्च और तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए हिंदी पर जोर देने की वकालत की है। इस रिपोर्ट में केंद्रीय नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म करने और उसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए गंभीर और ठोस प्रयास करने की भी सिफारिश की गई है। हिंदी को आधिकारिक स्थान दिलाने की जब भी कोशिश होती है, विरोध में सबसे पहली राजनीतिक आवाज तमिलनाडु से ही उठती है। 1965 में हिंदी को राजभाषा के तौर पर लागू करने की तैयारी हो या फिर 1967 का लोहिया का अंग्रेजी हटाओ आंदोलन, 1986 में आई नई शिक्षा नीति हो या 2020 की शिक्षा नीति, हर बार हिंदी के खिलाफ सबसे कठोर राजनीतिक आवाज तमिलनाडु से ही उठी है। इस समय भी सबसे मुखर और तीक्ष्ण विरोधी आवाज तमिलनाडु से ही उठी है। राज्य की विधानसभा ने हिंदी के विरोध में बाकायदा प्रस्ताव पारित किया है। जिसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि हिंदी को लेकर जो मांग समिति ने की है, उसे लागू न किया जाये। राजभाषा समिति की रिपोर्ट के विरोध में वह चिदंबरम भी हैं, जिन्होंने गृहमंत्री रहते 2021 में राजभाषा हिंदी दिवस पर हिंदी को लोक की भाषा बताते हुए हिंदी में ही संवाद करने पर जोर दिया था। तब हैरतअंगेज था कि उन्होंने अपना पूरा भाषण हिंदी में दिया था। हिंदी की एक सहयोगी भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग जब लोकसभा में उठी थी, तब उसका जवाब देते वक्त चिदंबरम ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में एक पंक्ति भोजपुरी में भी बोली थी। सवाल यह है कि क्या तमिलनाडु अब भी उसी हिंदी विरोध की ग्रंथि के घेरे में है, जो अतीत में रही है। तमिलनाडु की हालिया हफ्तेभर की यात्रा में कम से कम ऐसा नहीं महसूस हुआ। तमिलनाडु के लोगों की जो प्रतिक्रिया मिली, जैसा उनका हावभाव नजर आया, उससे स्पष्ट है कि हिंदी विरोध से तमिलनाडु आगे निकल चुका है। राज्य के मशहूर तीर्थस्थल महाबलिपुरम् की गलियों में हिंदी अजनबी भाषा नहीं थी। अभावग्रस्त भिखारी हों या फिर पर्यटकों को लुभाने वाली दुकानों के मालिक और काउंटरकर्मी, या फिर सामान्य दुकानदार, रिक्शे वाले हों या फटफट ऑटो वाले, उनकी बोली सुन नहीं लगता कि वे उस तमिलनाडु से हैं, जहां की राजनीति अक्सर हिंदी के विरोध में उतरती हैं। कुछ साल पहले तमिलनाडु में ऐसे नजारे आम नहीं होते थे। परमाणु ऊर्जा केंद्र के तौर पर मशहूर कल्पकम् का समुद्री किनारे पर उस दिन जुटी भीड़ में ज्यादातर लोग मुस्लिम समुदाय के थे। जिस दिन की बात है, उस दिन ईद थी। ईद की छुट्टी का मजा उठाती उस भीड़ की अपनी जाति भले ही तमिल थी, लेकिन जरूरत पड़ने पर हिंदी गीतों के बोल भी उठ रहे थे। लग नहीं रहा था कि यह उस तमिलनाडु के समुद्र तट का नजारा है, जहां को लेकर उत्तर भारत की सामान्य अवधारणा रही है कि वहां हिंदी बोलना जैसे अपराध हो। भारतीय राजनीति चाहे उत्तर की हो या दक्षिण की, सामान्य रूप से उसका स्वभाव एक ही जैसा है। लोक से उसका जीवंत और दोतरफा सहज संवाद कम ही है। इसलिए वह अवधारणाओं के ही हिसाब से अपने कदम उठाती रहती है। तमिल राजनीति इससे इतर नहीं है। उसे भी लगता है कि अब भी तमिलनाडु की जनता की रगों में बहने वाले रक्त में तेजी हिंदी विरोध के साथ आती है। दरअसल तमिलनाडु हिंदी विरोध से बहुत आगे बढ़ गया है। पिछली सदी के साठ के दशक में हिंदी के विरोध में उग्र प्रदर्शन करने वाली पीढ़ी अब बुजुर्ग हो गई है। कोयंबटूर के एक विवाह समारोह में मिले षडमुषनाथन उस आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए अफसोस जताने से नहीं चूके। इसलिए अब तमिलनाडु की वह पीढ़ी अपने बच्चों को बोलचाल की हिंदी सिखाने से परहेज नहीं कर रहे। तमिलनाडु की इस पीढ़ी को पता है कि जिसे हिंदी प्रदेश कहा जाता है, वहां अंग्रेजी पढ़ाने के लिए जब निजी स्कूल और प्रतिष्ठान अध्यापक की खोज करते हैं तो उनकी पहली पसंद दक्षिण के युवा होते हैं। हिंदी विरोध में अपनी जवानी का जोश दिखाने वाली पीढ़ी को पता है कि हिंदी बेशक हकीकत में राजकाज की आधिकारिक भाषा अब तक नहीं बन पाई हो, लेकिन वह अखिल भारत के दरवाजे खोलती है। हिंदी वाले जिस तरह अंग्रेजी को साम्राज्यवाद को पुष्पित-पल्लवित करने वाली भाषा मानते रहे हैं, दक्षिण, विशेषकर तमिलनाडु में एक दौर में हिंदी को भी उसी अंदाज में प्रस्तुत किया गया। हिंदी 'थोपने' का जुमला इसी का प्रतीक है। तमिल राजनीति की सीमा है कि अब भी वह हिंदी को लेकर उसी अवधारणा के तहत राजनीति करती है।

नागरिक बोध

गुजरात के मोरबी में पुल हादसे में छाया मातम का अंधेरा

गुजरात के राजकोट के मोरबी की पुल गिरने से हुई मौते हदयविदारक थी। 190 की मौत होने पर मोरबी गम के अंधेरे में डूब गया। गुजरात की यह पहली घटना नही है। मिछु नदी की घटना पहले भी हो चुकी है। अंग्रेजो के समय का पुल का कई बार रिनोवेशन किया गया था। रात के अंधेरे में रेस्क्यू टीम ने समय पर पहुंच कर व्यवस्था संभाली। मोरबी में 1979 में भयंकर बाढ़ में करीब एक हजार लोग बह गए थे। रविवार की शाम को पुल दुर्घटना में काल के गर्त में कई जिंदगियां समा गई। चारो तरफ मातम छा गया। स्थानीय लोगो ने रेस्क्यू कर बालको और महिलाओं को बचाया। किसी के घर मे माता पिता की मौत हो गई है, तो कही पर गर्भवती महिला की मौत। किसी के घर का चिराग बुझ गया है तो कही पर पूरा परिवार मौत के भेंट चढ़ गया है। इस लापरवाही का जिम्मा किस पर थोपा जाए। सौ लोगो की क्षमता वाले ब्रिज पर चारसौ लोगो का जमावड़ा था। भार सहन नही करने के कारण हादसा हुआ है। सरकार ने मदद के हाथ बढ़ाए है। लेकिन मरने वालों की संख्या 190 से पार चली गई है। हादसा प्राकृतिक था। लेकिन चुनाव के ऐनवक्त इस तरह की घटना को लेकर हमलावरों को मौका मिल जाता है। यह देश की पहली घटना नही है। बिहार में पुल जमींदोज होने से 130 लोग मर गए थे। इस तरह की घटना पहले भी घटित हुई है। सरकार बचाव कार्य कर रही है। बच्चों और महिलाओं की चीख पुकार से पूरा राजकोट सहित गुजरात शोकमग्न है। एनडीआरएफ कमांडेड के अनुसार इतनी लाशें हमने पहले कभी एकसाथ नही देखी है। आठ लोगो की जान एक साथ बचाने पर ग्रामीणों को खुशी है। एक हजार की जनमेदनी घटना के समय मौजूद थी। परिवार के पांच सदस्यों को खोने वाले के सामने पत्नी और बच्चे की लाश पड़ी थी। इस से बढ़कर उनके लिए क्या बात हो सकती है। किसी का सुहाग उजड़ा तो किसी की कोंख। चारसौ लोग पानी मे गिरने की खबर मिलते ही जिला प्रशासन ने बिजली और एम्बुलेंस की तुरन्त व्यवस्था कराई गई। करीब तीनसौ एम्बुलेंस आने के कारण अनेक घायलों को बचाया जा सका। राज्य और केंद्र सरकार की तरफ से मृतक के परिजनों को मदद मुहैया कराई गज है। लेकिन पुल हादसे में घर के सदस्यों की मौत जीवन भर नही भुलाया नही जा सकता है। गुजरात की इस करुणान्तिका से हर कोई स्तब्ध है। इसी पुल पर 43 साल पहले हादसा हुआ था। 43 साल बाद वैसा ही कहर और मौत का तांडव देखकर हर एक का दिल पसीज गया। कठोर ह्दय दिल भी पसीज गया। पुल टूट जाने से जान अटकी तो कुछ लोग कंधे पर बैठाकर ले जा रहे थे। 10 सितम्बर 2002 को बिहार के रफीगंज में पुल टूटने से 130 मौते हो गई थी। आंध्रप्रदेश में वेलेगोंडा ब्रिज में दुर्घटना में 114 की मौते हो गई थी। 2001 में केरल की घटना में पुल धराशायी हो गया था। उस घटना में 57 मौत हो गई। समय समय पर खुद की पछाड़ मानवजीवन को हिला देती है। उपरोक्त पुल का निर्माण गुजरात के शासक वाघजी ने किया था। इंग्लैंड से पुल संबधित सामग्री मंगाई गई थी।

देश दुनीया से

केजरीवाल नैरेटिव गढ़ने में उस्ताद

भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अलग शैली का आज पूरा विश्व कायल है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस शैली को अपनाने की कोशिश करते नजर आते हैं। वह तरह-तरह के नैरेटिव गढ़ते हैं। वह शुरू से प्रधानमंत्री को कटघरे में खड़ा करते रहे। बात नालियों को साफ करने की ही क्यों न रही हो। लेकिन उसके दुष्परिणाम स्वरूप आप दिल्ली की लोकसभा की सातों सीटें हार गई। नगर निगम में भी सफलता नहीं मिली। राजनीतिक विश्लेषक संजय कुमार के अनुसार जब कोई प्रियनेता लोकप्रिय हो, तब उस पर हमला करने का असर उल्टा ही होगा। जैसा "चांद पर थूका हुआ वापस थूकने वाले मुंह पर ही पड़ता है।" आप पंजाब चुनाव में उतरी तब प्रधानमंत्री पर केजरीवाल पुनः आक्रामक हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का ध्येय वाक्य है "माल कैसा भी हो, हांक हमेशा ऊंची लगानी चाहिये"। आगे उदाहरणों से आप इस बात को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। ताजा उदाहरण आपके सामने है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने की आशंका मात्र से उनकी तुलना शहीदे-आजम भगत सिंह से करने पर उन्हें शर्म तक नहीं आई। वैसे भी वर्तमान निम्न स्तर की नैतिकताहीन राजनीति में बेशर्म शरारतपूर्ण व अंहकार से भरे बयान पर शर्म का प्रश्न आप क्यों उठाना चाहते है? उससे भी बड़ी बेशर्म मीडिया निकली जिसने "गधा मरे कुम्हार का और धोबन सती होय" के समान उनके कथनों को हाथों-हाथ लेकर बार-बार सुना कर हमारे कानों को पका दिया। किसी भी मीडिया हाउस की केजरीवाल से यह कहने की हिम्मत नहीं हुई कि आपके द्वारा मनीष सिसोदिया की शहीद भगत सिंह से किसी भी रूप में तुलना किसी भी स्थिति में सही नहीं ठहराई जा सकती है और न ही की जा सकती है। आप अपनी तुलना के शब्द बाण वापस लीजिए व उक्त महती त्रुटि के लिए क्षमा मांगे अन्यथा हम आपके उन कथनों बयानों को प्रसारित नहीं करेंगे। शराब घोटाले में पूछताछ के बाद मनीष सिसोदिया ने सीबीआई पर ही बड़ा आरोप लगा दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया गया था। परन्तु नाम बताने से परहेज किया गया। फिर भी मीडिया उनके इस बिना सिर पैर के तथ्यहीन बयान को बार-बार ब्रेकिंग न्यूज के रूप में चलाता रहा। यानी केजरीवाल के लिए तो मीडिया का रोल ऐसा है कि "लड़े सिपाही और नाम सरदार का"। इसके पूर्व भी ऑपरेशन लोटस द्वारा विधायकों की खरीद-फरोद कर सरकार गिराने के मनीष सिसोदिया के आरोप के संबंध में भी आज तक उस व्यक्ति का नाम नहीं बताया गया, जिसने पैसे ऑफर किये और न ही उस तथाकथित विधायक/व्यक्ति का कथन, शपथ पत्र या पहचान तक बताई गई, जिसे ऑफर किया गया हो। यह झूठी, मनगढ़ंत न्यूज भी कई दिनों तक चलती रही। हद तो तब हो गई जब सीबीआई द्वारा पूछताछ के बाद मनीष सिसोदिया के सिर पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार जो अंततः गिरी नहीं तथ्य के बावजूद केजरीवाल ने गुजरात के मेहसाणा जिले के उंझा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया का गुजरात चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने जनता से "जेल के ताले टूटेंगे मनीष सिसोदिया छूटेंगे" के नारे भी लगवाए। इस सफेद नहीं काले झूठ को मीडिया ने जिस तरह सुर्खियां देकर चलाया उससे साफ हुआ कि देश की राजनीति के नैरेटिव गढ़ने में केजरीवाल उस्ताद हैं। जिस तरह "सोती हुई लोमड़ी सपने में मुर्गियां ही गिनती रहती है", राजनेता तथा आम नागरिकों के लिए नए-नए अन्य अकल्पनीय नैरेटिव देने वाले केजरीवाल के ताजा नैरेटिव को भी देखिए। देश की करेंसी में भगवान श्री गणेश और लक्ष्मी माता की तस्वीर लगाने की मांग। केजरीवाल द्वारा बताये कारणों के प्रतिफल/परिणाम का तो भविष्य में ही पता लगेगा।

> दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने की आशंका मात्र से उनकी तुलना शहीदे-आजम भगत सिंह से करने पर उन्हें शर्म तक नहीं आई। वैसे भी वर्तमान निम्न स्तर की नैतिकताहीन राजनीति में बेशर्म शरारतपूर्ण व अंहकार से भरे बयान पर शर्म का प्रश्न आप क्यों उठाना चाहते है? उससे भी बड़ी बेशर्म मीडिया निकली जिसने "गधा मरे कुम्हार का और धोबन सती होय" के समान उनके कथनों को हाथों-हाथ लेकर बार-बार सुना कर हमारे कानों को पका दिया।

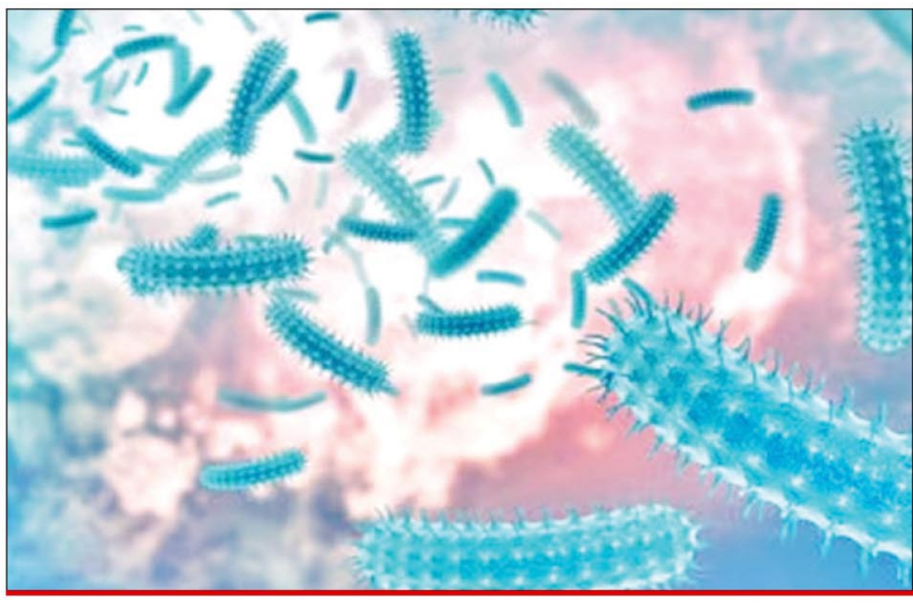

बैक्टीरिया के नाम के लिए नई प्रणाली वैज्ञानिकों ने तैयार किया, तीन सदी पुरानी प्रथा बदली

प्रिटोरिया।
बैक्टीरिया के नामकरण के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग आधारित नयी प्रणाली सीक-कोड को वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसके साथ ही 300 साल पुरानी जीवों के नामकरण की प्रथा को बदला गया है। दावा किया गया है कि ऐसा करने से इन सूक्ष्मजीवों को जानने में वैज्ञानिकों को आसानी होगी, वहीं नई पीढ़ी के एंटीबायोटिक्स की पहचान से लेकर कैंसर के इलाज की तलाश तक में मदद मिल सकती है। करीब 300 साल से पूर्व पौधों व जीवों की प्रजातियों की असंख्य विविधता की वजह से उनका नामकरण प्रकृति वैज्ञानिकों के लिए समस्या बन चुका था। किसी जीव या प्रजाति को दूसरी से अलग दर्शाना मुश्किल हो रहा था। इसके समाधान में स्वीडन के वनस्पति वैज्ञानिक कार्ल लिनेस ने 1737 में एक तार्किक बाई-नॉमिअल प्रणाली पेश की थी। इसमें सभी जीवों, पेड़-पौधों आदि के नाम दो हिस्सों में रखे जाते। पहला हिस्सा उनका जीनस होता, जो सरनेम की तरह काम आता। दूसरा, उस प्रजाति की विशेषता बताता। इस मेल से लगभग सभी जीवों को एक विशिष्ट नाम मिलना संभव हुआ। जैसे हम मनुष्य होमो सेपियन कहलाए। इसमें होमो हमारा जीनस बना, यह मनुष्य के लिए लैटिन शब्द है। और सेपियन यानी बुद्धि रखने वाला। कार्ल की बाई-नॉमिनल प्रणाली पशु-पक्षी, पेड़-पौधों, शैवाल, फंगी, वायरस, बैक्टीरिया के नाम रखने का नियम बनी, इन्हें कोड कहा जाने लगा। बैक्टीरिया की एक प्रभावी, औपचारिक और स्थाई नामकरण प्रणाली वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर इन सूक्ष्म जीवों की विविधता का पता लगाने में ज्यादा मदद मिलेगी। हमारे वातावरण में उनकी क्या भूमिका है, यह भी पता चलेगा। वैज्ञानिक किसी बैक्टीरिया के बारे में ज्यादा पुख्ता तरीके से एकदूसरे से अपने शोध को लेकर बात कर पाएंगे। नई प्रणाली बनाने में शामिल वैज्ञानिकों का तो यह भी दावा है कि इससे नई पीढ़ी के एंटीबायोटिक्स और कैंसर का इलाज तलाशने में भी मदद मिलेगी। बैक्टीरिया के नामकरण की जीनोम आधारित इस नई प्रणाली के लिए 2018 में अमेरिका में नेशनल साइंस फाउंडेशन के सहयोग से पहल की गई थी। इसे लंबे समय के विचार-विमर्श और अध्ययन के बाद सितंबर 2022 में सीक-कोड के रूप में अपनाया गया। इस प्रणाली के आने के बाद भी शुद्ध कल्चर वाले बैक्टीरिया के नामकरण के लिए बनी पुरानी प्रणाली चलती रहेगी। बैक्टीरिया का नाम रखने के लिए 1867 में पहली बार विस्तृत नियम तैयार हुए, हर 6 साल में इन पर इंटरनेशनल बॉटेनिकल कांग्रेस विचार करती।

न्यूज ब्रीफ

ड्रग तस्करी मामले में भारतीय मूल का मलेशियाई बरी, सिंगापुर की शीर्ष अदालत ने दी थी मौत की सजा

सिंगापुर। मई 2022 में ड्रग तस्करी के मामले में एक भारतीय मूल के एक मलेशियाई को मौत की सजा सुनाई गई थी। लेकिन सोमवार को सिंगापुर की अदालत ने उन्हें यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष ने अपना मामला साबित नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगापुर की शीर्ष अदालत ने अक्तूबर 2011 में यहां कार पार्किंग में दो ड्रग कोरियर को एक दूसरे को देने के आरोप में पुनीथन गेनासन को गिरफ्तार किया था। मई 2020 में गेनासन को मौत की सजा सुनाई गई थी। कोरोना महामारी से पहले उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। आरोप था कि गेनासन ड्रग के लेनदेन के पीछे का मास्टरमाइंड था। उसे सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारियों ने ड्रग कोरियर के साथ 28 अक्तूबर, 2011 को गिरफ्तार किया था। उनके पास कम से कम 28.5 ग्राम डायमॉर्फिन (शुद्ध हेरोइन) पाया गया था। सिंगापुर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग अधिनियम के तहत 15 ग्राम से ज्यादा डॉयमॉर्फिन का अवैध ट्रांसपोर्ट, आयात या निर्यात करने पर मौत की सजा है। सोमवार को मुकदमे में अभियोजन पक्ष इस बात को साबित करने में विफल रहा कि ड्रग लेनदेन से पहले गेनासन और दो अन्य के बीच ड्रग कोरियर को लेकर मीटिंग हुई थी। मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेननन और न्यायमूर्ति एंड्रयू फांग और तांग योंग क्वांग ने कहा कि मुकदमे में कथित मीटिंग की तारीख और समय को लेकर सबूतों में विसंगतियां थीं। तीन जजों की बेंच का फैसला जस्टिस ताई ने सुनाया।

एर्दोगन तुर्की के लिए चाहते हैं नया संविधान, महिलाओं को मिले शिक्षा और रोजगार का अवसर

साइप्रस। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने अकारा में पिछले शुक्रवार को दिए एक भाषण में नए संविधान का वादा किया जो नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी देगा। एर्दोगन ने कहा कि 1980 में सैन्य तख्तापलट के बाद तैयार किए गए संविधान से सेल्फ जीवन पहले ही समाप्त हो चुका है। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा कि नया संविधान कानून, बहुलवाद और समानता के शासन को मजबूत करेगा। भले ही हाल के वर्षों में उनके शासन ने सभी को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है जैसा कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों की प्रासंगिक रैंकिंग द्वारा दिखाया गया है। 28 अक्तूबर को एर्दोगन ने तुर्की दृष्टि की शताब्दी की घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि अगले साल तुर्की गणराज्य की 100वीं वर्षगांठ पर एक नहीं सदी शुरू होगी। राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने कहा किहम अपने गणतंत्र की 100वीं वर्षगांठ को एक नए युग का टर्निंग पॉइंट बनाना चाहते हैं जो तुर्की में अपनी शैली, कार्यप्रणाली और परिणामों के साथ राजनीति को बदल देगा।

अफसरों की लापरवाही से गई लोगों की जान, भीड़ के सामने प्रशासनिक इंतजाम हुए नाकाम

सियोल। इस साल हैलोवीन पर नाइटक्लबों ने सेलिब्रिटी परफॉर्मेंस और सस्ते खाने-पीने के लुभावने ऑफर से उमड़ी भीड़ युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो गई। ऊपर से इतनी भारी संख्या में भीड़ उमड़ने के बावजूद पर्याप्त प्रशासनिक इंतजाम न किया जाना भी घातक सिद्ध हुआ। शनिवार को हुई इस भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 153 हो गई है। इनमें 56 पुरुष व 97 महिलाएं शामिल हैं। राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। राष्ट्रपति यून ने घटनास्थल का दौरा भी किया। राष्ट्रपति ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, यह कई दशकों की सबसे भयावह घटना है। योंगसांग फायर स्टेशन के प्रमुख चोई सुंग बिओम ने बताया, हादसे में 82 लोग घायल हुए, जिनमें से 19 की हालत नाजुक है। उन्होंने बताया कि मृतकों में 13 देशों के 22 नागरिक शामिल हैं।

सऊदी अरब में हैलोवीन मनाने की तस्वीरें आईं सामने तो भड़क गए मुसलमान, दे रहे ऐसी प्रतिक्रिया

रियाद।
दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के इटावन में शनिवार को एक लोकप्रिय नाइट स्पॉट हैलोवीन पर भारी भीड़ जुटने के बाद भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में काफी लोग मारे भी गए थे। वहीं, अब कुछ तस्वीरें सऊदी अरब से भी सामने आईं हैं, जिसमें सऊदी के लोग हैलोवीन मनाते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि सऊदी अरब को दुनिया का सेंटर ऑफ इस्लाम कहा जाता है। ऐसे में वहां, हैलोवीन के रंग में रंगे लोगों की तस्वीरें सऊदी अरब से सामने आने के बाद एक नए विवाद ने जन्म ले लिया है। दरअसल, इस्लाम में ऐसा कोई भी आयोजन गुनाह माना जाता है। इस्लामी जगत से जुड़े लोग इस पर तरह तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

हैलोवीन हर साल 31 अक्तूबर को ही मनाया जाता है, जो एक नवंबर को मनाया जाने वाला पश्चिमी ईसाई पर्व ऑल हैलोज डे की पूर्व संध्या को चिह्नित करता है। यह ईसाईयों का एक त्योहार है। हैलोवीन का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में तरह-तरह के डरावने चित्र उभरने लगते हैं। हैलोवीन गतिविधियों में ट्रिक-या-ट्रीटिंग, कॉस्ट्यूम पार्टियों में भाग लेना, कद्दू को तराशना, अलाव जलाना, खेल, शरारते करना और हैलोवीन-थीम वाली फिल्में देखना शामिल हैं। ईसाई धर्म में कई प्रकार के त्योहार मनाये जाते हैं जैसे क्रिसमस, गुड फ्राइडे, ईस्टर और हैलोवीन। गौरतलब है कि सऊदी अरब दुनिया भर के इस्लामी जगत का केंद्र माना जाता है। यहां मुस्लिम लोगों का सबसे पवित्र माना जाने वाला स्थान मक्का भी है। कुछ सालों पहले तक सऊदी अरब में इस तरह का कोई भी त्योहार मनाया जाना गुनाह माना जाता था, लेकिन मोहम्मद बिन सलमान ने क्राउन प्रिंस बनने के बाद से ही सऊदी में इस्लामिक रिवाजों में आधुनिक बदलावों की नई चर्चा शुरू की है। इस साल का हैलोवीन उनके इस मॉडर्न इस्लाम वाली सोच का ही नतीजा है। हालांकि सऊदी अरब सरकार ने भले ही इसे मनाने की अनुमति अपने देश के लोगों को दे दी हो, लेकिन दुनियाभर के ज्यादातर मुस्लिमों को ये नागवार गुजरा है। सोशल मीडिया पर सामने आई हैलोवीन मनाने की तस्वीरों पर लोग तरह तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। यहां काफी संख्या में लोगों ने इसे हराम करार दिया है वहीं, कई लोग इस्लाम में इस तरह के आधुनिक बदलावों के पक्ष में भी नजर आए। सऊदी में मनाए गए हैलोवीन को लेकर कुछ लोगों ने यह भी कहा कि सऊदी अरब सिर्फ ट्रेंड को फॉलो कर रहा है तो वहीं, कई ने कहा कि ये मोहम्मद बिन सलमान का आधुनिक इस्लाम है। इतिहास के अनुसार हैलोवीन दिवस को करीब 2000 वर्ष से पहले 'आल सेट्स डे' के रूप में पूरे उत्तरी यूरोप में मनाया जाता था। वहीं कुछ इतिहासकारों का कहना है कि हैलोवीन प्राचीन सेल्टिक त्योहार जिसे सम्हैन कहा जाता है, से संबंधित है। इस दिन पर मान्यता है कि मरे हुए लोगों की आत्माएं उठती है और धरती पर प्रकट हो कर जीवित आत्माओं के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन बुरी आत्माओं से डर भगाने के लिए लोग राक्षस जैसे कपड़े पहनते हैं। इसके अलावा इन्हें भगाने के लिए हर जगह आग जलाकर उसमें मरे हुए जानवरों की हड्डियां उसमें फेंकी जाती है। यह दिन सेल्टिक कैलेंडर का आखिरी दिन होता है। इसलिए सेल्टिक लोगों के बीच यह नए वर्ष की शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। इसे ऑल सेंट्स डे भी कहा जाता है जोकि एक नवंबर को मनाया जाता है। ऑल सेंट्स डे से पहले ऑल हेलोस ईव की शाम होती है। जिसे अब हैलोवीन ईव के नाम से जाना जाता है। इस उत्सव में मूर्तियों की पूजा की जाती थी, लेकिन कुछ पोप्स ने इसे दूसरे ईसाई धर्म के साथ मिलाने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप ऑल सेंटस डे और हैलोवीन डे एक ही दिन मनाया जाने लगा। हैलोवीन दिवस को मनाने तरीका काफी अलग है। कथाओं के अनुसार आइरिश लोग हैलोवीन पर जैक ओ लैंटर्न बनाते हैं। लोग कद्दू को खोखला करके उसमें आंख, नाक और मुंह बनाते हैं और अंदर मोमबत्ती जलाते हैं। जिसे घर के बाहर या फिर पेड़ों पर लटका दिया जाता है। जिसके बाद उसे दफना दिया जाता है। इस दिन लोग डरावने कपड़े पहनते हैं और लोगों के घर-घर जा कर कुछ कैंडी उपहार में देते हैं। इस दिन बच्चे कद्दू जैसे आकार का बैग लेकर घर-घर जाते हैं। बच्चे इस दिन पड़ोसी और रिश्तेदारों से चॉकलेट्स लेते हैं। कई देशों में इसकी अलग-अलग प्रथा है।

इस दिन की सबसे अलग पहचान यह है कि इस त्योहार को मनाने के लिए लोग अलग-अलग प्रकार की वेश-भूषा धारण करते हैं, जो इस त्योहार की संस्कृति है। इस दिन लोगों के कपड़े दानव, शैतान, भूत, पिशाच, ग्रीम रीपर, मोंस्टर, ममी, कंकाल, वैम्पायर, करामाती, वेयरवोल्फ और चुडैलों आदि से प्रभावित होते हैं। हैलोवीन पर लोग डरावने कपड़े पहनते हैं और जमकर पार्टी करते हैं। इस दिन दोस्त और परिवार मिलकर कई गेम खेलते हैं। ऐसा ही एक गेम है एप्पल बोबिंग। जिसमें पानी के टब में एप्पल रहते हैं, जो दांत से सबसे पहले बाहर फेकता है वो विनर होता है। लोग तरह-तरह से हैलोवीन पर एन्जॉय करते हैं।

छात्रों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प, महसा की मौत के बाद देशभर में जारी है प्रदर्शन

तेहरान।
ईरान में रविवार को विश्वविद्यालय में छात्रों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई। पुलिस हिरासत में महसा अमिनी की मौत के बाद छात्र सड़कों पर उतर आए है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने छात्रों को शनिवार तक विरोध प्रदर्शन करने का समय तय किया था। उसके बावजूद भी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुए।

अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख होसैन सलामी ने युवा ईरानियों को चेतावनी दी थी कि देश की नैतिकता पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत के मामले में विरोध प्रदर्शन का शनिवार को आखिरी दिन होगा। ईरानी युवाओं से विशेष रूप से विरोध प्रदर्शन से दूर रहने का आह्वान किया गया। सुधार समर्थक कार्यकर्ता आउटलेट ईरान वायर के माध्यम से सीएनएन द्वारा प्राप्त एक वीडियो में, दो वर्दीधारी अधिकारियों को एक प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार करने के प्रयास करते हुए देखे गए। वीडियो उत्तर पश्चिमी ईरान के सानंदाज टेक्निकल कॉलेज का बताया जा रहा है। राजधानी तेहरान में कार्यकर्ता समूहों ने दावा किया कि आज़ाद विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों, बासिज मिलिशिया के सदस्यों और सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारियों के बीच झड़प हुई।

महसा अमिनी की मौत के बाद विरोध प्रर्दशन जारी

22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में हो गई थी। जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी है। महसा अमिनी नाम की महिला ने ईरान में हिजाब के नियमों के खिलाफ अपना विरोध जताया था। उसे कुछ महीने पहले महसा को हिजाब हटाने को लेकर ईरान की मोरल पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस हिरासत में उसे प्रताड़ित किया। जिससे उसकी तबियत इतनी बिगड़ गई कि वह कोमा में चली गई। इसी को लेकर ईरान में लोगों में गुस्सा है।

बड़ी संख्या में सड़कों पर आए लोग

एक्टिविस्ट ग्रुप द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों की एक बड़ी भीड़ को देखा जा सकता है, जिनके पास लाठियां हैं। भीड़ पर आंसू गैस के गोले फेंके गए लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इसे किसने फेंके हैं।

आलोचना के बाद बैकफुट पर इमरान, बोले- भारत गलतफहमी में न रहे, हम अपनी सेना के साथ

इस्लामाबाद।
सेना विरोधी बयानों के बाद हो रही आलोचना के कारण इमरान खान बैकफुट पर आ गए हैं। रविवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, सेना की संगठनात्मक आलोचना करने का उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना नहीं था। हमारी पार्टी चाहती है कि पाकिस्तानी सेना पहले से ज्यादा मजबूत हो। उन्होंने आगे कहा कि उनके द्वारा अब तक सेना की आलोचना रचनात्मक रही है। दरअसल, इमरान खान ने लाहौर से इस्लामाबाद तक हकीकी आजादी मार्च का एलान किया है। इस दौरान वह लगातार सेना और सरकार को निशाना बना रहे हैं। इमरान खान के इस कदम ने देश में राजनीतिक गतिरोध के हालात पैदा कर दिए हैं।

भारत गलतफहमी में न रहे

इमरान खान ने कहा, मैं चाहता हूं कि हमारी सेना मजबूत हो, क्योंकि हमें एक मजबूत सेना की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके द्वारा की गई आलोचना को गलत तरीके से समझा जा रहा है। ऐसे में भारत गलतफहमी में न रहे। हम अपनी सेना के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, सेना हमारी है और मैं कभी भी इसके खिलाफ नहीं हो सकता।

हम चोरों का समर्थन नहीं कर सकते

इमरान खान ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, सेना ने नई सरकार का समर्थन किया है। अगर सेना को लगता है कि हमें भी चोरों का समर्थन करना चाहिए, तो मुझे खेद है। मैं देश के इस कदम का समर्थन नहीं कर सकता।

हिंद-प्रशांत में भारत की भूमिका बढ़ाने में सहयोग करेगा अमेरिका, सेना के साथ काम करने पर भी जोर

वाशिंगटन।
रणनीतिक महत्व रखने वाले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में भारत की भूमिका बढ़ाने के लिए अमेरिका साझेदारी करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के अनुसार भारत हिंद महासागर में पहले ही सुरक्षा मुहैया करवा रहा प्रमुख देश है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए भारत भी रक्षा आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है।

पेंटागन के एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने कहा कि जनवरी 2021 में सत्ता में आने के साथ ही राष्ट्रपति बाइडन के प्रशासन ने भारत-अमेरिकी रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत व अमेरिकी सेना के साथ काम करने पर भी जोर दिया जा रहा है। अपनी सेनाओं के तीनों अंगों का साझा सैन्य अभ्यास इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल थी और भविष्य की चुनौतियों की तैयारी करने में मदद मिली। पेंटागन के अनुसार भावी चुनौतियों के लिए दोनों को संयुक्त कदम उठाने होंगे। यह कदम क्या होंगे, इस बारे में विस्तृत जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि कई सैन्य अभ्यास प्राकृतिक आपदाओं व अन्य संकट को लेकर हुए हैं।

क्वाड (क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) भी ऐसी ही एक आपदा हिंद महासागर की सुनामी के बाद शुरू हुआ। फायदा यह मिला कि भविष्य में आपदा आने पर दोनों देश तत्काल राहत पहुंचाने में सक्षम हैं। क्वाड को पेंटागन ने आपसी सहयोग का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि आसियान व अन्य बहुत पक्षीय फोरम पर भी मिलकर सहयोग करने के रास्ते खोजे जा रहे हैं। ला पेरोज सैन्य अभ्यास इसका उदाहरण है। आधुनिक युद्ध शैली में नई तकनीकों का महत्व बढ़ा है, पेंटागन के अनुसार भारत-अमेरिका इसे समझ चुके हैं, साथ काम कर रहे हैं। अंतरिक्ष व साइबर-स्पेस सबसे अहम हैं। पिछले वर्ष इन दोनों क्षेत्रों व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में रक्षा सहयोग पर वार्ता हुई। अंतरिक्ष स्थिति-जन्य सजगता पर नया समझौता भी हुआ। सैन्य कार्रवाइयों के परिपेक्ष्य में ज्यादा जोर नौसैनिक सहयोग पर दिया जा रहा है। पिछले साल 2 प्लस 2 वार्ता में इस पर चर्चा हुई और परिणाम चार्ल्स ड्रू जहाज को यात्रा के बीच के रिपेयर के लिए चेन्नई में रोकने के रूप में नजर आया। भविष्य में दोनों नौसेनाओं को बेहतर रसद व संसाधन और संचालन में सहयोग मिलेगा। भारत ने कंबाइंड मेरिटाइम फोर्स बहरीन से जुड़ने का निर्णय लिया। यह भी अमेरिका और नई दिल्ली का बहुपक्षीय सहयोग पर आगे बढ़ने का उदाहरण है। पेंटागन अधिकारी ने कहा कि भारत का विश्वसनीय साझेदार बनना अमेरिका की प्राथमिकताओं में से एक है। इसके लिए भारत की रक्षा जरूरतों में जहां भी संभव हो, अमेरिका सहयोग दे रहा है। अमेरिकी अधिकारी भारत में अपने समकक्षों से तात्कालिक रक्षा जरूरतों को लेकर नियमित बात कर रहे हैं।

काला सागर में जंगी बेड़े पर हमले के बाद अनाज सौदों से हटा रूस

मॉस्को/कीव/वाशिंगटन।
रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को अनाज आपूर्ति समझौते में अपनी भागीदारी स्थगित करने का एलान किया। एक बयान जारी कर रक्षा मंत्रालय ने कहा, सेवास्तोपोल के पास काला सागर में तैनात रूसी नौसैनिक बेड़े पर हुए आतंकी हमले के विरोध में रूस अनाज आपूर्ति समझौते में अपनी भागीदारी तुरंत प्रभाव से स्थगित कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने नौ ड्रोन से रूसी सैन्य बेड़े के साथ ही वहां मौजूद कई नागरिक नौकाओं को भी निशाना बनाया। इस हमले रूस का एक जंगी जहाज बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है।

अमेरिका ने रूस के इस फैसले पर कहा कि रूस भोजन को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। रूस का यह फैसला बेहद लापरवाही भरा और पूरी दुनिया में पहले से जारी खाद्य संकट को और गंभीर बनाने का खतरा पैदा कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि दूर-दूर तक रूस के पास इस समझौते से भागने का कोई कारण नहीं है। अमेरिका के आरोपों का जवाब देते हुए रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, पश्चिम देशों की मदद से यूक्रेन इस समझौते की आड़ में रूस पर आतंकी हमले की साजिशें रच रहा है। रूस इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। समझौते की आड़ में दोहरा धोखा दिया जा रहा है।

काला सागर अनाज पहल

रूस ने काला सागर से होने वाले यूक्रेन के व्यापार को अवरुद्ध कर दिया। यूक्रेन से होने वाली अनाज आपूर्ति रुक गई। संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये की मध्यस्थता से जुलाई में काला सागर अनाज पहल पर रूस ने हस्ताक्षर किए थे और अनाज ढोने वाले जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने का वादा किया था।

जपोरिझिया में यूक्रेनी बमबारी से कटी बिजली

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को जपोरिझिया परमाणु संयंत्र पर यूक्रेन ने बमबारी की थी। बमबारी की वजह से बिजली की लाइनें तबाह हुई हैं, जिन्हें ठीक करने में कई दिन लग सकते हैं। पोलैंड में परमाणु हथियारों से क्यूबा संकट की पुनरावृत्ति होगी..रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पोलैंड में अमेरिकी परमाणु मिसाइलों की तैनाती पर कहा, यह क्यूबन संकट की पुनरावृत्ति जैसा है। रूस पश्चिमी से ऐसी लापरवाही नहीं करने की अपेक्षा करता है, जिसका खामियाजा पूरे यूरोप को भुगतना पड़े। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमले के पीछे ब्रिटेन का हाथ है। यूक्रेन ने हमला ब्रिटिश विशेषज्ञता की मदद से ही किया है। ग्रेन कॉरिडोर की सुरक्षा में लगीं नागरिक नौकाओं को निशाना बनाकर पश्चिम ने साबित कर दिया है कि उन्हें समझौते की परवाह नहीं है। रूस पश्चिम की धोखेबाजी के लिए अपने नागरिक, सैनिकों को दांव पर नहीं लगा सकता।

संयुक्त राष्ट्र व ईयू ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र रूस के साथ संपर्क में है। वहीं, यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति प्रमुख जोसप बोरेल ने कहा कि अनाज और उर्वरकों की आपूर्ति के बिना दुनियाभर में हालात बिगड़ेंगे। रूसी कृषि मंत्री दिमित्री पेत्रुशेव ने कहा कि रूस दुनिया में खाद्य सकंट जैसी स्थिति नहीं चाहता। इसलिए तुर्किये की भागीदारी से रूस अगले चार महीनों के भीतर सबसे गरीब देशों को 500,000 टन अनाज की मुफ्त आपूर्ति करने को तैयार है।

पाकिस्तान गए अकाल तख्त जत्थेदार के साथ दिखा आतंकी हर प्रीत सिंह पिंका

चंडीगढ़ (हिंस)। पाकिस्तान गए अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह नए विवाद में फंस गए हैं। वहां उनका फोटो आईएसआई के संरक्षण प्राप्त आतंकी हरप्रीत सिंह पिंका के साथ सामने आया है। एक वीडियो में वह पिंका के साथ दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से पंजा साहिब साके की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह और एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के साथ कई सिख प्रतिनिधि इस समय पंजा साहिब में हैं। वहां चल रहे कार्यक्रमों

के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं। इसी दौरान गत दिवस एसजीपीसी ने ज्ञानी हरप्रीत सिंह का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें ज्ञानी हरप्रीत सिंह के साथ एक हाफ बाजू की काली जैकेट पहना हुआ सिख नजर आ रहा है। यह सिख जम्मू निवासी आतंकी पिंका उर्फ रविंदर सिंह उर्फ रणजीत सिंह उर्फ मनजीत सिंह है। पिंका 1984 में श्नीनगर हवाई अड्डे से इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट को अपहृत करने का मुख्य आरोपी है। यह फ्लाइट अपहरण करने के बाद लाहौर में उतारी गई थी। कहा जा रहा है कि उसके बाद से ही पिंका पाकिस्तान में है। यह वीडियो विवादों में घिरने के बाद सोमवार को एसजीपीसी ने अपने अकांउट से इसे हटा लिया।

निर्भया स्क्वॉड ने दिया जागरुकता का संदेश

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय एकता दिवस पर सोमवार को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एवं निर्भया स्क्वॉड की नोडल अधिकारी सुनीता मीना ने अमर जवान ज्योति से स्टेच्यू सर्किल तक मार्च पास्ट के लिए पुलिस के जवानों एवं निर्भया स्क्वॉड की टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुनीता मीना ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया जाता है। यह दिवस हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे राष्ट्र की ताकत की फिर से पुष्टि करने का अवसर प्रदान करेगा। हम सभी हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उपमुख्यमंत्री ने की गठबंधन प्रत्याशी भव्य को रिकॉर्ड मतों से जितवाने की अपील

हिसार (हिंस)। आदमपुर उपचुनाव प्रचार पूरी गति पकड़ चुका है और बीजेपी जेजेपी गठबंधन ने भी जीत के लिए पूरी ताकत लगा दी है। गठबंधन प्रत्याशी भव्य बिश्नोई के लिए हलके के बड़े गांव बालसमंद में गठबंधन सहयोगी जननायक जनता पार्टी द्वारा एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमे उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मुख्य अतिथि पहुंचे। विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए दुष्यंत चौटाला ने क्षेत्र की जनता से गठबंधन प्रत्याशी भव्य बिश्नोई को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास में आने वाले दिनों में और गति लाई जाएगी और विकास कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल भ्रम, झूठ व फरेब की राजनीति करता है। आमजन को विपक्ष की नकारात्मकता से सावधान रहना होगा, तभी इस क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। उपमुख्यमंत्री चौटाला ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस आज मृतप्राय: हो चुकी है और कांग्रेस के ताबूत में आखरी कील ठोकने का अवसर इस क्षेत्र की मजबूत जनता को मिला है, जिसको हलके का मतदाता किसी भी सूरत में असफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि छह नवंबर के बाद कांग्रेस अपने आप ही छिन्न भिन्न हो जाएगी। जनसभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक कुलदीप बिश्नोई ने दुष्यंत चौटाला की कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि वह स्वंय दुष्यंत चौटाला की सकारात्मक कार्यशैली के कायल है। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आज कांग्रेस उम्मीदवार व उसके वरिष्ठ नेताओं ने बहरूपिया का रूप धारण किया हुआ है। वे न तो चुनाव से पहले नजर आए और न चुनाव के बाद नजर आएंगे। अगर हुड्डा पिता पुत्र ने इस क्षेत्र में विकास किया होता तो आज आदमपुर की तस्वीर ही कुछ अलग होती। उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी के लिए जेजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के योगदान के लिए आभार जताया।

जम्मू नगर निगम ने मेयर राजिंद्र शर्मा की मौजूदगी में एकता दिवस पर ली शपथ

जम्मू। जम्मू नगर निगम ने एकता की शपथ लेने के बीच आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर जम्मू नगर निगम राजिंद्र शर्मा की मौजूदगी में जेएमसी अधिकारियों, जिनमें जेएमसी आयुक्त राहुल यादव, पार्षद व अन्य अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने जम्मू नगर निगम में पूर्ण ईमानदारी से कार्य करने की शपथ ली। शपथ लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मेयर राजिंद्र शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के युग में देश की एकता और एकता की दिशा में भारत के लौह पुरुष के महान योगदान को मनाने के लिए इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस/राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज हमनें भी शपथ ली है कि हम जम्मू नगर निगम में बेहतरीन कार्यो को अंजाम देकर लोगों को हर सुविधाएं देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का एकमात्र उद्देश्य भारत को एक एकजुट और मजबूत शक्ति बनाना है जो आने वाले समय में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन सके।

जम्मू बचाना है, बर्बादी लाने वालों को सबक सिखाना है

शिवसेना का महाअभियान

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई के नेताओं ने जम्मू की खुशहाली, सांस्कृतिक पहचान और अधिकारों की बहाली की शपथ के साथ *जम्मू बचाना है, बर्बाद करने वालो को सबक सिखाना है* नाम के अभियान का आगाज के साथ जनता को जागरूक करने और अपने हक में समर्थन के लिए डोर टू डोर जाकर जनता से संपर्क साधा। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में एकत्रित शिव सैनिक ने जम्मू प्रैस क्लब परिसर में जम्मू के साथ हो रहे विश्वासघात और नाइंसाफी की लंबी सूची छपे प्लेकार्ड पकड़ जोरदार प्रदर्शन किया और जनता से संपर्क साथ स्थानीय लोगों के हितों का हनन करने वालों को कड़ा सबक सिखाने की अपील की । साहनी ने कहा कि जम्मू संभाग से भेदभाव की आवाज पर जनसमर्थन प्राप्त करने तथा मुख्यमंत्री जम्मू से होगा ऐसा दावा ठोकने वालों के शासनकाल में ही जम्मू के हितों का जमकर हनन हो रहा है। जम्मू संभाग

की विधानसभा सीटों के साथ शुरू हुई नाइंसाफी हमारी सांस्कृतिक पहचान, व्यापार, रोजगार, शिक्षा, सरकार चुनने के अधिकारियों तक को हड़पती जा रही है। जम्मू संभाग में गैर स्थानीय लोगों की तादाद दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिससे अपराध, चोरी, भ्रष्टाचार की वारदातें बढ़ने लगी है। वहीं खनन, शराब, नशा माफिया तथा काला बजारियें और आंतकवादी संगठन भी बड़ी मजबूती के साथ जम्मू संभाग में अपने पांव पसार चुका है। मंदिरों के नाम से मशहूर इस शहर की हर गली, चौराहे पर शराब की दुकानें खोल दी गई है और सरेआम निर्धारित अधिकतम मूल्य से ज्यादा की वसूली हो रही है। वहीं बियर उपलब्धता वाले डिपार्टमेंटल स्टोर्स तथा स्थानीय तथा छोटे व्यापारियों को प्रभावित करने वाले रिलायंस स्टोर्स भी सबसे पहले जम्मू में ही खोले जा रहे हैं। व्यापार, नौकरियों, शिक्षा समेत हर क्षेत्र में गैर स्थानीय लोगों का कब्जा बढ़ता जा रहा है। बाहरी लोगों को वोट के अधिकार का सबसे ज्यादा असर भी जम्मू संभाग की सीटों पर पड़ना तय है। साहनी ने कहा कि शिवसेना ने भू-पुत्रो एवं स्थानीय लोगों के अधिकारों तथा अपनी सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा के लिए कमर कस ली है। तमाम जिला, तहसील ईकाईयों एवं सक्रिय शिव सैनिकों को इस महा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और विश्वासघात करने वालों को सबक सिखाने की अपील की जाएगी। इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर, विकास बख्शी, राकेश गुप्ता, बलवंत सिंह, संजीव कोहली, राज सिंह, शशिपाल, राजेश हांडा, सुभाष सूदन, गीता लखोतरा, डिंपल, सन्नी, मंगू राम, अशोक कुमार समेत कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हम जोड़ना जानते हैं, तोड़ना नहीं, वो चाहे देश हो जा समाज : ब्रह्म ज्योत सत्ती

जम्मू। विश्वकर्मा पूजा दिवस के अवसर पर जम्मू में विश्वकर्मा सभा द्वारा भाजपा ओबीसी मोर्चा को सम्मानित किया गया। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर विश्वकर्मा पूजा दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, तथा सुनील प्रजापति (महासचिव भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू कश्मीर), रमन चालोत्रा (सचिव भाजपा ओबीसी), सुरेश सलगोत्रा (सचिव बीजेपी ओबीसी मोर्चा), केवल वर्मा (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा), अरुण मेहरा जिला महासचिव), अशोक सलगोत्रा (जिला जनरल सेक), परवीन बडयाल (जिला सेक बीजेपी ओबीसी मोर्चा), राकेश कुमार विक्की (जानीपुर मंडल अध्यक्ष) सम्मानित अतिथि थे। विश्वकर्मा सभा न्यू प्लॉट जम्मू द्वारा समारोह का आयोजन किया गया। मोहिंदर वर्मा अध्यक्ष, विश्वकर्मा मंदिर अशोक सलगोत्रा, उपाध्यक्ष, रामलाल अध्यक्ष एसवीएलएआरसी, रमेश अंगोत्रा, एसएलएआरसी के संयोजक जोगिंदर अंगोत्रा, कार्यालय प्रभारी इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में आयोजकों ने ब्रह्म ज्योत और उनकी टीम का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने माता की चुन्नी और भगवान विश्वकर्मा की धार्मिक पुस्तक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। फिर उन्होंने भगवान विश्वकर्मा की पूजा

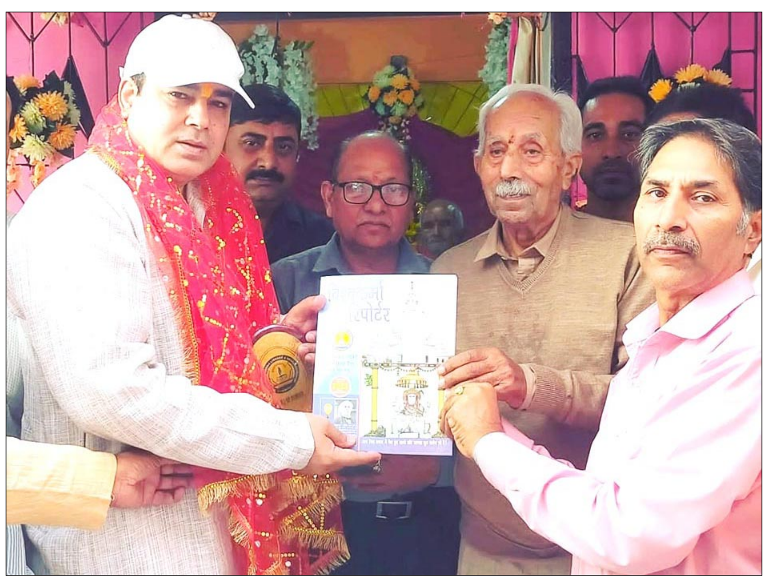

की और राष्ट्र की शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। फिर लंगर प्रसाद ग्रहण किया। उसके बाद विश्वकर्मा सभा के पदाधिकारियों ने ब्रह्म ज्योत के साथ बैठक की और आरक्षण और ओबीसी प्रमाण पत्र जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मोके पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने इस पवित्र अवसर पर बधाई दी और कहा कि भगवान विश्वकर्मा सभी को स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद देंगे। उन्होंने कहा कश्मीर की पीडीपी, एनसी और कांग्रेस जैसी वंशवादी पार्टियां जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को लूटा है, अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। कश्मीर में भाजपा को लोगों का भारी समर्थन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और उसकी कल्याणकारी नीतियों पर कश्मीरी लोगों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जुड़ना जानता है, टूटना नहीं, चाहे वह देश हो या समाज और हम सभी जरूरतमंदों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित रूप से काम कर रही है। भाजपा युवाओं के बेहतर भविष्य, बेहतर कल और अधिक समृद्धि के साथ एक नई सुबह का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहा है और सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है और जम्मू-कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ओबीसी में 15 और जातियों को शामिल किया है जो बहुत ही सराहनीय कदम है और कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर में जनसंख्या के अनुसार आरक्षण की मांग कर रहा है क्योंकि उचित आरक्षण हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अत्यधिक लाभकारी योजनाएं हैं जो सरकार द्वारा केवल जरूरतमंद लोगों के लिए चलाई जा रही हैं और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

मौलवी अब्बास अंसारी के निधन पर मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने जताया शोक

श्रीनगर। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने सोमवार को श्रीनगर के खानखाई सोखता नवाकदल में अंसारी के आवास पर जाकर वरिष्ठ धार्मिक नेता मोलवी अब्बास अंसारी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उनके साथ पार्ट के महासचिव रफी अहमद मीर और प्रांतीय अध्यक्ष (कश्मीर) मोहम्मद अशरफ मीर भी थे। अपनी पार्टी के अध्यक्ष ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा हमने एक महान धार्मिक और सामाजिक नेता खो दिया है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में बिताया। अपने उच्च नैतिक मानकों के कारण वह अपने अनुयायियों के अलावा, हमारे समाज में एक और सभी का सम्मान करते थे। मोलवी अब्बास साहब को समाज में उनके योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा और सम्मानित किया जाएगा।

पटेल होते तो पीओके ही नहीं पूरा पाकिस्तान भारत में होता : चंदेल

जम्मू। हिंदूवादी नेता राजू चंदेल ने आज देश के लोह पुरुष भाई सरदार वल्लभभाई पटले की स्वर्ण जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अगर आज सरदार वल्लभभाई पटेल जिंदा होते तो पीओके ही नहीं पूरा पाकिस्तान भारत के अंदर होता। उन्होंने कहा मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा जो भारत का बंटवारा किया गया उसको कभी भी भाई सरदार पटेल ने स्वीकार नहीं किया था आज अगर वह जिंदा होते तो पाकिस्तान को दोबारा भारत में शामिल कर लेते आज हमारा पड़ोसी मुल्क लगातार भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देकर हमारे सैकड़ों कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यकों को और सैनिकों को शहीद कर रहा है जो कि अब बर्दाश्त से बाहर हो चुका है। चंदेल ने कहा कि पिछली बार जो हमारे देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीओके के आतंकवादी कैं पों पर जो सर्जिकल स्ट्राइक करवाई थी। वैसा ही एक बार फिर करने की जरूरत है ताकि आंतकवाद का सफाया हो सके। पीओके में अनिगनत आतंकवादी कैं प चल रहे जो आंतकवाद को बढ़ावा दे रहा है, इससे नष्ट

राम रहीम की पैरोल रद्द करने की मांग पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में

चंडीगढ़ (हिंस)। पैरोल पर बाहर आने के बाद सत्संग कर रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की पैरोल को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट के वकील एचसी अरोड़ा ने इस संबंध में एक याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख की सजा का हवाला देते हुए कहा है कि सरकार के फैसले से साफ हो गया है कि एक दोषी राजनेताओं का प्रिय है। याची ने राम रहीम के हाल ही में हुए सत्संग में भाजपा नेताओं के शामिल होने को भी मुद्दा बनाया है।

मांगों को ले एससी, एसटी व ओबीसी समुदायों का प्रदर्शन

जम्मू। सरकार अपना फैसला वापिस लो, वापिस लो के नारों के बीच पहाड़ी और अन्य वर्गों को सामाजिक जाति सूची में शामिल करने के सरकार के कदम पर एससी/एसटी/ओबीसी समुदायों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए आज यानि सोमवार को प्रेस क्लब जम्मू के समीप यूटी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। हाथों में बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने सरकार क ो इस फैसले को वापिस लेने और यूटी सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए सदस्यों ने नारेबाजी की और कहा कि सरकार जानबूझकर पहाड़ी, अन्य के नाम पर एससी/एसटी/ओबीसी के आरक्षण को कम कर रही है। जो हम किसी भी सूरत में बदर्शत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आखिर सरकार क्या चाहती है कि हम लोगों का आरक्षण कम हो। इस दौरान वार्ड 48 के पार्षद शाम बसन भी समुदायों के समर्थन में उतरे और सरकार के फैसले को तत्काल वापिस लेने की मांग उठाई। मौके पर उन्होंने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने और पदोन्नत में आरक्षण बहाल करने की भी मांग की।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा महापर्व का समापन

जयपुर (हिंस)। लोक आस्था का महापर्व डाला छठ पूजा सोमवार को उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के बाद संपन्न हो गया। सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा की उदीयमान भगवान दीनानाथजी की सुख-समृद्धि की कामना की। डाला छठ पूजा महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रताप सिंह खाचरियावास और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी रहे। उन्होंने कहा कि छठ माता पूरे विश्व की छठ माता है। मुख्य कार्यक्रम हसनपुरा के दुर्गा विस्तार कालोनी में हुआ। चार दिवसीय इस महापर्व का पहला दिन नहाय खाय से शुरू हुआ था। बिहार समाज संगठन के महासचिव सुरेश पंडित ने बताया कि पुलिस प्रशासन एवं बिहार समाज के स्वयंसेवक की मेहनत से यह आयोजन सफल हो सका। इस पर्व को देखने के लिए दुर दराज से श्नध्दालु पूजा स्थल पर पहुंचे। इस पर्व की खास रौनक बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बम्बई, दिल्ली, गुजरात, बंगाल पड़ोसी देश नेपाल एवं मॉरीशस, इंग्लैंड सहित अन्य देशों मे देखने को मिलती है। यह व्रत बिहार का सबसे बड़ा व्रत है और यह बहुत ही कठिन साधना के साथ की जाती है। बिहारी समाज संगठन के प्रवक्ता संजीव कुमार सिंह ने कहा कि इस महापर्व की आस्था इतनी होती है, जैसे ही मनोकामना पूरी हुई, वैसे ही इस व्रत को करने की शुरुआत कर देते हैं। आपसी प्रेम को भी दर्शाता हुआ यह बहुत बड़ा व्रत है। जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिहार समाज के बैनर तले छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान बांस से बनी हुई टोकरी और बांस से बनी सूप घर-घर में खरीदे जाते हैं। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया गया। पूरी रात बिहार समाज संगठन के कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक प्रशासन के साथ व्यवस्था संभालने में लगे रहे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिसमें कृष्ण लीला की झांकी, महाकाल की भस्म आरती एवं कोलकाता की काली माई की झांकी प्रमुख रूप से दिखाया गया। बिहार के भोजपुरी, मैथिली, मगही, बज्जिका, हिंदी एवं राजस्थानी भाषा में भजन प्रस्तुत किया गया।

कर्मचारियों की 4 प्रतिशत डीए जारी करने की मांग

जम्मू। नेशन बिल्डर्स एसोसिएशन जेकेयूटी के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन न एलजी मनोज सिन्हा और मुख्य सचिव से सभी कर्मचारियों को 4 प्रतिशत डीए जारी करने के आदेश जारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम अपील करते हैं कि 2022 के चालू महीने में जेकेयूटी के सभी कर्मचारियों के पक्ष में 4 प्रतिशत डीए बकाया बढ़ाने के आदेश जारी किया जाए। शेष बकाया कृपया नवंबर 2022 के बजट के दौरान जारी करने की कृपा करें। आशा है कि उक्त बकाया के आवश्यक आदेश यथाशीघ्र जारी करने की कृपा की जाएगी। उक्त बकाया के आदेश केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के लिए जारी किए गए थे। आशा है कि सभी कर्मचारियों की वास्तविक मांग का गंभीरता से समाधान किया जाएगा।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एनएसएस कैंपस जम्मू यूनिवर्सिटी का स्वच्छता अभियान

जम्मू। राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए सरदार वल्लभबाई पटेल की जयंती भारत के पहले गृह मंत्री और स्वतंत्रता सेनानी, जिन्हें राष्ट्रीय संघ बनाने के लिए हजारों रियासतों को एक साथ लाने के लिए भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। कॉल इंडिया, नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) कैंपस यूनिट, जम्मू विश्वविद्यालय ने 31 अक्तूबर 2022 को आजादी का अमृत काल के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस-राष्ट्रीय एकता दिवस-2022 के रूप में मनाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। समारोह की शुरुआत सरदार वल्लभ भाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप

प्रज्विलत कर किया गया। इसके बाद इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। प्रतिज्ञा है मैं पूरी तरह से प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करता हूं और इस संदेश को अपने साथी देशवासियों के बीच फैलाने का भी प्रयास करता हूं। मैं यह शपथ अपने देश के एकीकरण की भावना से लेता हूं जो सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदृष्टि और कार्यों से संभव हुआ है। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प लेता हूं।

शिकायतों का निवारण करते वक्त संवेदनशील रहें लोकपाल, आरबीआई गवर्नर ने की अपील

नई दिल्ली।
ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करते वक्त लोकपाल संवेदनशील रहें। आरबीआई लोकपाल और विनियमित संस्थाओं (आरई) को पहले ग्राहकों की लगातार शिकायतों के मूल कारणों की पहचान करनी चाहिए। फिर ठीक करने के लिए आवश्यक प्रणालीगत उपाय करने चाहिए। इसके अलावा आरई और आरबीआई लोकपाल को ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करते वक्त निष्पक्ष और त्वरित होना चाहिए।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में जोधपुर में आयोजित आरबीआई लोकपाल के वार्षिक सम्मेलन में यह अपील की। दास के मुताबिक गलत बिक्री, मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता की कमी, बिना मतलब सेवा शुल्क, बहुत ज्यादा फाइन आदि की शिकायतें लगातार आ रही हैं। एक चिंता ये भी थी कि बड़ी संख्या में शिकायतें पारंपरिक बैंकिंग को लेकर थीं।

ऐसे में विनियमित संस्थाओं में ग्राहक सेवा और शिकायत निवारण तंत्र के कामकाज की गंभीर समीक्षा की आवश्यकता है। गवर्नर ने कहा कि ऐसी शिकायतों के बने रहने के मूल कारण का विश्लेषण करने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाने की जरूरत है।

6 साल में पहली बार आरबीआई बताएगा क्यों कम नहीं हो रही महंगाई

6 साल पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का गठन होने के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लगातार 9 महीनों तक महंगाई दर को तय दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। साल 2016 में मौद्रिक नीति निर्धारण के एक व्यवस्थित ढांचे के रूप में एमपीसी का गठन किया गया था। उसके बाद से यही नीतिगत ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेती है।

आरबीआई अधिनियम की धारा 45जेडएन में प्रावधान है कि लगातार तीन तिमाहियों यानी लगातार 9 महीनों तक महंगाई दर के निर्धारित स्तर से ऊपर रहने पर केंद्रीय बैंक को अपनी नाकामी के बारे में सरकार को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी। महंगाई के मौजूदा स्तर को देखते हुए आरबीआई ने 3 नवंबर को एमपीसी की विशेष बैठक बुलाई है, जिसमें सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट को तैयार किया जाएगा। इस साल जनवरी से ही महंगाई दर लगातार 6प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है।

शेयर बाजार से चार कंपनियां बाजार से जुटाएंगी 4500 करोड़, सोमवार को की जाएगी घोषणा

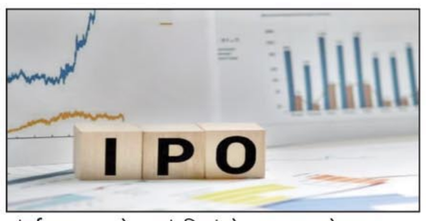

मुंबई। इस हफ्ते 4 कंपनियां शेयर बाजार से 4,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाएंगी। इनके अलावा नवंबर के अंत में दो और कंपनियां बाजार में उतर सकती हैं। ऐसे में निवेशकों को आईपीओ में पैसा लगाने के लिए अच्छा मौका मिल रहा है। इसमें डीसीएक्स सिस्टम का इश्यू 31 अक्तूबर से खुलेगा और 2 नवंबर को बंद होगा। इसका भाव 197 से 207 रुपये तय किया गया है। कंपनी 500 करोड़ रुपये जुटाएगी। बीकाजी फूड्स का इश्यू 3 से 7 नवंबर तक खुलेगा। कंपनी भाव और कितना रकम जुटाएगी, उसकी घोषणा सोमवार को करेगी। ग्लोबल हेल्थ में कम से कम निवेशक 44 शेयरों के लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं जबकि फ्यूजन में 40 शेयरों के लॉट के लिये बोली लगाई जा सकती है। डीसीएक्स में 72 शेयरों के लॉट के लिए बोली लगाई जा सकती है। इसके बाद निवेशकों को इसके गुणक में बोली लगानी होगी। वैसे पिछले साल आए ज्यादातर आईपीओ से निवेशकों को घाटा मिला है, लेकिन इस साल आये ज्यादातर आईपीओ ने निवेशकों को फायदा दिया है। फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस- इसका इश्यू 2 से 4 नवंबर के बीच खुलेगा। शेयरों का भाव 350 से 368 रुपये तय किया गया है। कंपनी इस दौरान 1,104 करोड़ रुपये जुटाएगी। ग्लोबल हेल्थ-मेदांता अस्पताल को चलाने वाली यह कंपनी 2,206 करोड़ रुपये जुटाएगी। शेयरों का भाव 319 से 336 रुपये तय किया गया है। यह इश्यू 3 से 7 नवंबर तक खुलेगा।

शीर्ष अधिकारियों के बाद ट्विटर के हर स्तर के कर्मचारियों पर लटकी छंटनी की तलवार

सान फ्रैंसिस्को। 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदने के बाद अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने सबसे पहले ट्विटर के चार शीर्ष अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, कानूनी कार्यकारी अधिकारी विजया गड्डे, मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल और जनरल काउंसल सीन एजेट शामिल हैं। अब बताया जा रहा है कि मस्क कंपनी के कुल स्टाफ में भी कटौती चाहते हैं। मामले की जानकारी रखने वाले चार लोगों ने बताया कि प्रबंधन से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारियों से मस्क ने सूची तैयार करने को कहा है। पहचान गुप्त रखने की शर्त पर ट्विटर के इन कर्मचारियों ने बताया कि किस स्तर के कितने लोगों की नौकरियां खतरे में यह तो पता नहीं, लेकिन मस्क ट्विटर के मौजूदा 7,500 कर्मचारियों में से महज 50 फीसदी को ही रखना चाहते हैं। ट्विटर कर्मचारियों का कहना है कि मस्क छंटनी की तलवार एक नवंबर से पहले ही चला सकते हैं, क्योंकि एक नवंबर को कर्मचारियों को उनके कुल वेतन पैकेज के हिस्से के तौर पर कंपनी के शेयर मिलने हैं। मस्क चाहेंगे कि जिन लोगों को निकालना है, उन्हें एक नवंबर से पहले ही निकाल दिया जाए, ताकि शेयर देने की जरूरत ही नहीं पड़े और खर्च कम किया जा सके।

डिविडेंड या बोनस शेयर दे सकता है एलआईसी : शेयरों में करीब 2प्रतिशत की तेजी, इश्यू प्राइस से अभी भी करीब 30प्रतिशत नीचे

नई दिल्ली। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के शेयरों में 1.88प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। ये 11.15 रुपए बढ़कर 603.85 रुपए पर बंद हुए। इसका कारण है डिविडेंड या बोनस शेयर देने से जुड़ी रिपोर्ट के मुताबिक अपनी खुद की नेट वर्थ और निवेशकों के विश्वास दोनों को बढ़ाने के लिए एलआईसी ऐसा कर रही है। पर का शेयर 606.90 रुपए पर खुला। शुक्रवार को यह 592.70 रुपए पर बंद हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक डिविडेंड देने या बोनस शेयर जारी करने के लिए लिए एलआईसी ने निर्धारित फंड में पॉलिसीधारकों के फंड से लगभग 22 अरब डॉलर ट्रांसफर करने का प्लान बनाया है। एलआईसी को मई में स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट किया गया था, लेकिन तब से इसका स्टॉक 30प्रतिशत से ज्यादा गिर गया है। एलआईसी का इश्यू प्राइस 949 रुपए था। रिटेल निवेशकों को 50 रुपए का डिस्काउंट मिला था। 17 मई को शेयर 949 रुपए के मुकाबले 872 रुपए पर लिस्ट हुआ था। तब से ये अपने इश्यू प्राइस तक भी नहीं पहुंच पाया है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा, पार्क किए गए प्रीमियम में से कुछ को शेयरधारकों के फंड में ट्रांसफर करना निवेशकों के विश्वास को बढ़ाने का एक तरीका है। यह भविष्य में हाई डिविडेंड पेमेंट का इंडिकेटर होगा। नॉन पार्टिसिपेटिंग फंड में सरप्लस शेयरधारकों के लिए निर्धारित किया गया है और एलआईसी के बोर्ड से अप्रूवल के साथ शेयरधारकों के फंड में ट्रांसफर किया जा सकता है।

अजंता घड़ी बनाने वाली कंपनी को कैसे मिली मरम्मत की जिम्मेदारी, क्या इसमें भी कोई गड़बड़ी हुई

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य गुजरात रविवार की शाम एक दर्दनाक हादसे का गवाह बना। मोरबी में मच्छू नदी पर बने एक सस्पेंशन ब्रिज के टूटकर नदी में गिरने से अब तक 132 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना के बाद से पुल के मेंटेनेंस का जिम्मा सभालने वाली कंपनी ओरेवा ग्रुप सवालों के घेरे में आ गई है।

छुट्टी का दिन होने के कारण रविवार की शाम करीब साढ़े छह बजे पुल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में अब तक 132 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मरनेवालों की कुल संख्या 150 तक जा सकती है। फिलहाल दुर्घटनास्थल का नजारा हृदय को छलनी करनेवाला है। जहां अफरातफरी के बीच शवों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ऐसे तो गुजरात के मोरबी में मच्चू नदी पर बना स्पेंशन ब्रिज 140 पुराना था पर रखरखाव से जुड़े कार्य करवाने के लिए पिछले कुछ समय से ब्रिज बंद था और उसे दोबारा पिछले हफ्ते (26 अक्तूबर 2022) ही खोला गया था। मोरबी जिले के कलेक्ट्रेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार पुल को 19वीं सदी की इंजीनियरिंग का अजूबा माना जाता था। यह मोरबी के शासकों की प्रगतिशील और वैज्ञानिक प्रकृति का प्रतीक था। मच्छू नदी पर बने सस्पेंशन ब्रिज के रखरखाव का जिम्मा गुजरात की एक प्रतिष्ठित कंपनी ओरेवा ग्रुप के पास थी। बता दें कि ओरेवा ग्रुप वही कंपनी है जो घर-घर में मौजूद अजन्ता ब्रांड की घड़ियों का निर्माण करती है। ओरेवा ग्रुप को कंपनी के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी 15 वर्षों के लिए दी गई थी। इसी वर्ष मार्च में ब्रिज के पुनरुद्धार के लिए इसे बंद कर दिया गया था। इसे बीते 26 अक्तूबर को ही गुजराती नववर्ष के मौके पर दोबारा खोला गया था। ब्रिज की सैर के लिए कंपनी लोगों से 17 रुपये प्रति व्यक्ति का शुल्क भी वसूल रही थी।

सस्पेंशन ब्रिज के रखरखाव का जिम्मा संभालने वाली मोरबी स्थिति ओरेवा ग्रुप अजंता मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी प्रचलित है। कंपनी दीवार घड़ियों से लेकर ई-बाइक्स और इलेक्ट्रिकल बल्व तक का निर्माण करती है। हादसे के बाद कंपनी लोगों के निशाने पर आ गई है। पुल का मेंटेनेंस कार्य हासिल करने से पहले कंपनी ने दावा किया था कि वह नवीनतम तकनीक के इस्तेमाल से पुल को इस रूप में विकसित करना चाहती है जिससे दीवार घड़ियों के निर्माण के लिए पहले से मशहूर मोरबी को एक नई पहचान मिले।

ओरेवा ग्रुप के संस्थापक ओधवजी पटेल थे। कंपनी का कारोबार फिलहाल दुनिया के 45 देशों तक फैला है। कंपनी के पास लगभग 7000 कर्मचारी हैं, जिनमें 5000 महिलाएं हैं। कंपनी घड़ी और ई-बाइक्स बनाने के साथ-साथ किसानों के लिए जल संचयन का भी कार्य करती है। कंपनी ऊर्जा का बचत करने वाले एलईडी बल्स, कैलकुलेटर्स और टाइल्स का भी निर्माण करती है। गुजरात के मोरबी और कच्छ जिले में ओरेवा ब्रांड के नाम से कंपनी स्नैक्स के कारोबार में भी दखल रखती है।

कंपनी का मुख्यालय अहमदाबाद के एसजी हाईवे पर मौजूद थालतेज सर्कल पर स्थित है। अक्तूबर 2012 में 'दीवार घड़ियों के पिता' के तौर पर मशहूर ओधवजी पटेल की मौत के बाद उनके बेटे जयसुख ओधवजी ओरेवा समूह का कारोबार संभाल रहे हैं। कंपनी का टर्नओवर करीब 800 करोड़ रुपये का है। जयसुख ओधवजी को वर्ष 2020 में गुजरात के अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा सीट के सांसद कीर्ति सोलंकी ने 'नव नक्षत्र सम्मान' नाम के बिजनेस अवार्ड से भी सम्मानित किया था।

पुल का जीर्णोद्धार करने वाले जिंदल ग्रुप ने इस ब्रिज के लिए 25 साल की गारंटी दी थी। हालांकि कंपनी ने ब्रिज पर एक साथ 100 लोगों को चढ़ने देने की इजाजत देने की बात कही थी। इस ब्रिज का फिटनेस सर्टिफिकेट और सरकार के तीन एजेंसियों के द्वारा जांच होना बाकी था। लेकिन दीपावली के दौरान हड़बड़ी में जय सुख भाई पटेल ने अपनी पौत्री के हाथों इस ब्रिज का उद्घाटन करवा दिया। बताया गया है कि हादसे के वक्त ब्रिज पर 500-700 लोग थे।

हादसे के बाद मोरबी नगरपालिका के प्रमुख संदीप सिंह जाला ने कहा है कि कंपनी ने नगरपालिका से फिटनेस सर्टिफिकेट लिए बिना ही बीते हफ्ते पुल को आम लोगों के लिए खोल दिया। उनके अनुसार पुल जीर्णोद्धार का कार्य एक सरकारी निविदा के तहत किया गया था, ऐसे में ओरेवा ग्रुप को कराए गए कार्य की विस्तृत जानकारी नगरपालिका को उपलब्ध करानी चाहिए थी। उन्हें पुल को दोबारा शुरू करने से पहले क्वालिटी जांच भी करवानी चाहिए थी, पर ऐसा नहीं किया गया। सरकार को भी इस बात की जानकारी नहीं थी कि पुल को दोबारा चालू कर दिया गया है।

संपत्ति बेचने से हुए मुनाफे पर जानें टैक्स और बचत का गणित, कोरोना के बाद बड़े मकानों की मांग बढ़ी

नई दिल्ली।
कोरोना काल के बाद बड़े मकानों की मांग बढ़ी है। लोग पुराना मकान या अन्य संपत्ति बेचकर अपने लिए बड़ा घर खरीद रहे हैं। लेकिन, क्या आपको पता है कि मकान या संपत्ति बेचने से हुए मुनाफे पर टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। दरअसल, मकान बेचकर हुए मुनाफे पर दो तरह से टैक्स की गणना होती है। तीन साल अपने पास रखने के बाद अगर आपने मकान बेचा है तो इससे हुए मुनाफे को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) माना जाएगा। इस अवधि से पहले मकान बेचने पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) माना जाएगा। एसटीसीजी को अतिरिक्त कमाई माना जाता है इसलिए इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। वहीं, एलटीसीजी पर महंगाई के सापेक्ष इंडेक्सेशन का लाभ लेने के बाद शेष बची राशि पर 20 फीसदी दर से टैक्स चुकाना पड़ेगा। इसके अलावा, तीन फीसदी उपकर भी लगेगा। मुनाफे की गणना संपत्ति खरीदने में खर्च राशि और उसके मरम्मत खर्च को घटाकर की जाती है। मकान की बिक्री से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स हुआ है तो इस रकम का इस्तेमाल दूसरा घर खरीदने में कर सकते हैं। ऐसा करके आप टैक्स देनदारी से बच सकते हैं। यह छूट मकान की बिक्री के दो साल के भीतर रेडी-टू-मूव (तैयार) मकान खरीदने पर मिलेगी। अगर मकान बेचने से एक साल पहले भी दूसरा घर खरीदा है तो भी टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। अगर राशि दो करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं है तो एक मकान बेचने से हुए लाभ का इस्तेमाल दो मकान खरीदने में कर सकते हैं। यह सुविधा एक ही बार मिलती है। मकान की बिक्री से हुए लाभ को निवेश करने के लिए भले ही आपको दो-तीन साल का समय मिलता हो, लेकिन बिक्री के बाद भरे जाने वाले आयकर रिटर्न (आईटीआर) में इसकी जानकारी देनी होगी। अगर आप तब तक निवेश नहीं कर पाते हैं तो लाभ की राशि को बैंकों के कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम में डाल सकते हैं। निर्धारित समय तक इस पर टैक्स नहीं लगेगा। मकान बेचने की तारीख से 6 महीने के भीतर सरकारी बॉन्ड में निवेश कर भी टैक्स बचा सकते हैं।

लोन देने वाले चीनी ऐप्स के खिलाफ एमएचए सख्त राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को कार्रवाई का दिया निर्देश

नई दिल्ली।
चीनी उधार देने वाले ऐप्स के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है। इस बाबत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उधार देने वाले ऐप्स के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल सख्त कार्रवाई करने को भी कहा है। साथ ही ऐसे चीनी ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भी लिखा है। दरअसल, हाल के दिनों में चीन-नियंत्रित संस्थाओं द्वारा उत्पीड़न, ब्लैकमेल और कठोर वसूली के कारण आत्महत्या की कई घटनाएं सामने आई हैं। इनको देखते हुए केंद्र ने यह कदम उठाया है। अवैध डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में कहा गया है कि इस मुद्दे ने राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव डाला है। पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत भर में अवैध डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स से संबंधित बड़ी संख्या में शिकायतें मिली हैं। ये चीनी एप विशेष रूप से कमजोर और निम्न-आय वर्ग के लोगों के लिए प्रसंस्करण या छिपे हुए शुल्क के साथ अत्यधिक ब्याज दरों पर अल्पकालिक ऋण या माइक्रो-क्रेडिट प्रदान करते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि ऋणदाता ब्लैकमेल और उत्पीड़न के लिए उधारकर्ताओं के गोपनीय व्यक्तिगत डेटा जैसे संपर्क, स्थान, फोटो और वीडियो का उपयोग करते हैं। इन सब कारणों के कारण कई लोगों ने आत्महत्या भी कर ली है। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि ये ऐप भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित संस्था (आरई) नहीं हो सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि ये अवैध उधार देने वाले ऐप बड़े पैमाने पर थोक एसएमएस, डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और मोबाइल ऐप स्टोर का उपयोग कर रहे हैं। ऋण लेने के लिए ग्राहकों को एड्रेस, मोबाइल डेटा में अनिवार्य पहुंच आदि की स्वीकार्यता और जानकारी देनी होती है।

कम खर्च में निवेश का साधन, भौतिक सोने की तुलना में गोल्ड ईटीएफ एक बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली।
शुभ अवसरों पर सोना खरीदना हमेशा से भारतीय परंपरा का हिस्सा रहा है। इस त्योहारी सीजन में भारतीय परिवार एक बार फिर गोल्ड की खरीदारी के लिए बाहर निकला है।

एक भारतीय निवेशक के रूप में सोने के खरीदारों के पास कई प्रकार के उत्पाद खरीदकर इसमें निवेश करने के मौके होते हैं। उपलब्ध सभी विकल्पों में से खरीदार को यदि गहनों की आवश्यकता नहीं है, तो जो विकल्प जो सबसे अधिक उम्दा है और जो सबसे बढ़िया निवेश विकल्प के रूप में सामने आता है वह है गोल्ड ईटीएफ। गोल्ड ईटीएफ भौतिक धातु में निवेश करने जितना ही अच्छा है। लेकिन इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप में म्यूचुअल फंड यूनिट्स जैसा रखा जाता है। यह एक डीमैट खाते में संग्रहीत होते हैं। इसकी यूनिट बहुत उच्च शुद्धता के भौतिक सोने जैसी होती है।

हर दूसरे ईटीएफ की तरह, गोल्ड ईटीएफ की स्टॉक एक्सचेंजों में लिस्टिंग और ट्रेडिंग होती है। कोई भी व्यक्ति किसी भी समय गोल्ड ईटीएफ को आसानी से खरीद और बेच सकता है। यदि आप निवेश के दृष्टिकोण से सोना खरीदना चाह रहे हैं, तो गोल्ड ईटीएफ एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। पोर्टफोलियो आवंटन के नजरिए से भी यह एक बेहतर स्थिति में है।

विश्वसनीयता : गोल्ड ईटीएफ का लक्ष्य 99.5प्रतिशत शुद्धता या इससे अधिक शुद्धता वाला सोना खरीदना है। भौतिक सोने की खरीद, उसे रखना और निवेश की लागत अपेक्षाकृत कम है। भौतिक सोने के निवेश की तुलना में ईटीएफ गोल्ड से जुड़े खर्च काफी कम हैं क्योंकि इसमें गहने बनाने जैसे कोई शुल्क नहीं लगते हैं। उदाहरण के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ का खर्च अनुपात 0.5प्रतिशत है जो गोल्ड ईटीएफ में सबसे कम है। गोल्ड ईटीएफ को किसी भी समय एक्सचेंज पर रीयल टाइम एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर कारोबारी समय के दौरान किसी की आवश्यकता के अनुसार एक यूनिट से बेचा जा सकता है। नतीजतन, यह आभूषणों, सिक्कों या छड़ों को बेचने की तुलना में अधिक आसान है।

अडाणी ग्रुप का 1 ट्रिलियन डॉलर का वैल्यूशन प्लान

ग्रीन एनर्जी से लेकर हेल्थकेयर सेक्टर में 12.36 लाख करोड़ रु निवेश करेंगे गौतम अडाणी

नई दिल्ली।
एशिया के सबसे अमीर आदमी गौतम अडाणी ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर्स, एयरपोर्ट्स और हेल्थकेयर सेक्टर में अपना बिजनेस बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए अडाणी ग्रुप का इन सभी सेक्टरों में 150 बिलियन डॉलर से ज्यादा (12.36 लाख करोड़ रुपए) का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान है। अडाणी इस प्लान के जरिए अपने ग्रुप को 1 ट्रिलियन डॉलर के वैल्यूशन पर पहुंचाकर एलीट ग्लोबल क्लब ऑफ कंपनीज में शामिल होने का अपना सपना पूरा करना चाहते हैं। 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लिमिटेड की इन्वेस्टर्स मीट में अडाणी ग्रुप के सीएफओ जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने ग्रुप के इन सभी ग्रोथ प्लान्स के बारे में डिटेल शेयर की थीं। जिसका खुलासा अब हुआ है।

5 से 10 सालों में कई सारे बिजनेस में निवेश करेंगे अडाणी

रॉबी सिंह ने बताया कि अडाणी ग्रुप का अगले 5 से 10 सालों में कई सारे बिजनेस में निवेश करने का प्लान है। ग्रुप हाइड्रोजन बिजनेस में 50-70 बिलियन डॉलर और ग्रीन एनर्जी बिजनेस में 23 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान बना रहा है। इसके अलावा ग्रुप इलेक्ट्रिक ट्रांसमिशन में 7 बिलियन डॉलर, ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी में 12 बिलियन डॉलर और रोड सेक्टर में 5 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करेगा।

डेटा सेंटर बिजनेस में एंट्री करेंगे, एयरपोर्ट्स बिजनेस बढ़ाएंगे

ग्रुप के सीएफओ ने आगे बताया कि अडाणी ग्रुप क्लाउड सर्विसेस के साथ डेटा सेंटर बिजनेस में एंट्री करने के लिए 6 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा। इसके लिए ग्रुप ने डेटा सेंटर बिजनेस करने वाली कंपनी ऐज कोनेक्स के साथ पार्टनरशिप की है। इसके अलावा अडाणी ग्रुप ने एयरपोर्ट्स बिजनेस में 9-10 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान भी बनाया है, जहां यह पहले से ही सबसे बड़ा निजी ऑपरेटर है।

पेट्रोकेमिकल में 2 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट प्लान

रॉबी सिंह ने यह भी बताया कि सीमेंट सेक्टर में एंट्री के लिए ग्रुप ने 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट किया था। ग्रुप आगे भी इस सेक्टर में निवेश करना जारी रखेगा। इसके अलावा अडाणी का पेट्रोकेमिकल सेक्टर में 2 बिलियन डॉलर इन्वेस्ट करने का प्लान भी है, जिसके जरिए वे 1 मिलियन टन प्रति वर्ष पीवीसी फैसिलिटी का सेट अप करना चाहते हैं।

हेल्थकेयर और कॉपर सेक्टर में भी करेंगे निवेश

सीएफओ ने बताया कि ग्रुप 1 बिलियन डॉलर के इन्वेस्टमेंट के साथ कॉपर सेक्टर में भी एंट्री करेगा, जिसके जरिए वे 0.5 मिलियन टन प्रति वर्ष स्मेल्टर का सेट अप करेंगे। इसके अलावा ग्रुप हेल्थकेयर सेक्टर में इंश्योरेंस, अस्पताल और डायग्नोस्टिक और फार्मा में 7-10 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें से कुछ पैसा अडाणी फाउंडेशन से आएगा।

अडाणी ग्रुप की वैल्यूशन है 260 बिलियन डॉलर

अडाणी ग्रुप की शुरुआत 1988 में हुई थी। इसके बाद से इस ग्रुप ने तेजी से ग्रोथ की है। 2015 में ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 16 बिलियन डॉलर था। अब 2022 में ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन 260 बिलियन डॉलर हो गया है। यानी सात साल में ग्रुप के मार्केट कैप में 16 गुना से ज्यादा की ग्रोथ हुई है।

1 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यूशन वाली कंपनियां

गौतम अडाणी अपने ग्रुप को 1 ट्रिलियन डॉलर के वैल्यूशन पर पहुंचाना चाहते हैं। बता दें कि दुनिया भर में कुछ ही ग्रुप हैं, जिनकी वैल्यूशन 1 ट्रिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की है। इनमें एपल, सऊदी अरामको, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल की पैरेंट अल्फाबेट और अमेजन शामिल हैं।

दुनिया के तीसरे सबसे अमीर आदमी हैं अडाणी

बता दें कि गौतम अडाणी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर आदमी हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के मुताबिक, गौतम अडाणी की नेटवर्थ 131 बिलियन डॉलर है।

ऊषा उत्थुप का गीत मोन मंचे ना आर रिलीज

-बंगाली भाषा में 44 साल बाद गाया स्पेशल गाना

मुंबई (ईएमएस)। हिंदी, बंगाली सहित कई भाषाओं में गीतों को अपने स्वर देने वाली ऊषा उत्थुप एक बार फिर अपने बंगाली फैन्स के लिए नया गीत लेकर आ रही हैं। ऊषा उत्थुप का बंगाली भाषा का गीत मोन मंचे ना आर रिलीज हो गया है। गायिका ऊषा उत्थुप ने अपना नया एकल गीत मोन मंचे ना आर जारी किया है। गीत मोन मंचे ना आर के गीतकार राजीव दत्ता और संगीतकार सुवाजीत रे हैं। इसे हाल ही में कोलकाता के ट्रिंकास रेस्तरां एंड बार में आयोजित एक कार्यक्रम में आईएनआरईसीओ-हिंदुस्तान रिकॉर्ड द्वारा जारी किया गया। ऊषा उत्थुप ने इससे पहले 1978 में आईएनआरईसीओ-हिंदुस्तान रिकॉर्ड के लिए अपना पहला बंगाली भाषा का गीत अहा तुमी सुंदरी कोतो कोलकत्ता गाया था। ऊषा उत्थुप ने इस मौके पर कहा, यह घर वापसी जैसा है। आईएनआरईसीओ-हिंदुस्तान रिकॉर्ड के लिए यह खूबसूरत गीत गाकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। आईएनआरईसीओ-हिंदुस्तान रिकॉर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दीपंजन शाह ने कहा कि यह पुरानी यादें ताजा करने जैसा है। शाह ने कहा, हम 44 साल बाद एक साथ काम कर रहे हैं। लोगों को यकीनन यह गाना पसंद आएगा। बता दें कि माथे पर बड़ी सी बिंदी, डार्क कलर की साड़ी पहनने वाली महिला, जिनकी भारी-भरकम आवाज सुनते ही आपका मन थिरकने लगे और पांवों में लय-ताल महसूस हो, तो समझ लीजिए ऊषा उत्थुप गा रही हैं। हरि ओम हरि, डालिंग आंखों से जैसे कई गाने हैं जिनसे इस आला दर्जे की गायिका की पहचान है।

'चकड़ा एक्सप्रेस' सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक

-फिल्म की शूटिंग कर रहीं अनुष्का ने कही ये बात

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस हिंदी फिल्म उद्योग द्वारा बनाई जा रही सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार अनुष्का शर्मा मुख्य भूमिका में है। अनुष्का शर्मा भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की भूमिका में हैं और झूलन गोस्वामी के रूप में उनकी प्रत्येक झलक राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। वर्तमान में अनुष्का कोलकाता के साथ ही पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में शूटिंग कर रही हैं, जो वैश्विक गौरव के शिखर तक पहुंचने के झूलन के इस सफर के लिहाज से महत्वपूर्ण है। अनुष्का ने खुलासा किया कि कैसे इस मस्ती भरे शहर की हमेशा से ही उनके दिल में एक खास जगह रही है। अनुष्का कहती है कि, कोलकाता का उनके दिल में हमेशा एक विशेष स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि, इस शहर और यहां के लोगों की गर्मजोशी, स्वादिष्ट भोजन, सुंदर वास्तुकला आदि, कोलकाता की सारी चीजें उन्हें पसंद है और चकड़ा एक्सप्रेस के लिए इस मस्ती भरे शहर में वापस आना खुशी की बात है। इस बेहतरीन अभिनेत्री ने आगे कहा कि, पिछली बार उन्होंने फिल्म परी की शूटिंग यहां की थी और यहां उस प्रोजेक्ट की शूटिंग से उनकी कई यादें जुड़ी हुई हैं। अनुष्का कहती हैं, मैंने ईडन गार्डन में चकड़ा एक्सप्रेस का अनाउंसमेंट वीडियो भी शूट किया था और झूलन भी उसके लिए यहां आई थीं। उनके साथ सेट पर रहना और बातचीत करना अद्भुत था। वे पूरी तरह से सकारात्मक हैं। इसलिए, मेरे और मेरी टीम के लिए यहां वापस आना जीवन चक्र में आने जैसा है। विश्व क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज महिला गेंदबाजों में से एक झूलन के इस शानदार सफर की जानकारी देने वाली इस नेटफ्लिक्स फिल्म में यह दिखाया जाएगा कि क्रिकेट खेलने के अपने एकमात्र सपने को पूरा करने के लिए यह तेज गेंदबाद अनगिनत बाधाओं के बावजूद कैसे आगे बढ़ती है। अनुष्का ने कहा, हमारे शूटिंग का अनुभव शानदार था और हमने ऐसी यादें बनाईं जो जीवन भर बनी रहेंगी। वे कहती हैं कि झूलन भारत के साथ ही पश्चिम बंगाल की भी एक प्रतीक हैं, और कोलकाता के साथ ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में फिल्म की शूटिंग, उनकी विरासत और यहां से शुरू हुई उनकी यात्रा के लिए एक उपयुक्त सम्मान है। भारतीय महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कप्तान रह चुकीं झूलन देश में क्रिकेट को अपना करियर बनाने की इच्छुक लड़कियों के लिए एक आदर्श हैं। वर्ष 2018 में, उनके सम्मान में एक भारतीय डाक टिकट भी जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय करियर में किसी महिला द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड भी झूलन के नाम है। अनुष्का ने चकड़ा एक्सप्रेस को फिल्माना शुरू कर दिया है। इसकी शूटिंग भारत और यूके में होगी। इसका निर्माण क्लीन स्लेट फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रसिद्ध भारतीय तेज गेंदबाज की भूमिका को जीवंत करने के लिए अनुष्का ने पहले ही महीनों की तैयारी कर ली है।

पुष्पा इम्पॉसिबल में जिद्दी सास बनकर अपनी बहू को सताएंगी अभिनेत्री केतकी दवे

मुंबई (ईएमएस)। आमदानी अठन्नी खर्चा रुपया फेम अभिनेत्री केतकी दवे शो पुष्पा इम्पॉसिबल में जल्दी ही एंट्री लेने वाली हैं। यह शो एक मजबूत महिला के जीवन और रोजमर्रा के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों पर केंद्रित है। इस शो में केतकी जिद्दी सास कुंजबाला का किरदार निभाती नजर आएंगी। शो में केतकी एक ऐसी कठोर महिला की भूमिका निभाई है, जो मूल्यों पर विश्वास करती है। इस कारण केतकी की यानी कुंजबाला की बहू का जीवन कठिन हो जाता है। इसके अलावा केतकी को डेली सोप के जरिए अपनी मां सरिता जोशी के साथ काम करने का भी मौका मिला है। अपने किरदार को लेकर केतकी ने बताया यह चरित्र मेरी पूर्व भूमिकाओं से एक स्वागत योग्य बदलाव है।

सभी अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना खुशी की बात है, क्योंकि वे सभी शानदार कलाकार हैं। इसके साथ ही मुझे अपनी मां सरिता जोशी के साथ भी काम करने का मौका मिला है, जो राधा काकू की भूमिका निभा रही हैं। कुंजबाला एक बेहद कठोर और स्वतंत्र महिला का किरदार है, जो किसी भी स्थिति में अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं करती है।

मशहूर सितार वादक अनुष्का शंकर 2 साल बाद तीन शहरों के दौरे के लिए भारत प्रवास पर आएंगी

मुंबई (ईएमएस)। विश्व प्रसिद्ध सितार वादक, संगीतकार और ग्रैमी-अवार्ड नामांकित अनुष्का शंकर, जो सितार के दिग्गज पंडित रविशंकर की बेटी हैं, दिसंबर में अपने नए संगीत रिलीज के समर्थन में तीन-शहरों के दौरे के लिए 2 साल बाद भारत प्रवास पर आ रही हैं। यह दौरा 11 दिसंबर को बेंगलुरु के गुड शेफर्ड ऑडिटोरियम में शुरू होगा, इसके बाद 16 दिसंबर को मुंबई में शनमुखानंद ऑडिटोरियम और 18 दिसंबर को नई दिल्ली के सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में समाप्त होगा। 'अनुष्का शंकर प्रोजेक्ट' जिसे वह 2007 से लाइव कर रही हैं। अनुष्का अपने पूरे प्रदर्शन के दौरान प्रयोगात्मक और रोमांचक नए सोनिक दृश्यों के माध्यम से नेविगेट करती हुई दिखाई देंगी और भारतीय शास्त्रीय संगीत पर एक स्फूर्तिदायक परिप्रेक्ष्य पेश करेंगी। भारत दौरे और अपनी नई संगीत रिलीज के बारे में विस्तार से बताते हुए, अनुष्का शंकर ने साझा किया, मैं इतने लंबे अंतराल के बाद आखिरकार भारत लौटने के लिए उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैं अब संगीत और रचनात्मक रूप से एक अलग जगह पर हूं, और मैं भारत में अपने दर्शकों के साथ इस नए और रोमांचक शो को साझा करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। मैं इस बार वास्तव में असाधारण संगीतकारों के एक समूह के साथ जुड़कर धन्य हूं और मुझे उम्मीद है कि लोग संगीत का आनंद लेंगे।

फिल्म 'फ्रेडी' का नया पोस्टर रिलीज

बालीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपने विविधतापूर्ण अभिनय से काफी कम समय में दर्शकों के चहेते बन गए हैं। उनकी आने पाली फिल्म 'फ्रेडी' जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेटेस्ट पोस्टर में उनके शानदार लुक की झलक दिखाई देती है। फिल्म के पोस्टर पर कार्तिक अपने हाथों में खून के संकेत के साथ डेन्चर का एक सेट पकड़े हुए दिखाई देते हैं। उनके भाव रहस्यमय हैं, जिससे अनुमान लगाया जा सकता है कि फिल्म में क्या है। इस पोस्टर ने वास्तव में 'फ्रेडी' को लेकर दिलचस्पी को बढ़ा दिया है और अब सभी इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो केवल डिज्नी और हॉटस्टार पर प्रिमियर होगी।

एक्शन स्टार अक्षय कुमार ने तोड़ी ईंटें

बालीवुड के एक्शन स्टार अक्षय कुमार ने एक कूडो टूर्नामेंट में भाग लिया, जहां उन्होंने हथौड़े से मोटी ईंटों को तोड़कर अपनी ताकत दिखाकर सभी को चौंका दिया। दिवाली समारोह के दौरान, अक्षय ने गुजरात के सूरत में आयोजित अपने वार्षिक कूडो टूर्नामेंट के लिए समय निकाला। उन्होंने एक वीडियो साझा किया जिसमें वह हथौड़े से ईंटें तोड़ते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में लिखा, अक्षय कुमार 14वें अंतर्राष्ट्रीय कूडो टूर्नामेंट में यहां हमारे साथ दिवाली मनाने के लिए धन्यवाद। यहां आना हमेशा विनम्र होता है, आप सभी से मिलकर मुझे मेरी शुरूआत की याद आती है। मुझे उम्मीद है कि इस टूर्नामेंट की मदद से हम हर गुजरते साल के साथ भारत में कूडो को बढ़ने में मदद करे।

'झलक दिखला जा' वापस लौटीं रुबीना

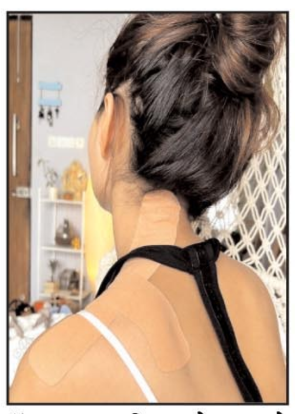

टेलीविजन स्टार रुबीना दिलैक अपनी गर्दन की चोट लगने के बाद अब ठीक हो चुकी हैं, और जल्द ही डांस आधारित रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में प्रस्तुति देती दिखेगी।यह जानकारी उनके कोरियोग्राफर सनम जौहर ने दी है। इससे पहले, रुबीना ने कोरियोग्राफर-अभिनेता सनम जौहर के साथ अपने डांस रिहर्सल के दौरान गर्दन में गंभीर चोट लगने का एक वीडियो साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया था। लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस हफ्ते इस पावर जोड़ी ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। इस सप्ताह की थीम अंतरराष्ट्रीय नृत्य शैली है। रुबीना और सनम माधुरी के रॉकस्टार का हिस्सा थे।सनम ने साझा किया, रुबीना घायल हो गई थी, लेकिन वह अब ठीक है और कुछ ही समय में वापस आ गई और आप हमारे प्रदर्शन में देखेंगे कि यह अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

'गिन्ना' के किरदार के लिए अभिनेत्री सनी लियोनी ने सांकेतिक भाषा का लिया प्रशिक्षण

मुंबई (ईएमएस)। बॉलिवुड की बेबी डॉल और हॉट अभिनेत्री सनी लियोनी ने एक सार्थक फिल्म 'गिन्ना' में एक मूक-बधिर महिला का किरदार निभाया हैं। विष्णु मांचू अभिनीत फिल्म 'गिन्ना' में उनके लिए काम करना काफी मुश्किल था। भाषा से अपरिचित होने के अलावा, वह फिल्म में एक मूक-बधिर महिला का किरदार निभाती हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने हिस्से को प्रमाणिकता देने के लिए बहुत मेहनत की और इसे स्क्रीन पर विकलांगों के कैरिक्युरिस्ट चित्रण की तरह नहीं दिखाया। चरित्र का सहानुभूतिपूर्ण चित्रण सनी के लिए प्रमुख महत्व का था। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले, उन्होंने एक अभिनय कोच के साथ कुछ हफ्तों के लिए सकेंतिक भाषाओं में प्रशिक्षण लिया। अपनी प्रक्रिया का खुलासा करते हुए, सनी ने कहा, "मेरे कोच और मैं बैठ गए और चरित्र के ग्राफ पर स्टोरीबोर्ड किया। निर्देशक और लेखक के साथ, हमने बैकस्टोरी को समझने की कोशिश की। फिर स्क्रीन पर एक वास्तविक-से-वास्तविक चित्रण लाने की असली चुनौती।

मेरी कोच ने मेरी समझ के लिए कई पठन सामग्री और वीडियो प्रदान करके मेरी मदद की।" इसने न केवल उन्हें चरित्र के मानस को बेहतर ढंग से तोड़ने में मदद की, बल्कि उन लोगों के दिमाग में भी झांका, जिनके पास आवाज और शब्दों की विलासिता नहीं है। उन्होंने आगे कहा, "रिहर्सल महत्वपूर्ण थी। इसलिए हर महत्वपूर्ण ध्श्य से पहले, मैंने एक घंटे के लिए पूर्वाभ्यास किया। आंखों के माध्यम से व्यक्त करना चरित्र को श्रेष्ठ बनाने का एक प्रमुख पहलू था। मैंने सांकेतिक भाषा भी सीखी जो कि चरित्र को और अधिक निखारने के लिए महत्वपूर्ण थी। मैं वेंकट कोना को भी धन्यवाद देना चाहती हूं जिसके बिना यह संभव नहीं था।"

रहमान की बेटी ने लिखा प्रेरणादायक पोस्ट

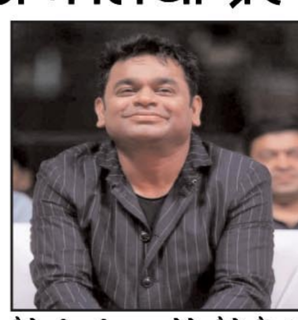

'फरिश्टन' और 'फरिश्ता' को रिलीज हुए दो साल हो गए हैं।" इस मौके पर ए.आर. रहमान की बेटी खतीजा रहमान ने अपने म्यूजिक वीडियो 'फरिश्टन' के दो साल पूरे होने के मौके पर एक प्रेरणादायक पोस्ट लिखा है। खतीजा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट में व्यक्त किया, "आभारी! "जब मैंने यह यात्रा शुरू की, तो मेरे मन में कई सवाल थे। क्या मैं उद्योग में फिट होने में सक्षम हो पाऊंगी, न कि रुझानों का पालन करना या कपड़ों के एक नए ट्रेंड पालन करना?" "क्या लोग मुझे वैसे ही स्वीकार करेंगे जैसे मैं हूं और मेरे द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों को देखेंगे?"

"क्या मैं अभी भी एक मिनट से अधिक संगीत बना पाऊंगी और फिर भी आपका ध्यान आकर्षित कर पाऊंगी?" "लेकिन आपके बिना शर्त प्यार और समर्थन के साथ-साथ भगवान की कृपा ने मुझे मेरे सभी सवालों के जवाब दिए हैं। उपरोक्त सभी सवालों का जवाब हां है।"

सूडोकु नवताल- 6238

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6237 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्दजाल - 6985

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 6984 का हल

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5938

	3	1		6		5
7	30	2	25		34	4
4			3		7	
	34	3	35		33	6
1	2			4		
	32	5	42	3	32	7
3			6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5937 का हल

1	2	4	6	7	5	3
7	26	2	31	2	36	4
4	5	1	3	6	7	2
6	32	5	29	3	37	6
2	3	6	4	1	7	5
5	34	3	36	5	32	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

टीम इंडिया की हार से बदला सेमीफाइनल का समीकरण: बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला करो या मरो का हो सकता है, 6 में से 5 टीमें होड़ में

पर्थ।
टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें अंतिम चार में पहुंचने की होड़ में हैं। चलिए एक-एक कर सभी टीमों की संभावनाओं को जान लेते हैं। साउथ अफ्रीका अब सबसे अच्छी स्थिति में रविवार के मुकाबलों से पहले टीम इंडिया ग्रुप-2 में सबसे अच्छी स्थिति में थी। भारत पर जीत के बाद अब इस स्थिति में साउथ अफ्रीका की टीम आ गई है। तीन मैचों से साउथ अफ्रीका के पांच पॉइंट्स हैं। उसके अब पाकिस्तान और नीदरलैंड से मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम 9 अंक के साथ टेबल टॉपर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। एक मैच में हार के बावजूद भी साउथ अफ्रीका अंतिम चार में पहुंच सकता है। उसका नेट रन रेट 2.772 का है जो ग्रुप में सबसे बेहतर है। टीम इंडिया को अब बुधवार को बांग्लादेश से मैच खेलना है। यह मैच भारत के लिए काफी अहम हो गया है। अगर भारतीय टीम यह मैच हारती है तो फिर उसके पांच मैच खत्म होने के बाद ज्यादा से ज्यादा 6 अंक हो सकते हैं। इसके लिए भी आखिरी मैच में भारत को जिम्बाब्वे को हराना होगा। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हार जाती है और बांग्लादेश आगे चल कर पाकिस्तान को भी हरा देता है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता है।

पाकिस्तान के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि, यह असंभव नहीं है। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हारती है और पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका को हरा देती है तो उसके लिए चांस बन सकता है। इस स्थिति में दोनों टीमों के 4-4 पॉइंट हो जाएंगे और 6 नवंबर को होने वाले दोनों मुकाबले काफी अहम हो जाएंगे। उस दिन भारत का सामना जिम्बाब्वे से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। उस दिन अगर भारत और पाकिस्तान दोनों जीत जाती हैं तो फिर दोनों के 6-6 पॉइंट होंगे और बेहतर नेट रन रेट वाली टीम अंतिम चार में पहुंच जाएगी। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। उसे अभी भारत और पाकिस्तान से खेलना है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत के सात्विक-चिराग ने जीता फ्रेंच ओपन, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारत के सात्विक-चिराग की स्टार जोड़ी ने रविवार ने 2022 में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए ताइवान के लू चिंग-याओ/यांग पो हान को हराकर बैडमिंटन फ्रेंच ओपन पुरुष डबल जीत लिया है। यह उनका 11वां खिताब है। एकतरफा मुकाबला करीब 48 मिनट तक चला, शुरू से ही भारतीय जोड़ी कोर्ट पर हावी रही। जिससे विपक्षी खिलाड़ियों का जीतना मुश्किल हो गया। 1983 के बाद पहली बार किसी भारतीय जोड़ी ने फ्रेंच ओपेन में पुरुष युगल का खिताब जीता है। इससे पहले 1983 में पार्थो गांगुली और विक्रम सिंह की जोड़ी ने यह कारनामा किया था। भारतीय जोड़ी की इस शानदार जीत पर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें बधाई दी है। अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया भारतीय बैडमिंटन पुरुष युगल जोड़ी सात्विसाईराज और चिराग शेट्टी को 2022 फ्रेंच ओपन जीतने पर बधाई। यह पहली भारतीय जोड़ी है, जिसने कोई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 का खिताब जीता है। शानदार! पिछले 2019 में फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में सात्विक और चिराग की जोड़ी खिताब से चूक गई थी। इस दौरान वे उपविजेता रहे थे और वे मार्कस फर्नाल्डी गिदोन और केविन संजय सुकामुल्जो की इंडोनेशियाई जोड़ी से हार गए थे। वहीं इस जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन 21-13, 21-19 करते हुए यह खिताब जीता है। वहीं 1983 में पार्थो गांगुली और विक्रम सिंह के बाद फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल टीम बन गई। इससे पहले सात्विक और चिराग ने शुक्रवार को पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी को हराया था। दसवीं वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ियों ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को 49 मिनट में 23-21, 21-18 से मात दी थी।

ऑस्ट्रेलिया में विराट के होटल रूम का वीडियो वायरल: कोहली बोले- ये मेरी प्राइवेसी में दखल

पर्थ। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के चाहने वाले दुनिया भर में हैं, जो उनसे मिलने और उनके बारे में सब कुछ जानने के लिए हमेशा बेचैन रहते हैं। ऐसे ही एक फैन ने विराट की एक झलक पाने के लिए उनकी प्राइवेसी में दखल डाल दिया। ऑस्ट्रेलिया के जिस होटल में टीम इंडिया रुकी है, वहां यह फैन विराट के कमरे में घुस गया। कोहली की गैर-मौजूदगी में इस फैन ने उनके कमरे का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। फैन की इस हरकत को लेकर विराट कोहली ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करके कैप्शन में लिखा कि उनकी प्राइवेसी में ऐसा दखल बिलकुल ठीक नहीं है। कई सेलिब्रेटीज ने उनके पोस्ट पर कमेंट करके फैन के इस व्यवहार को गलत बताया है। विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं जानता हूं कि फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर बहुत खुश और उत्साहित रहते हैं। मैंने हमेशा फैंस के इस उत्साह की सराहना की है। लेकिन यह वीडियो जो आया है, उससे मैं आहत हूं। इसने मुझे मेरी प्राइवेसी को लेकर चिंतित किया है। अगर होटल रूम में मुझे प्राइवेसी नहीं मिल सकती तो मुझे पर्सनल स्पेस कहां मिलेगा।

राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडलिस्ट 9 वर्षीय सोहन सिंह कौन हैं, प्रयागराज से क्या है नाता

प्रयागराज। प्रयागराज के नन्हें स्केटर सोहम सिंह ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में आयोजित राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी जीत की सूचना पर परिवार के लोगों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। सोहम सिंह कई प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। सोहम सेंट जोसेफ कालेज में कक्षा चार के छात्र हैं : प्रयागराज के रहने वाले सोहन सिंह प्रयागराज में सेंट जोसेफ कालेज में चौथी कक्षा के छात्र हैं। स्कूल में वे खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। सोहम की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें स्केटिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें अब वह धीरे-धीरे कमाल करने लगे हैं। बीते तीन वर्षों में सोहम ने कई बड़ी प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन स्थान पर पहुंचकर पदक हासिल करने में सफल रहे हैं। सोहम सिंह की उपलब्धियां : स्केटिंग प्रतियोगिताओं में सोहन सिंह पिछले तीन वर्षों से लगातार प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। हाल ही में उन्होंने राजस्थान के जोधपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर पहुंची होस्ट टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम

पर्थ।
टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 स्टेज में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हरा दिया। ब्रिस्बेन में आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 179 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 18.1 ओवर में 137 रन पर ऑल आउट हो गई। आयरलैंड के लॉर्कन टकर 71 रन बनाकर नॉट आउट रहे। दूसरे ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद टकर आखिर तक टिके रहे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। बाकी आयरिश बैटर्स फ्लॉप रहे। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-1 में 5 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। न्यूजीलैंड इस ग्रुप में टॉपर है।

25 रन पर आधी टीम आउट – आयरलैंड की आधी टीम 25 रन पर ही पवेलियन लौट चुकी थी। टकर तो आखिर तक डटे रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिला। वो 71 रन बनाकर नॉट आउट रहे। उनके अलावा आयरलैंड का कोई भी बल्लेबाज 15 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सका। ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल, एडम जम्पा, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट मार्कस स्टोइनिस को मिला। टीम का आखिरी बल्लेबाज रन आउट हुआ

फिंच, मार्श और स्टॉइनिस ने बनाए रन – ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान एरोन फिंच ने 44 बॉल पर 63 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टॉइनिस ने 25 बॉल पर 35 और मिचेल मार्श ने 28 रन बनाए। आयरलैंड के बैरी मैकार्थी ने 29 रन देकर 3 और जोशुआ लिटिल ने 21 रन देकर 2 विकेट लिए। दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर पैट कमिंस ने एंड्रयू बालबर्नी को बोल्ड कर दिया। आयरिश कप्तान 7 बॉल पर 6 रन बना सके। पावरप्ले के तीसरे ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने खतरनाक दिख रहे पॉल स्टर्लिंग को कैच आउट कराया। शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ बॉल को स्टर्लिंग मिड ऑफ पर खड़े फील्डर के हाथों में दे बैठे। उन्होंने 7 बॉल पर 11 रन बनाए। मैक्सवेल ने पावरप्ले के तीसरे ओवर की आखिरी बॉल पर हैरी टेक्टर को भी चलता किया। शॉर्ट पिच बॉल पर टेक्टर पुल शॉट मारने गए। लेकिन स्क्वेयर लेग पर खड़े सब्स्टिट्यूट फील्डर स्टीव स्मिथ को कैच दे बैठे। उन्होंने 4 बॉल पर 6 रन बनाए। स्टार्क ने चौथे ओवर की दूसरी बॉल पर कर्टिस कैंफर को बोल्ड कर दिया। फुलर लेंथ बॉल को कैंफर मिस कर गए। उन्हें गोल्डन डक पर पवेलियन लौटना पड़ा। स्टार्क ने चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर जॉर्ज डॉकरेल को भी बोल्ड कर दिया। फुलर लेंथ फास्ट यॉर्कर को डॉकरेल समझ नहीं पाए और मिस कर गए। डॉकरेल अपना खाता भी नहीं खोल सके। तीसरे ओवर की पहली बॉल बैरी मैकार्थी ने लेग स्टंप पर की। डेविड वॉर्नर पुल करने गए। बॉल मिडिल हुई, लेकिन प्लेसमेंट सही नहीं होने से शॉर्ट फाइन लेग पर खड़े मार्क अडायर को कैच थमा बैठे। उन्होंने 7 बॉल पर 3 रन बनाए। 9वें ओवर की पहली बॉल बैरी मैकार्थी ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ की। मिचेल मार्श कट करने गए। बैट का किनारा लगा और कीपर ने कैच किया। मार्श ने 22 बॉल पर 28 रन बनाए। 11वें ओवर की पांचवीं बॉल पर ग्लेन मैक्सवेल आउट हुए। जोशुआ लिटिल की फुलर लेंथ आउट स्विंग ने मैक्सवेल के बल्ले का बाहरी किनारा लिया और विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। मैक्सवेल ने 9 बॉल में 13 रन बनाए। 17वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मैकार्थी ने फिंच का विकेट लिया। लोअर फुल टॉस बॉल को फिंच लॉन्ग ऑन पर खड़े मार्क अडायर के हाथों में दे बैठे। फिंच ने 44 बॉल पर 63 रन बनाए। 19वें ओवर की चौथी बॉल पर लिटिल ने मार्कस स्टोइनिस को आउट किया। ऑफ स्टंप के बाहर लैंथ बॉल को स्टोइनिस बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े जॉर्ज डॉकरेल के हाथों में दे बैठे। उन्होंने 25 बॉल में 35 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया: एरोन फिंच (कप्तान), डेविड वार्नर, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), पैट कमिंस, एडम जम्पा, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड।

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग, एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), लोर्कन टकर (विकेटकीपर), हैरी टेक्टर, कर्टिस कैंफर, जॉर्ज डॉकरेल, गैरेथ डेलानी, मार्क अडायर, फिन हैंड, बैरी मैकार्थी और जोशुआ लिटिल।

क्लासिक बाडी बिल्डिंग इवेंट में अरुण ने जीता गोल्ड, अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाएंगे जलवा

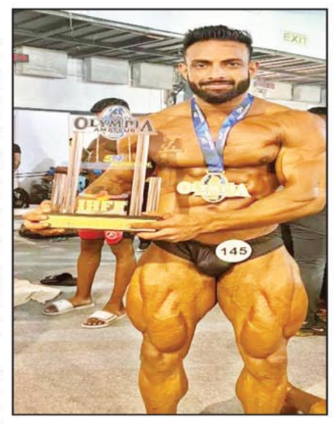

फरीदाबाद।
मुंबई में संपन्न हुई बाडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में जिले के बाडी बिल्डर अरुण अधाना ने स्वर्ण पदक और ओवर आल चैंपियनशिप में प्रो-कार्ड हासिल किया है। अरुण अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता ओलंपिया अमैच्योर इंडिया फेडरेशन की ओर से कराई गई थी। इसमें विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक बाडी बिल्डर ने हिस्सा लिया था।

इवेंट के 104 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता – प्रतियोगिता में तीन इवेंट फिजीक, क्लासिक बाडी बिल्डिंग एवं बाडी बिल्डिंग कराई गई थी। क्लासिक बाडी बिल्डिंग इवेंट के 104 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता है। अरुण ने बताया कि ओलंपिया अमैच्योर इंडिया फेडरेशन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रो-कार्ड मिलने से अब अरुण प्रोफेशनल बाडी बिल्डिंग इवेंट में हिस्सा ले सकेंगे।

इनसे मिली प्रेरणा – अरुण तिगांव में एक जिम संचालक हैं और वर्ष 2017 से बाडी बिल्डिंग कर रहे हैं। बाडी बिल्डिंग के क्षेत्र में आने की प्रेरणा मिस्टर इंडिया एवं एशिया रहे यतिंदर से मिली है। उनके भाई ने जतिंदर ने बाडी बिल्डिंग के तैयार किया है। अरुण दिल्ली यूनिवर्सिटी के दयाल सिंह कालेज से बीकाम कर चुके हैं।

स्कूल में खिलाड़ियों का स्वागत – वहीं, दिल्ली से सटे सोनीपत में 47 वीं राज्य स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के अंडर-14 में जिले की लडकियों की टीम ने प्रथम और लडकों की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया हैं। टीम में शामिल सर छोटूराम स्कूल रत्नगढ़ माजरा के खिलाड़ियों ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। पदक विजेता टीम के खिलाड़ी सोमवार को स्कूल में पहुंचे, जहां पर स्कूल के चेयरमैन जगदीश लोहचब ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। बास्केटबाल कोच रितु और राकेश ने बताया कि यह प्रतियोगिता 29 और 30 अक्टूबर को मोहाना में आर्य कन्या स्कूल में आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश भर से करीब 31 टीमों ने भाग लिया था।

प्रतियोगिता में लड़कियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्राफी पर कब्जा किया। लड़कों की टीम ने भी प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन किया और तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीम में शामिल खिलाड़ी तमन्ना, अंजू, इशिका, प्रियांशु, हर्षित, हर्ष और वंश शामिल रहे। स्कूल की खिलाड़ी अंजू और तमन्ना के प्रदर्शन को देखते हुए प्रदेश की टीम में शामिल किया गया है। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक बिमला दहिया, प्रधानाचार्य मेहरसिंह, अनीता लोहचब उपस्थित रहे।

जेटीजीसी में दूसरा जूनियर गोल्फ प्रशिक्षण शिविर संपन्न, कंसल ने प्रशिक्षुओं में प्रमाण पत्र बांटे

जम्मू।
जम्मू तवी गोल्फ कोर्स द्वारा युवा सेवा एवं खेल निदेशालय के सहयोग से आयोजित दूसरा जूनियर गोल्फ प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर 07 से 30 अक्टूबर, 2022 तक विभिन्न सरकारी बालिका विद्यालयों के छात्रों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें जम्मू संभाग से जीजीएचएस की 20 महिला छात्रों ने भाग लिया। जम्मू में पहली बार गोल्फ अकादमी का उद्घाटन इस साल के शुरू में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने जेटीजीसी सिद्धड़ा में किया था।जिसका उद्देश्य गोल्फ के खेल को बढ़ावा देना है।जिससे यूटी के युवाओं के लिए इसे और अधिक सुलभ बनाया जा सके। गोल्फ अकादमी की ओर से 8 वर्ष से 18 वर्ष की आयु के छात्रों के लिए इस 20 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खेल के नियमों और प्रारूप की समझ के साथ गोल्फ खेलने के लिए बुनियादी कौशल सीखने पर केंद्रित है। प्रशिक्षण एनजीएआई के प्रमाणित कोच रोहित गुप्ता द्वारा दिया जा रहा है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव रोहित कंसल रहे।रोहित कंसल ने सचिव जेटीजीसी, मानव गुप्ता के साथ छात्र प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव ने गोल्फ के संभावित खेल को जम्मू-कश्मीर के हर इच्छुक युवाओं तक ले जाने के लिए इस तरह के आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जेटीजीसी की सराहना की जो इस प्रसिद्ध खेल को काफी हद तक बढ़ावा देने और प्रचारित करने में एक लंबा सफर तय करेगा।

मानव गुप्ता ने कहा कि यूटी से प्राकृतिक प्रतिभाओं के लिए इस तरह के और अधिक प्रशिक्षण शिविर अधिक पेशेवर तरीके से आयोजित किए जाएंगे। जम्मू तवी गोल्फ कोर्स जम्मू-कश्मीर के नवोदित गोल्फरों को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है ताकि उन्हें गोल्फ स्पोर्ट्स की दुनिया में एक विशेष स्थान हासिल करने में सक्षम बनाया जा सके।

दिनेश कार्तिक से नाखुश सहवाग: कहा- यह बेंगलुरु नहीं, ऑस्ट्रेलिया की बाउंसी विकेट्स हैं; कार्तिक की जगह पंत को मौका दें

नई दिल्ली।
टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 5 विकेट से हरा दिया। अब ग्रुप-2 में साउथ अफ्रीका टॉपर हो गई है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया दूसरे नंबर पर आ गई है। इस मैच में सूर्यकुमार यादव को छोड़कर बाकी बैटर्स फ्लॉप रहे। 'मुल्तान के सुल्तान' नाम से मशहूर वीरेंद्र सहवाग ने विकेटकीपर बैट्समैन दिनेश कार्तिक की खराब फॉर्म पर सवालिया निशान लगाए। सहवाग ने कहा- यह बेंगलुरु का विकेट नहीं है। उनकी जगह ऋषभ पंत को मौका मिलना चाहिए था। कार्तिक साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15 गेंद में सिर्फ 6 रन ही बना सके। पाकिस्तान के खिलाफ भी वो ऐन वक्त पर तब आउट हुए, जब टीम को एक अनुभवी बल्लेबाज की बहुत जरूरत थी। हालांकि वो मैच भारत जीत गया था। बहरहाल, साउथ अफ्रीका के खिलाफ सूर्या को छोड़कर टीम इंडिया का कोई बैटर 15 से ज्यादा रन नहीं बना सका था। सहवाग ने पंत और कार्तिक के बारे में अहम बातें कहीं। कार्तिक की खराब फॉर्म पर सवाल उठाए और तंज कसते हुए उन्हें नसीहत भी दी। वीरू ने कहा- ये बेंगलुरु का विकेट नहीं है। यह याद होना चाहिए कि ऑस्ट्रेलियाई विकेट्स काफी बाउंसी और तेज होते हैं।

मुझे बताइए कि आखिरी बार दिनेश कब ऑस्ट्रेलिया में खेले थे कब वो इस तरह के बाउंसी ट्रैक पर खेले थे उन्हें इस तरह के विकेट्स पर खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है। बेहतर होगा, अब कार्तिक की जगह ऋषभ पंत को मौका दिया जाए। सहवाग के मुताबिक पंत को ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है। उन्होंने वहां टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट खेले हैं। वो ब्रिस्बेन के गाबा पर ऐतिहासिक पारी खेल चुके हैं। जहां तक मेरी बात है तो मैं सिर्फ राय दे सकता हूं। ये टीम मैनेजमेंट का फैसला है कि वो किसे खिलाएं और किसे बाहर रखें। अगर उनके प्लान में कार्तिक फिट होते है तो टीम उन्हें ही खिलाएगी।

स्पेन की किसी खिलाड़ी ने नहीं किया गोल पर टीम ने जीता खिताब, कोलंबिया को दी मात

मुंबई।
फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप के फाइनल में स्पेन ने कोलंबिया को हराकर खिताब अपने नाम किया। स्पेन की टीम ने फाइनल मैच 1-0 के अंतर से अपने नाम किया। इस मैच की खास बात यह रही कि मैच का एकमात्र गोल कोलंबिया की खिलाड़ी ने किया, लेकिन मैच स्पेन की टीम जीत गई। कोलंबिया की एना गुजमैन ने फाइनल में मैच में एक आत्मघाती गोल कर दिया और यही दोनों टीमों के बीच हार-जीत का अंतर साबित हुआ।

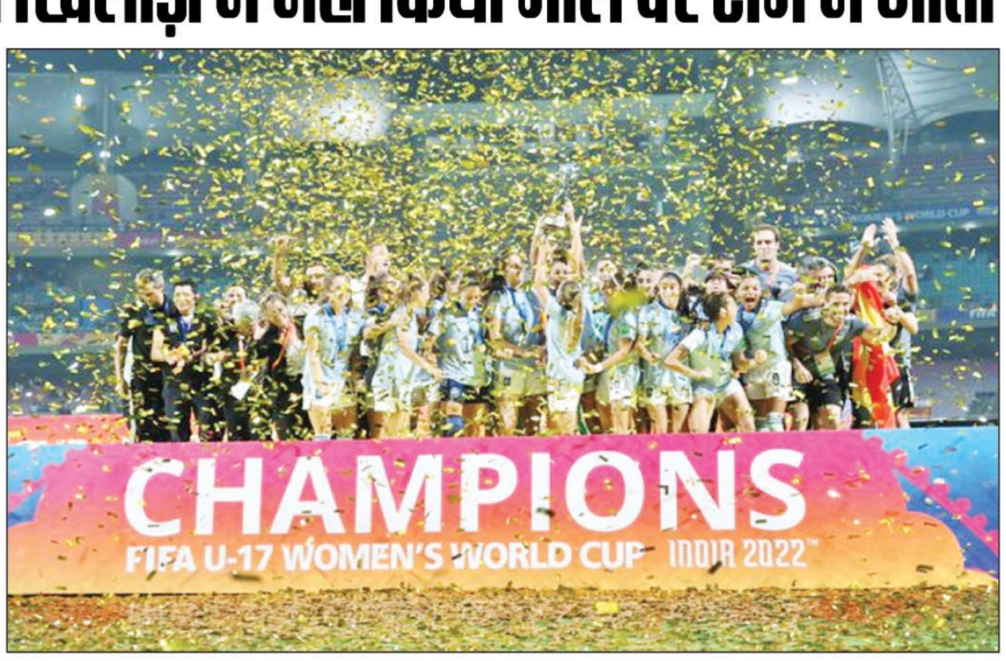

स्पेन की टीम ने दूसरी बार फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप जीता है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रोमांच अपने चरम पर था। दोनों टीमों ने गोल के भरपूर प्रयास किए, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। हालांकि, कोलंबिया की खिलाड़ी ने मैच के 82वें मिनट में बड़ी गलती कर अपने ही गोल पोस्ट में गेंद डाल दी। इसी वजह से स्पेन की टीम चैंपियन बन गई। साल 2018 में भी स्पेन की टीम चैंपियन बनी थी और इस बार किस्मत के सहारे अपने खिताब का बचाव करने में सफल रही। स्पेन इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बन चुकी है, जिसने दो बार यह खिताब जीता है। स्पेन के अलावा उत्तर कोरिया की टीम दो बार यह टूर्नामेंट जीत चुकी है। नाइजीरिया, कोलंबिया, स्पेन और जर्मनी की टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। कोलंबिया और नाइजीरिया के मैच में पूरा समय खत्म होने के बाद कोई गोल नहीं हुआ था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया ने नाइजीरिया को 6-5 से हराया। स्पेन ने दूसरे सेमीफाइनल मैच जर्मनी को 1-0 से हराकर जीत दर्ज की। तीसरे स्थान के मैच में पूरा समय खत्म होने के नाइजीरिया और जर्मनी का स्कोर 3-3 की बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी के माध्यम से 3-2 से मैच जीत लिया। इस टूर्नामेंट की मेजबानी पहली बार भारत के पास थी। 11 अक्तूबर से 30 अक्तूबर के बीच आयोजित हुए इस टूर्नामेंट को 2020 में होना था, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसका आयोजन चार साल बाद हुआ है। दुनिया भर से आई 16 टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया था। टूर्नामेंट के सभी मैच कलिंग स्टेडियम (भुवनेश्वर, ओडिशा), पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (मार्गो, गोवा) और डीवाई पाटिल स्टेडियम (नवी मुंबई, महाराष्ट्र) में हुए। पूरे टूर्नामेंट में कुल 32 मैच खेले गए।

अगर आप भी रखते हैं अपने बच्चे को कुछ ज्यादा ही बिजी तो...

सभी माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा सबसे बुद्धिमान हो, पढ़ने-लिखने में सबसे ज्यादा होशियार हो। इसी के चलते वह अपने बच्चों को स्कूल, ट्यूशन, हॉबी क्लासेस में पूरा दिन बच्चों व्यस्त कर देते हैं, ताकि उनका बच्चा भविष्य में सब चीजों के लिए तैयार हो। पेरेंट्स को ध्यान देना चाहिए कि कही उनका बच्चा इतना व्यस्त न हो जाएं, वह अपना बचपन ही कही खो दें। बुद्धिमान बनने की बजाए कुछ और ही बन जाए।

माता-पिता क्यों करते है ऐसा?

मां-बाप डरते है कि कहीं इस प्रतियोगिता भरी दुनिया में हमारा बच्चा पिछड़ न जाए। कई माता-पिता सोशल प्रैशर और दूसरों की देखादेखी भी ऐसा करते हैं। कुछ पेरेंट्स सोचते हैं कि जो हम नहीं कर पाए, वह हमारे बच्चे कर लें। वह बच्चों के माध्यम से अपनी अधूरी इच्छाओं को पूरा कर लेंगे।

संकेत पर ध्यान

बच्चों द्वारा बहुत ज्यादा एक्टीविटीज उनको थका सकती हैं और उनको तनाव दे सकती हैं। यह उनके व्यक्तित्व और सेहत को काफी प्रभावित भी करता हैं। इसलिए माता-पिता को सोचना चाहिए और सचेत हो जाना चाहिए क्योंकि ऐसी स्थिति में बच्चा आपसे दूर अपनी एक नई दुनिया बना लेगा। अपने आपको व्यस्त और अकेला समझने लगेगा।

बच्चों पर क्या असर होता है?

सुबह से शाम तक भागदौड़ और पढ़ाई में व्यस्त रहने से शारीरिक, मानसिक रूप से थक जाते हैं। वह बात-बात पर चिड़ने लगते हैं। कई बार तो बच्चे एंजायटी या डिप्रैशन से ग्रस्त हो जाते हैं। उनकी इम्यूनिटी कम होने लगती है, जिससे वह बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं। बच्चों का फिटनेस लेवल भी बिगड़ने लगता हैं।

माता-पिता को क्या करना चाहिए

- बच्चों का एक साथ कई एक्टिविटीज करना उनको गंभीरता में डाल देता हैं, जिससे बच्चा किसी भी चीज पर अच्छे से ध्यान नहीं दे पाता। इसलिए बच्चे पर ज्यादा काम या पढ़ाई या जोर न डालें।
- कई माता-पिता बच्चों की उम्र और दिलचस्पी का ख्याल किए बिना उन्हें कई एक्टिविटी करने पर जोर देने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि उनपर अपनी मर्जी न थोपे।
- बच्चों की हर एक्टिविटी के लिए समा बनाकर रखें। न ही उन्हें दिनभर टीवी देखने दें और न ही पढ़ाई। बच्चे की दिलचस्पी को देखते हुए उसे उसकी मनपसंद क्लास में डालें।
- अगर आप अपने बच्चे को सच में ही बुद्धिमान और स्मार्ट बनाना चाहते है तो बेहतर होगा अपनी सोच में बदलाव लाए। अपनी खुशी और इच्छा बच्चे पर थोपने की बजाए उसकी खुशी और क्षमता पर ध्यान दें।

फ्लू होने पर पेनकिलर लेना दिल पर पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली। सर्दी-जुकाम या फ्लू जैसे श्वसन प्रणाली से संबंधित संक्रमण के इलाज के लिए दर्द निवारक दवाओं का सेवन भारी पड़ सकता है, क्योंकि इससे दिल का दौरा पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है. एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है. निष्कर्ष में पाया गया है कि श्वसन प्रणाली से संबंधित संक्रमण के दौरान नॉन-इंफ्लामेटरी ड्रग्स (एनएसएआईडी) के इस्तेमाल से दिल के दौरे का जोखिम 3.4 गुना बढ़ जाता है.

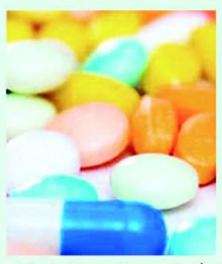

डायबिटीज होने पर रखें अपनी डाइट का ध्यान

वहीं, अस्पताल में ग्लूकोज के साथ नस में दी जाने वाली दर्द निवारक दवा से इसका खतरा 7.2 गुना बढ़ जाता है. ताइपे सिटी में नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के चेंग-चुंग फांग ने कहा, चिकित्सकों को इस बात का पता होना चाहिए कि श्वसन प्रणाली से संबंधित संक्रमण के दौरान एनएसएआईडी के इस्तेमाल से हृदय रोग का जोखिम और बढ़ जाता है.।

वहीं दूसरी ओर, जब मरीज को संक्रमण होता है और उसने कोई दवा नहीं ली, तो एक स्वस्थ व्यक्ति की तुलना में उसे दिल के दौरे का खतरा 2.7 फीसदी अधिक होता है. साथ ही, शोधकर्ताओं का मानना है कि संक्रमण मुक्त होने के लिए मरीज ने जब दवाओं का इस्तेमाल किया, तो उसे दिल के दौरे का खतरा गिरकर 1.5 गुना रह गया. यह अध्ययन पत्रिका इन्फेक्शियस डिजिज में प्रकाशित हुआ है.

बच्चो के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जानिए

सेहतमंद आहार

छोटे बच्चे माता पिता की जान होते है। उनकी खुशी और सेहत का ख्याल रखने के लिए पेरेंट्स खूब प्रयत्न करते है। इसके बावजूद भी कुछ बच्चे स्वस्थ नही रहते है और थोड़े से ही मौसम परिवर्तन के चलते बीमार पड़ जाते है। इसके पीछे का कारण बच्चो को दिया गया खान पान है।

बच्चो के स्वस्थ रहने के लिए बहुत जरुरी है की उन्हें पोषण युक्त खाना दिया जाये। बहुत से अभिभावक को इस बारे में जानकारी ना होने के वजह से वो अपने बच्चो को संतुलित आहार नहीं दे पाते और उनके बच्चे बीमार हो जाते है।

बच्चो को खाने में चॉकलेट देने के बजाय, उन्हें अनाज, दूध, अंडे तथा फल खाने को देना चाहिए। बच्चो की अच्छी सेहत के लिए उनका विशेष ख्याल रखने की जरुरत होती है।

दही

छोटे बच्चे बहुत कुछ उटपटांग खाते रहते है, जिसके चलते उनका पेट बार बार खराब हो जाता है। ऐसे में पेट को सही रखने के लिए दही फायदेमंद होता है। यह अच्छे बैक्टीरिया का एक बड़ा स्रोत भी है। यदि आप अपने बच्चे को रोजाना एक कप दही खिलाते है तो यह आपके बच्चे की दैनिक डेयरी उत्पाद की जरुरत को पूरा कर देता है। और हम आपको बताना चाहते है की एक कप दूध में दही की तुलना में अधिक कैल्शियम होता है।

अपने बच्चे को एकदम मलाई वाला दही देने के बजाय लो फेट दही में शहद और फल दे तो यह ज्यादा फायदेमंद होगा।

आप चाहे तो रोटी के साथ भी अपने बच्चे को दही दे सकते है।

फल

बहुत से पेरेंट्स अपने बच्चो को फलो का जूस देते है। लेकिन इसके बजाय यदि आप उन्हें फल देंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। शाम को नाश्ते में फल देना तो उनके लिए बहुत ही फायदेमंद है। उन्हें खाना खाने के 2 घंटे पहले खाने के लिए फल दे, वेसे भी बच्चो को शाम को भूख लगती है।

यदि आप उन्हें सेब देंगे तो उनका पेट भी भरेगा और उन्हें खाने तक बुख भी लगेगी। स्वास्थ्य और पोषण काउंसलर के अनुसार उन्हें कई रंग के फलो को खाने के लिए देना चाहिए। फलो में एंटीऑक्सीडेंट होते है जो उन्हें बीमारियों से लढ़ने की क्षमता देते है। इसलिए उन्हें खाने के लिए अंगूर, सेब, केला, स्ट्रॉबेरी आदि दे।

ऐसे बनाएं पिता अपने बच्चों से प्यार के रिश्तों को मजबूत

आजकल मार्केट में हर रोज़ कोई न कोई नई टेक्नोलॉजी लांच होती रहती हैं। ऐसी तकनीकों को जानने के लिए छोटे-छोटे बच्चों में बहुत ही जर्बदस्त क्रेज होता है। इसलिए आप इन सब की जानकारी जरूर रखें, ताकि जब आपका बच्चा आपसे कुछ पूछे तो आप उसे बता सकें। जैसे कि नए फोन, गैजेट आदि। ऐसा करने से आप एडवांस होने के साथ ठंडे दिमाग से काम लेने से बच्चो के अच्छे से हैंडल कर सकते हैं।

अगर फादर घर पर फ्री हो, तो उन्हें चाहिए कि अपने बच्चे के साथ लैपटॉप और टैबलेट पर बच्चों के साथ गेम खेल कर अच्छा समय बिताएं। आपको चाहिए कि अपने बच्चों के साथ बॉन्ड बढ़ाने के लिए आप डाईनिंग टेबल पर बैठकर किसी सोशल साइट, टेक्नोलॉजी या फिर उनकी पर्सनल लाइफ की बातें करें। अगर आप बच्चों के साथ अपनी बातें करेगें, तो आप दोनों के रिलेशन पर अच्छा असर पड़ेगा।

1. नई तकनीक के बारे में जाने

आजकल बाराज में बहुत सी नई टेक्नोलॉजी आती हैं, जिनमें आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसलिए आपको चाहिए कि आप इन टेक्नोलॉजी के बारे में ज्यादा से ज्यादा ज्ञान रखें ताकि आप अपने बच्चे के साथ अच्छा बॉन्ड बन सकें।

2. बच्चों के साथ सोशल साइट पर जुड़े

ज्यादातर देखने को मिलता हैं कि भारत में बहुत से माता-पिता ऐसे होते हैं, जो कि अपने बच्चों के साथ किसी भी सोशल साइट पर नही जुड़े होते। दूसरे देशों में बच्चों के पेरेंट्स काम-काज करने के साथ-साथ अपने बच्चों के साथ बहुत सी सोशल साइट पर जुड़े होते हैं। ऐसा करने से वह अपने बच्चों के साथ समय भी बिता लेते हैं और बच्चों के काम पर निगाह भी रखते हैं। अगर आप कुछ नया करने के बारे में सोच रहे है तो बच्चों को साथ जरुर इन बात को शेयर करें।

3.बच्चों के दोस्तों से मिलें

आप काम में चाहे कितना भी बिजी क्यों ना हों। आपको अपने बच्चों के दोस्तों के बारे में जरूर पता होना चाहिए। जिससे आप अपने बच्चे के साथ-साथ उनके दोस्तों के बारे में भी जान सकें। उनकी सही गलत आदतों को जानें की वह कहीं गलत संगत में तो नहीं पड़ गये।

4.बच्चों के मन की बात को समझे

आपका बच्चा अपसे कुछ बोलना चहाता है तो आप उसकी बात को सुने और जानें की वह आपसे क्या बोलना चहाता है। अगर उसकी बात आपको सही लगती है तो आप उसकी बात को पूरा करें। साथ ही उसका वह भी समझायें की कौन सी बात उसके लिए सही है कौन सी गलत।

5.उनके सपनों को समझे

बच्चा बड़ा होकर जो भी बनना चहाता है आप उसे जानें। उसकी इस बात को अपनी जिम्मेदारी बना लें और उसके सपने को पूरा करने में आप उसके साथ है अपने बच्चे को इस बात का दिलासा दें। जिससे वह अपनी बातों को आपसे आकर शेयर कर सके।

खजुराहों की कुछ खास बातें, जिनके कारण हैं दुनियाभर में फेमस

खजुराहो, मध्य प्रदेश के छत्तरपुर जिले का एक प्रमुख शहर है, जो काफी समय से प्राचीन एवं शानदार मंदिरो के लिए पूरे विश्व मे चर्चित हैं। खजुराहो मंदिर की बेहतरीन एवं आश्चर्यजनक मूर्तियां पर्यटको को अपनी तरफ ध्?यान खिंचती है। खजुराहो मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

खजुराहो में स्थित अनोखे आकार मे बनाए हुए सभी मंदिर भारत देश के लिए किसी तोहफे से कम नहीं। यहां के सभी मंदिरो को भारतीय कला एवं खूबसूरत पत्थरों से नवाजा गया है। खजुराहो के मंदिरो की कलाकारी देखकर कोई भी उसे बनाने वाले की तारीफ करना चाहेगा। खजुराहो के चंदेल राजाओं दव्रा बनाई गई हर एक मंदिरो में इतनी अच्छी कलाकारी कि गई है जिसे देख एसा लगता मानो मूर्तिया खुद ही बोल उठेंगी।

खजुराहो के मूर्तियों से जुडी ऐसी बहुत सी बातें भी हैं जिनको जानकर आपकी उत्सुकता और भी बढ़ जाएगी। आखिर इस खजुराहों में ऐसा क्या खास है। जानिए खजुराहो के मंदिरों के बारे में कुछ खास बातें जिन्हें आप शायद ही जानते होगे।

खजुराहो नाम कैसे पड़ा ?

खजुराहो शहर का नाम खजुराहो इसलिए रखा गया क्योकि यह शहर प्राचीन समय में खजुर के पेड़ो से घिरा हुआ रहता था। उस समय में इस शहर को खजुरपुरा नाम से जाना जाता था। जो बाद में खजुराहों नाम से जाना जाने लगा।

बालुई पत्थरो से बना है यह मंदिर

खजुराहो के अधिकतर मंदिरो को बादामी, गुलाबी और पीले रंगो के बालुई पत्थरो से आकार दिया गया है। जो देखने में बहुत ही सुंदर और अपनी ओर आकर्षित करते है।

कामुक मूर्तिया

इन मंदिरों में कामुक मूर्तियों को लेकर लोगों के बीच धारणा है कि यहां पर सिर्फ कामुक मूर्तियां ही है, लेकिन ऐसा नहीं है यहां पर सिर्फ 10 प्रतिशत ही कामुक मूर्तियां है। इसके अलावा और मूर्तियां आम आदमी की लाइफस्टाइल से संबंधित है।

पुरातनता में है सबसे सर्वश्रेष्ठ इमारत

खजुराहो की मंदिरों को भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण द्वारा प्राचीन काल की सबसे संरक्षित इमारत घोषित किया गया हैं।

मंदिर के अंदर का हिस्सा

सभी मंदिरो के अंदर के कमरे पूर्व एंव पश्चिम की ओर एक दूसरे से मिले हुए हैं। जिसमे प्रवेश द्वार, एक हॉल, एक मंदिर और एक गलियारा हैं।

देवी-देवताओं की छवियां

खजुराहो मंदिर में बनी देवी- देवताओ की अनेक मूर्तियां आकृर्षित आकार की बनी हुई हैं।

मंदिरों का विभाजन

मंदिरों को चार भागों मे विभाजित किया गया है। जो कि पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी एवं दक्षिणी है।

मंदिरों का इतिहास

खजुराहो के मंदिर मध्यकाल मे बनाए गए हैं लेकिन इन्हें फिर से 20वीं सदी में खोज निकाला गया। जिसे संरक्षित किया गया।

वास्तु प्रतिभा का सबसे बड़ा प्रतीक

खजुराहो का मंदिरों को मध्यकालीन समय के भारतीय वास्तु प्रतिभा का बेहतरीन नमूना माना जाता है।

मंदिर की संख्या समय के साथ घटती गई

पुराने युग में इस शहर में 85 मंदिर हुआ करते थे, पर अब इनकी संख्या दिनों-दिन घटती जी रही है। इस समय इनकी संख्या 22 ही रह गई हैं। इसका मुख्य कारण प्राकृतिक अपदाएं हैं।

जीभ का रंग बताएगा

आपकी सेहत का हाल, जानें ये संकेत

आपकी जीभ की रंगत से सेहत का अंदाजा लगाया जा सकता है। आपने देखा होगा कि कभी-कभी आप जब डॉक्टर के पास जाते हैं तो वह जीभ दिखाने को बोलते हैं। जीभ देखकर वह अंदाजा लगाते हैं कि क्या समस्या हो सकती है और आपकी सेहत कैसी है।

जीभ का रंग और उस पर जमी परत कई बार बीमारियों के संकेत देती हैं, आप भी इन संकेतों को जानकर खुद को अलर्ट रख सकते हैं।

जानें ये खास संकेत

1- अगर आपकी जीभ का रंग हल्का गुलाबी है और उस पर दाग धब्बे नहीं हैं तो यह स्वस्थ जीभ की निशानी है। ऐसी जीभ नम होती है।

2- दवाओं का साइड इफेक्ट होता है तो जीभ बैंगनी या नीले रंग की हो जाती है। अगर जीभ का रंग ऐसा है तो यह बिटामिन बी 2 की कमी, शरीर में दर्द और सूजन का संकेत है। इसके अलावा यह नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी का भी संकेत करता है।

3- चमकते लाल रंग वाली जीभ का मतलब बुखार, अंदरूनी चोट या संक्रमण हो सकता है। बिटामिन बी और आयरन की कमी का भी संकेत है।

4- जीभ पर पीले रंग की परत सर्दी, वायरल इंफेक्शन, आंतों की समस्या और अपच का संकेत देती है। बिटामिन बी 12 की कमी भी हो सकती है।

5- जीभ में छोटे-छोटे दरार जैसे निशान दिखाई दें तो समझ लें कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हुई है। आप अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

6- अगर आपकी जीभ पर सफेद रंग की मोटी परत है तो यह खराब पाचन और एसिडिटी का संकेत है। यह वायरल इंफेक्शन का भी इशारा हो सकता है।

7- अगर आपकी जीभ का रंग हल्का पीला है तो संभल जाएं क्योंकि यह खून की कमी, आंतों की सूजन, पीलिया, कमजोरी, थकान या नींद की कमी हो सकती है।

8- महिलाओं में जब मासिक धर्म की शुरुआत होती है तो जीभ का अगला हिस्सा लाल हो जाता है। इसके अलावा यह शरीर में कमजोरी और मानसिक परेशानी का लक्षण है।

पुराने बर्तनों को नया बनाने का ये है आसान तरीका

बर्तन चमकाना बड़ा मुश्किल काम है. उस पर अगर बर्तन जल जाए तो और मुसीबत हो जाती है. अगर आपके बर्तन भी जल गए हैं और अपनी उम्र से कुछ ज्यादा ही पुराने लगने लगे हैं तो यहां उन्हें नया बनाने के तरकीब लेकर हम आए हैं.

यहां कुछ ऐसे टिप्स दिए जा रहे हैं, जिससे आपके बर्तन और आपका किचन चमकने लगेगा.

- कांच के बर्तन और कप की सफाई के लिए रीठे के पानी का इस्तेमाल करें.
- बर्तनों पर जमे मैल को साफ करने के लिए पानी में थोड़ा-सा सिरका व नींबू का रस डालकर उबाल लें.
- पीतल के बर्तन साफ करने के लिए नींबू को आधा काट लें व इस पर नमक छिड़ककर बर्तनों पर रगड़ने से वे चमकने लगते हैं.
- एल्यूमीनियम के बर्तनों को चमकाने के लिए बर्तन धोने वाले पाउडर में थोड़ा-सा नमक मिलाकर बर्तनों को साफ करें.
- जले हुए बर्तनों को साफ करने के लिए उसमें एक प्याज डालकर अच्छी तरह उबाल लें. फिर बर्तन साबुन से साफ करें.
- वुलेन से दाग निकलने का ये है सबसे आसान तरीका
- चिकनाई वाले बर्तनों को साफ करने के लिए सिरका कपड़े में लेकर रगड़ें, फिर साबुन से अच्छी तरह धोएं.
- प्रैशर कुकर में लगे दाग-धब्बों को साफ करने के लिए कुकर में पानी, 1 चम्मच वॉशिंग पाउडर व आधा नींबू डालकर उबाल लें. बाद में बर्तन साफ करने की वाले स्क्रबर से हल्का रगड़कर साफ कर लें.
- प्याज का रस और सिरका बराबर मात्रा में लेकर स्टील के बर्तनों पर रगड़ने से बर्तन चमकने लगते हैं.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)